निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शुक्रवार 3 अप्रैल 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 314 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

असम के ख़ुमताई में चुनाव प्रचार करते झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

के. के. सिंह ने संभाला सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सेल के निदेशक (कार्मिक) कृष्ण कुमार सिंह ने गुरुवार को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया है। श्री सिंह प्रचालन, मानव संसाधन विकास, सतर्कता और कार्मिक एवं प्रशासन जैसे विविध क्षेत्रों में लगभग चार दशकों के गहन अनुभव के साथ सेल की विकास गाथा में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1987 में भिलाई इस्पात संयंत्र में एक प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में की थी, जहां उन्होंने मानव संसाधन विकास विभाग में जाने से पहले 'ब्लूमिंग एंड बिलेट मिल' में एक दशक से अधिक समय तक अपना योगदान दिया। उन्होंने कार्मिक और प्रशासन विभाग के कार्यकारी निदेशक (प्रभारी) सहित कई लीडरशिप पदों पर कार्य किया है। उन्हें 2022 में निदेशक (कार्मिक) नियुक्त किया गया, जो उनके गहरे डोमेन ज्ञान और मजबूत नेतृत्व कौशल को दर्शाता है। निदेशक (कार्मिक) के रूप में अपने वर्तमान रोल में, श्री सिंह ने सेल के मानव संसाधन के कायाकल्प का नेतृत्व किया है। उन्होंने कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु प्रोग्रेसिव कार्मिक कल्याण और विकास योजनाओं की शुरुआत की है। उनका नेतृत्व सेल की 'जन-केंद्रित' प्रगति को मजबूत कर रहा है।

खराब प्रदर्शन वाले बैंकों में नहीं रखा जाएगा सरकारी पैसा : वित्त मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू समाहरणालय सभागार में गुरुवार को आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बैंकों के प्रदर्शन को लेकर सख्त रुख अपनाया। पलामू डीसी समीरा एस की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, अग्रणी जिला प्रबंधक और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सरकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान साख जमा अनुपात (सीडी रेशियो), कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और एनआरएलएम जैसी योजनाओं की समीक्षा की गई। वित्त मंत्री ने पाया कि बैंकों का प्रदर्शन लक्ष्य के अनुरूप नहीं है, जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने स्पष्ट कहा कि जिन बैंकों का प्रदर्शन खराब रहेगा, उनमें सरकारी राशि जमा नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पलामू जैसे पिछड़े जिले में बैंकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां किसानों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और कमजोर वर्गों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की जरूरत है। मंत्री ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि पलामू के बैंकों में कुल 12,345 करोड़ 25 लाख रुपये जमा हैं, जबकि इसके मुकाबले केवल 4,213 करोड़ 66 लाख रुपये यानी 40.73% ही ऋण के रूप में वितरित किए गए हैं। इस असंतुलन को लेकर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और सुधार के निर्देश दिए। कृषि ऋण के क्षेत्र में भी प्रदर्शन संतोषजनक नहीं पाया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के नौ महीने बीतने के बावजूद कुल उपलब्धि केवल 30.14% रही, जबकि दिसंबर तिमाही में यह मात्र 6.9% रही। कृषि ऋण लेने वाले लाभुकों की संख्या भी 39 हजार से घटकर 35,260 हो गई, जिसे मंत्री ने गंभीर चिंता का विषय बताया। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत लक्ष्य के मुकाबले केवल 225 की उपलब्धि दर्ज की गई, जो बेहद कम है। वहीं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत पूरे जिले में केवल पांच लाभुकों को ऋण दिया गया। मंत्री ने इन योजनाओं में तेजी लाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। बैठक में सरकारी योजनाओं के तहत बढ़ते एनपीए पर भी चिंता जताई गई। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकों को सिर्फ ऋण वितरण ही नहीं, बल्कि उसकी वसूली पर भी बराबर ध्यान देना चाहिए। इससे बैंकिंग प्रणाली मजबूत होगी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल पंपों पर दहशत फैलाने वाला अपराधी गिरफ्तार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी में आधा दर्जन से ज्यादा लूट और डकैती की वारदातों को अंजाम देकर दहशत फैलाने वाले गिरोह पर रांची पुलिस ने अपना पूरा शिकंजा कस दिया है। रांची पुलिस ने फरार चल रहे गिरोह के सरगना मोहम्मद तल्हा को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले रांची पुलिस टीम ने गिरोह के दस अपराधियों को एक साथ गिरफ्तार किया था। राजधानी रांची में आधा दर्जन से ज्यादा लूट और डकैती कांडों के आरोपी मोहम्मद तल्हा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अबुआ आवास के नाम पर वसूली, प्राथमिकी

गढ़वा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के मेराल प्रखंड के गोन्दा पंचायत में सरकारी योजनाओं में मची लूट का जिला प्रशासन ने भंडाफोड़ किया है। उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा की जांच में अबुआ आवास और मनरेगा में भारी अनियमितताएं पाई गई हैं। इस मामले में वर्तमान बीडीसी और बिचौलियों पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है। इस आदेश के बाद मेराल थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

दंतैल हाथी की संदिग्ध मौत से सनसनी

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर अनुमंडल में वन्यजीव संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष का एक बेहद दुखद पहलू सामने आया है। जैतगढ़ थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव में गुरुवार सुबह एक विशालकाय दंतैल हाथी का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। खेत में पड़े हाथी के बेजान शरीर को देखकर ग्रामीणों में जहां एक ओर दहशत है वहीं दूसरी ओर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

हादसे में पति की मौत, पत्नी घायल

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चित्रा थाना अंतर्गत गाजा मोड़ के पास एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी जख्मी है। दंपति बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जा रहे थे। मृतक की पहचान कर्माटांड़ थाना क्षेत्र के शिमला निवासी 33 वर्षीय प्रदीप मंडल के रूप में हुई है। उनकी पत्नी की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज चल रहा है।

सड़क दुर्घटना में अधेड़ की मौत

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना किसान चौक के पास हुई, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। मृतक की पहचान टुण्डी थाना क्षेत्र के तारडांड निवासी 50 वर्षीय किशन महतो के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह रोज की तरह साइकिल से धनबाद की ओर जा रहे थे तभी यह हादसा हुआ।

इनामी नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। झारखंड में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। पांच लाख रुपये के इनामी जेजेएमपी संगठन के सब-जोनल कमांडर सुरेंद्र लोहरा ने सरकार की आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर हथियार डाल दिए। सुरेंद्र लोहरा ने पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेंट यादराम बुनकर के सामने पुलिस सभागार में आत्मसमर्पण किया। पुलिस महानिरीक्षक ने प्रेस वार्ता में बताया कि सुरेंद्र लोहरा के खिलाफ अलग-अलग थानों में कुल आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह करीब 20 साल से उग्रवादी गतिविधियों में शामिल था। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2005 में माओवादी संगठन से जुड़ गया था और धीरे-धीरे नक्सली गतिविधियों में सक्रिय हो गया। बताया गया कि वर्ष 2011 में उसे गिरफ्तार किया गया था और इसके बाद उसे जेल भेजा गया। जमीन विवाद के कारण वह भाकपा करीब 10 साल जेल में रहने के बाद वह 2021 में रिहा हुआ। रिहा होने के बाद वर्ष 2023 में पप्पू लोहार के कहने पर उसने जेजेएमपी संगठन ज्वाइन कर लिया और फिर से सक्रिय हो गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर उग्रवादियों का मुख्यधारा में लौटना एक अच्छा संकेत है। इस मौके पर निरीक्षक प्रमोद कुमार सिन्हा समेत कई पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

हर दिन 28 लाख के अवैध बालू का हो रहा उठाव : प्रदीप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गोड्डा/रांची। झारखंड की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में शामिल कांग्रेस के भीतर से ही अब सवाल उठने लगे हैं। झारखंड कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने गोड्डा के उपायुक्त को पत्र लिखकर पथरगामा अंचल में हो रहे अवैध बालू उठाव को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस पत्र के सामने आने के बाद सियासी हलकों में हलचल तेज हो गई है। खास बात है कि प्रदीप यादव ने उपायुक्त के नाम लिखे पत्र को अपने सोशल मीडिया पर भी साझा कर दिया है। विधायक ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि पथरगामा क्षेत्र की गेरुआ नदी के कई घाटों पर पिछले करीब छह महीनों से बड़े पैमाने पर अवैध बालू का उठाव हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर इस पर रोक लगाने के बजाय अनदेखी की जा रही है, जिससे यह धंधा लगातार फल-फूल रहा है। पत्र में सबसे गंभीर आरोप अवैध वसूली को लेकर लगाया गया है। विधायक के मुताबिक प्रतिदिन करीब 150 हाइवा ट्रकों से बालू का उठाव होता है और प्रत्येक ट्रक से लगभग 18,500 रुपये की वसूली की जाती है। इस हिसाब से रोजाना करीब 27,75,000 रुपये की अवैध उगाही हो रही है। उन्होंने कहा कि यह रकम स्थानीय स्तर पर जुड़े लोगों को आर्थिक रूप से फायदा पहुंचा रही है। प्रदीप यादव ने गेरुआ नदी से लगातार हो रहे बालू उठाव के कारण जलस्तर में गिरावट और आसपास के गांवों में पानी की किल्लत की भी आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि इसका असर खेती और सिंचाई पर भी पड़ रहा है, जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ रही है।

एएनएम प्रतियोगी परीक्षा की उत्तरकुंजी जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने झारखंड सहायक नर्स मिडवाइफ प्रतियोगी परीक्षा की आधिकारिक उत्तर कुंजी जारी कर दी है। यह परीक्षा 18 और 19 मार्च 2026 को आयोजित की गई थी। जिन उम्मीदवारों ने निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन किया था, वे अब आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर उत्तर कुंजी डाउनलोड कर सकते हैं और अपने संभावित अंकों का आकलन कर सकते हैं। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के अनुसार उम्मीदवार 07 अप्रैल 2026 की मध्यरात्रि तक ही आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद की गई कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। ध्यान रखें कि आपत्ति केवल ऑनलाइन माध्यम से ही मान्य होगी, किसी अन्य तरीके से भेजी गई शिकायत पर विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही आपत्ति केवल ऑनलाइन माध्यम से ही मान्य होगी, किसी अन्य तरीके से भेजी गई शिकायत पर विचार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे समय-समय पर आयोग की आधिकारिक वेबसाइट चेक करते रहें, ताकि नई अपडेट की जानकारी मिलती रहे। आयोग ने बताया है कि उत्तर कुंजी सिर्फ उम्मीदवारों को अपने जवाब मिलाने के लिए जारी की गई है। इससे अभ्यर्थी यह देख सकते हैं कि उनके कितने सवाल सही हुए हैं और वे अपने अनुमानित अंक भी निकाल सकते हैं। अगर किसी उम्मीदवार को उत्तर कुंजी में कोई गलती लगती है, तो वह तय समय के अंदर ऑनलाइन तरीके से आपत्ति दर्ज कर सकता है। आयोग ने साफ कहा है कि सिर्फ वही उम्मीदवार आपत्ति दर्ज करा सकते हैं जिन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया था और सभी आपत्तियों की जांच अधिकारियों द्वारा की जाएगी।

विक्रय एवं उत्पादन के साथ सेल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/ बोकारो। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में विक्रय और उत्पादन दोनों में नए मानक स्थापित करते हुए, अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। अपनी ब्रांड उपस्थिति और ग्राहकों तक पहुंच को मजबूत करते हुए, कंपनी ने 20.14 मिलियन टन की अब तब की सर्वाधिक विक्रय दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष के 18.07 मिलियन टन की तुलना में 11.5% की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि व्यापक रही और सभी उत्पाद श्रेणियों में बिक्री में उछाल देखा गया। उत्पादन के मोर्चे पर, सेल ने 19.43 मिलियन टन का अपना सर्वश्रेष्ठ कच्चा इस्पात उत्पादन और 19.176 मिलियन टन का विक्रेय इस्पात उत्पादन दर्ज किया, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। परिचालन उत्कृष्टता को बेहतर दक्षता मापदंडों के माध्यम से और प्रदर्शित किया गया, जो टिकाऊ और प्रतिस्पर्धी इस्पात उत्पादन की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। भारतीय रेलवे को 1.25 मिलियन टन की रिकॉर्ड सप्लाई देना और अपनी यूनिवर्सल रेल मिल से अब तक का सबसे ज्यादा उत्पादन करना, सेल की कार्यकुशलता और भारत के रेल नेटवर्क को बढ़ाने में उसके रणनीतिक योगदान को दिखाता है। यही नहीं, कंपनी के निर्यात (एक्सपोर्ट) में भी 162% की भारी बढ़त देखी गई है, जो 2.9 लाख टन तक पहुंच गया है। सेल ने अब भूटान समेत नए विदेशी बाजारों में भी अपना विस्तार किया है। ये उपलब्धियां सेल की लगातार वैल्यू बढ़ाने की क्षमता को सुदृढ़ करने, सेल की ब्रांड पोजीशनिंग को मजबूत करने और विविध बाजारों में ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने की क्षमता को साबित करती हैं।

परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के रांची स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में गुरुवार को कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने वोकेशनल विभाग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पीजी थर्ड सेमेस्टर की चल रही परीक्षाओं की व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण करते हुए पारदर्शिता और अनुशासन पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के बाद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने परीक्षा केंद्रों पर बैठने की व्यवस्था, छात्रों की उपस्थिति, अनुशासन और निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सुनिश्चित करने को कहा कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित हो। कुलपति ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आंजन धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर स्थित आंजन धाम में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पवनसुत हनुमान की जन्मस्थली कहे जाने वाले इस स्थान पर सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। गुमला के अलावा रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के जशपुर सहित कई स्थानों से हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचे। स्थानीय मंदिर विकास समिति और आयोजन समिति द्वारा 24 घंटे के अखंड हरिकीर्तन सह महाभंडारा का आयोजन किया गया। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लेकर पूजा-अर्चना की। मुख्य पुजारी केदारनाथ पंडा ने बताया कि पिछले करीब 25 वर्षों से लगातार महाभंडारा और अन्य धार्मिक अनुष्ठान भव्यता से आयोजित किए जा रहे हैं। केदारनाथ पंडा ने स्थानीय प्रशासन से कार्यक्रम में सहयोग न मिलने की बात भी कही। जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर में हनुमान जी को 56 भोग अर्पित किया गया। इसके बाद सामूहिक हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया गया। माता अंजनी और हनुमान के बाल्य रूप की पूजा विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ की गई। बाद में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर खोल दिया गया। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने हनुमान जी के दरबार में हाजिरी लगाई। उन्होंने माता अंजनी और बाल्य हनुमान से परिवार सहित क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने झारखंड सरकार से आंजन धाम के समुचित विकास की भी मांग की। मान्यता के अनुसार हनुमान की जन्मस्थली कहे जाने वाले इस आंजन गांव का नाम माता अंजनी के नाम पर पड़ा है। यहां पुरातन समय में रामायण बगीचा और रामायण से जुड़ी कई चीजें मौजूद हैं, जो इस क्षेत्र को एक अलग पहचान दिलाती हैं। कहा जाता है कि माता अंजनी यहीं निवास करती थीं और यहीं एक गुफा में उन्होंने हनुमान को जन्म दिया था तभी से इस क्षेत्र का विशेष महत्व है।

कुएं में गिरा जंगली हाथी

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड की राजधानी रांची के बुंडू वन प्रक्षेत्र अंतर्गत सोनाहातू थाना क्षेत्र के सारयाद गांव में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक जंगली हाथी अचानक खुले कुएं में गिर गया। घटना की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जुट गए, जिससे पूरे इलाके में सनसनी का माहौल बन गया। वन विभाग के अधिकारियों ने हाथी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन, रस्सियों और अन्य तकनीकी संसाधनों का सहारा लिया। रेस्क्यू टीम ने कुएं के एक हिस्से को काटकर ढलाननुमा रास्ता तैयार किया, ताकि हाथी खुद बाहर निकल सके। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मोटर पंप की व्यवस्था कर कुएं में पानी भरा, जिससे जलस्तर बढ़ने पर हाथी ऊपर की ओर आ सके। कई घंटों की कड़ी मशक्कत और समन्वय के बाद आखिरकार हाथी तैयार किए गए रास्ते से बाहर निकलने में सफल रहा।

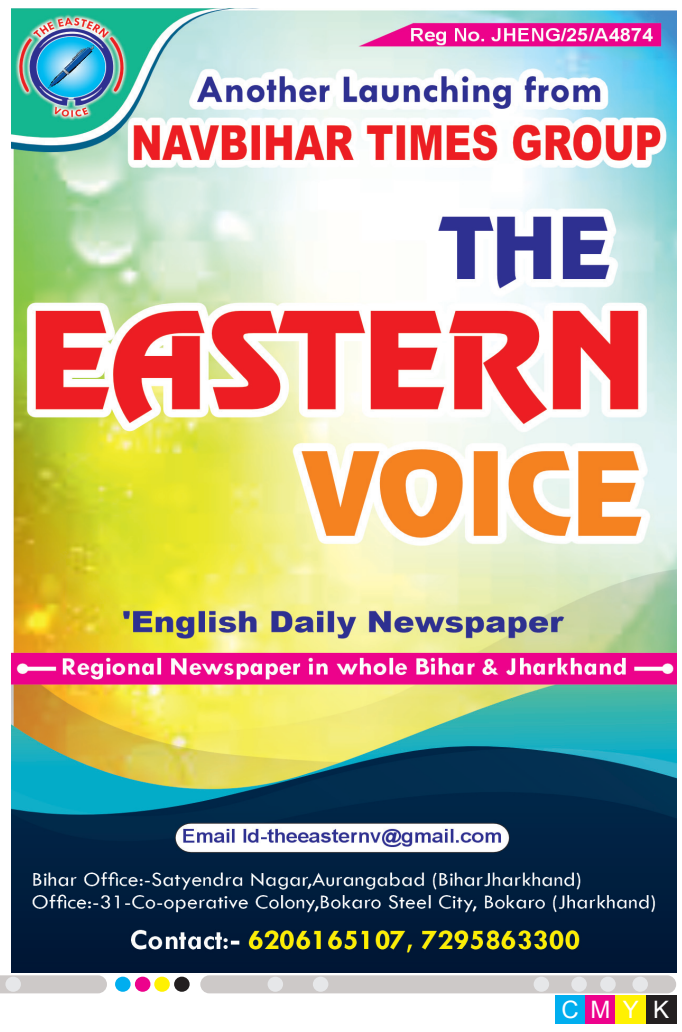

समस्याओं को लेकर चैंबर का प्रशासन से संवाद, गैस संकट व अतिक्रमण पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष विकास शेट्टी के नेतृत्व में उपायुक्त पलामू से शिष्टाचार मुलाकात कर शहर एवं व्यापारिक समुदाय से जुड़ी विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उपायुक्त ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित एवं स्थायी समाधान के लिए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

बैठक में चैंबर अध्यक्ष विकास शेट्टी ने होटल एवं रेस्टोरेंट व्यवसाय की गंभीर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी के कारण व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। गैस आपूर्ति बाधित होने से होटल संचालन कठिन हो गया है, जबकि कर्मचारियों का वेतन और अन्य खर्च वहन करना भी चुनौती बनता जा रहा है। इस पर उपायुक्त ने बताया कि फिलहाल अस्पताल, हॉस्टल एवं आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन होटल व्यवसाय की समस्या के समाधान के लिए भी प्रशासन प्रयासरत है।

बस स्टैंड की अव्यवस्था और अतिक्रमण बना प्रमुख मुद्दा

प्रतिनिधिमंडल ने शहर के सरकारी बस स्टैंड परिसर की बदहाल स्थिति पर भी चिंता जताई। बताया गया कि अस्थायी रूप से बसाए गए थोक सब्जी विक्रेता अब स्थायी मंडी का रूप ले चुके हैं, जिससे यात्रियों के बैठने और प्रतीक्षा करने की व्यवस्था समाप्त हो गई है। परिसर में भीड़, गंदगी और अव्यवस्था बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी उत्पन्न हो रहे हैं। चैंबर ने मांग की कि सब्जी विक्रेताओं को बैरिया स्थित बाजार समिति परिसर में स्थानांतरित किया जाए, ताकि बस स्टैंड की मूल व्यवस्था बहाल हो सके।

अतिक्रमण हटाने और नो-पार्किंग जोन बनाने की मांग

गर्मी के मौसम को देखते हुए संभावित आगजनी की घटनाओं के मद्देनजर चैंबर ने रेडमा चौक से अस्पताल चौक, आदर्श रोड होते हुए छहमुहान चौक तक मुख्य मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने और नो-पार्किंग जोन घोषित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बढ़ते अतिक्रमण के कारण जाम की समस्या गंभीर हो गई है, जिससे आपात स्थिति में एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को समय पर पहुंचने में कठिनाई होती है।

फायर ब्रिगेड की तैनाती पर भी उठी मांग

चैंबर ने यह भी सुझाव दिया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को शहर के भीतर या थाना परिसर में ह्लरेडी मोडह्व में तैनात किया जाए, ताकि आगजनी जैसी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उपायुक्त ने इस मुद्दे पर भी आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिया। उपायुक्त ने बैठक के अंत में कहा कि प्रशासन व्यवसायियों और आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है तथा संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। बैठक में चैंबर के सचिव वरुण जायसवाल सहित अनूप कुमार, मनोज कुमार सोनी, निलेश चंद्र, परिमल प्रसून, श्रीकांत कुमार, आनंद वर्धन और रंजीत कुमार मिश्रा समेत कई सदस्य उपस्थित रहे।

11 घंटे बाद खत्म हुआ सड़क जाम : मृतक आश्रित को 7 लाख मुआवजा, एक नौकरी और अंचल से 1 लाख सहायता पर बनी सहमति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी/हजारीबाग। प्रखंड अंतर्गत पगार ओपी क्षेत्र के जोरदाग गांव में बुधवार को कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लगी 16 चक्का हाईवा की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत के बाद ग्रामीणों और परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। घटना के विरोध में लोगों ने ट्रांसपोर्टिंग मार्ग को जाम कर मुआवजा, मृतक आश्रित को नौकरी और अलग ट्रांसपोर्टिंग सड़क निर्माण की मांग को लेकर एनटीपीसी प्रबंधन व स्थानीय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। करीब 11 घंटे तक चले सड़क जाम और हंगामे के बाद देर रात जिला प्रशासन की पहल पर वार्ता सफल रही और जाम समाप्त कराया गया। मौके पर पहुंचे जिले के अपर समाहर्ता संतोष सिंह ने परिजनों और ग्रामीणों से बातचीत कर समाधान निकाला।

7 लाख मुआवजा, एक नौकरी और 1 लाख अतिरिक्त सहायता

वार्ता के बाद ट्रांसपोर्टिंग कंपनी ने मृतक के आश्रित को 7 लाख रुपये मुआवजा देने तथा परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने पर सहमति जताई। वहीं अंचल कार्यालय की ओर से 1 लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि देने की घोषणा की गई। इसके बाद परिजन और ग्रामीण जाम हटाने को तैयार हुए।

हाईवा की चपेट में आने से हुई थी सुनील सोनी की मौत

जानकारी के अनुसार, एनटीपीसी के केडी एवं सीबी कोल माइंस से कोयला ट्रांसपोर्टिंग कर रहे एक हाईवा वाहन ने सुनील सोनी (45 वर्ष) को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि सुनील सोनी जोरदाग रोड स्थित अपने निमार्णाधीन घर से काम करवाकर बाइक से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

एक महीने पहले पत्नी की भी हुई थी मौत

यह घटना परिवार के लिए दोहरी त्रासदी बनकर सामने आई है। मृतक सुनील सोनी की पत्नी की मौत भी महज एक महीने पहले एक अन्य ट्रांसपोर्टिंग वाहन की चपेट में आने से हो चुकी थी। अब सुनील सोनी के पीछे तीन बेटियाँ और दो बेटे बेसहारा हो गए हैं।

ग्रामीणों में भारी आक्रोश

घटना के बाद ग्रामीणों ने एनटीपीसी और ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बेतरतीब कोयला ढुलाई और भारी वाहनों की रफ्तार लगातार लोगों की जान ले रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि अलग ट्रांसपोर्टिंग सड़क और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, तो आंदोलन और तेज होगा।

संक्षिप्त समाचार

स्वरूपाथर में गरमााया माहौल, हेमंत सोरेन और डॉ. सरफराज अहमद ने झोंकी ताकत

असम (नबिटासं)। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे सभी राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में पहली बार असम चुनाव मैदान में उतरी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी जोर-शोर से प्रचार अभियान में जुट गई है चुनाव प्रचार के दौरान स्वरूपाथर विधानसभा क्षेत्र

में राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। यहां आयोजित एक जनसभा में हेमंत सोरेन और राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद ने संयुक्त रूप से चुनाव प्रचार करते हुए जनता को संबोधित कियाजनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने प्रभावशाली भाषण से कार्यकताओं और आम जनता में जबरदस्त उत्साह भर दिया। उन्होंने गठबंधन की नीतियों, उपलब्धियों और जनहित से जुड़े कार्यों को मजबूती से जनता के सामने रखा। उनके संबोधन में जमीनी जुड़ाव और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता साफ झलक रही थी वहीं, डॉ. सरफराज अहमद ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास, भाईचारे और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने के लिए गठबंधन को मजबूत करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने संबोधन में क्षेत्र के विकास और जनता के अधिकारों की लड़ाई को प्रमुख मुद्दा बताया।प्रचार अभियान के दौरान दोनों नेताओं की सक्रियता और जनसंपर्क से यह स्पष्ट हो गया कि वे जनता के बीच मजबूत पकड़ रखते हैं। नेताओं ने विश्वास जताया कि जिस तरह से उन्हें जनता का प्यार, स्नेह और समर्थन मिल रहा है, उससे उनकी जीत सुनिश्चित है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान का आयोजन

बिहारशरीफ (नबिटासं)। राजगीर विधानसभा क्षेत्र में राजगीर नगर मंडल एवं सिलाव मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राजगीर स्थित संस्कार मैरिज हॉल तथा सिलाव स्थित शिवकुमार सिंह स्मृति हॉल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा नालंदा के जिला उपाध्यक्ष सुधीर कुमार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शैलेन्द्र कुमार एवं जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सबो देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर भारतीय जनसंघ एवं भाजपा के संस्थापक विचार कों पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा श्याम प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में मंडल के सभी पदाधिकारीगण, शक्ति केंद्र प्रमुख, जिला के पदाधिकारीगण तथा सक्रिय कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में आधार सेवाएं सुदृढ़ करने पर जोर : उप विकास आयुक्त

बंद किट एक माह में चालू करने के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक उप विकास आयुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आधार पंजीकरण और अद्यतन केंद्रों की उपलब्धता बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) उदय प्रताप सिंह को निर्देश दिया कि ग्रामीण इलाकों में आधार केंद्रों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग आधार सेवाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जिन नागरिकों का अब तक

आधार नहीं बना है, उनकी पहचान कर विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। बैठक में प्रखंडवार आधार केंद्रों की स्थिति की समीक्षा की गई।

इस दौरान पांडु प्रखंड में आधार सेवा बंद होने की जानकारी सामने आई, जिस पर उन्होंने संबंधित बीडीओ को नया कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्त कर जल्द सेवा बहाल करने का निर्देश दिया। साथ ही सीएससी मैनेजर को बंद पड़े सभी यूसीएल (वउछ) किट को एक माह के भीतर चालू कराने के निर्देश दिए गए। उप विकास आयुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के बायोमैट्रिक अपडेट कार्य में तेजी लाने तथा इसे शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया। वहीं छतरपुर डाक उपघर में कंप्यूटर खराब होने के कारण आधार कार्य बाधित होने की जानकारी पर उन्होंने जेम (त्रीट) पोर्टल के माध्यम से नया कंप्यूटर क्रय कर कार्य शीघ्र शुरू करने को कहा। बैठक में प्रभारी उप निर्वाचन पदाधिकारी सह समिति की संयोजक प्रीति किस्कू, सदर एसडीपीओ राजीव रंजन, यूआईडीआई क्षेत्रीय कार्यालय के प्रतिनिधि, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के मैनेजर, सीएससी मैनेजर तथा शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर ने किया झील निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग । हजारीबाग झील में चल रहे निर्माण कार्यों का महापौर ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई कार्यों पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई और निर्माण कार्यों को नियमानुसार तथा बेहतर तरीके से करने की चेतावनी दी। महापौर ने स्पष्ट कहा कि किसी भी सूरत में झील की प्राकृतिक संरचना से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर ने कहा कि आगामी दिनों में झील में चल रहे सभी निर्माण कार्यों का पुनः निरीक्षण किया जाएगा और इस बार स्वीकृत नक्शे व योजना के साथ स्थल पर जांच होगी। उन्होंने कहा कि जनता के पैसे से हो रहे कार्यों का लाभ सीधे जनता को दिखना चाहिए। बिना आवश्यकता के योजना बनाकर प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करना उचित नहीं है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालक अभियंता रमेश कुमार, नगर निगम के उप आयुक्त ज्योतिष कुमार सिंह भी मौजूद थे। जानकारी के अनुसार हजारीबाग झील में लगभग 13 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इसी को लेकर महापौर जेपी मार्ग से लौटने के दौरान निर्माण कार्यों को देखने झील पहुंचे। डीआईजी आवास के समीप बनाए गए पुल के एक्सटेंशन हिस्से को देखकर महापौर नाराज हो गए। उन्होंने पुल के भीतर तक जाकर निरीक्षण किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं नकद राशि पुरस्कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पदमा। झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-07 पदमा, हजारीबाग भा०पु०से समादेष्टा अविनाश कुमार के द्वारा 17 वीं राज्य स्तरीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता-2026 में जैप-07 के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों ताईक्वाण्डो खेल प्रशिक्षक आरक्षी-360 मदन कुमार महतो, पावर लिफ्टिंग- स्वर्ण पदक आरक्षी 40 सुमित ऐलेक्स कुजूर, बॉस्केट बॉल स्वर्ण पदक आरक्षी-590 कोर्नेलियुस सोरेन, आरक्षी-299 अमित कुमार साहु कराटे, स्वर्ण पदक आरक्षी-155 धीरन सिंह, एथेलिटिक्स स्वर्ण पदक आरक्षी-520 मन्टुन साह- हॉकी खेल रजत पदक, आरक्षी-39 हर्ष कुमार- आर्म्स रेसलिंग रजत पदक, आरक्षी-441 राजन कुमार- आर्म्स रेसलिंग

- रजत पदक, बिगुलर आरक्षी-391 महेन्द्र बहादुर गुरूंग-आर्म्स रेसलिंग कांस्य पदक को कार्यालय कक्ष में प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अविनाश कुमार, भा०पु० से० के द्वारा पदक प्राप्त करने वाले सभी खिलाड़ीयों को भविष्य के लिए शुभकामना दिया गया।

सभी उपस्थित खिलाड़ीयों को खेल भावना का ध्यान रखते हुए कड़ी मेहनत करने और बेहतर प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर वाहिनी के उपस्थित अन्य कर्मियों को भी खेलकूद के लिए जागरूक होने का संदेश दिया गया, जिससे वह स्वस्थ रहें और अपने कर्तव्यों का निर्वहन सही ढंग से कर सकें।

कटिहार रेलवे मैदान में नाइट टी टेन का रोमांचक समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार रेल मंडल में पहली बार आयोजित नाइट टी-टेन क्रिकेट टूनार्मेंट का बुधवार की देर रात शानदार समापन हुआ। रेलवे मैदान में खेले गए इस बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबले में इंजीनियरिंग टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए आरपीएफ को हराकर ट्रॉफी पर

कब्जा जमाया।एनएफ रेलवे मजदूर यूनियन कटिहार शाखा-वन के तत्वावधान में आयोजित ह्लस्व. दिग्विजयनाथ पांडेय मेमोरियलह्व अंतर विभागीय टी -टेन नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट 2026 का आयोजन 22 मार्च से किया जा रहा था। जिसने पूरे मंडल के खेल प्रेमियों को उत्साह से भर दिया।

फाइनल मुकाबले में इंजीनियरिंग और आरपीएफ के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। लेकिन इंजीनियरिंग टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम कर ली। यूनियन शाखा-1 के सचिव सुमन मिश्रा ने बताया कि टूनार्मेंट के सभी मैच बेहद रोमांचक रहे और खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इससे भी बेहतर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। मंडल रेल प्रबंधक किरेंद्र नरह ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। मैच के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में रेल अधिकारियों द्वारा विजेता इंजीनियरिंग टीम और उपविजेता आरपीएफ टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि खेल अधिकारी सह सीनियर डीईई पंकज पाल, सीनियर डीएनसी प्रभात रंजन सिंह,एपीओ संतोष दत्ता, एनएफ रेलवे इंप्लाइज यूनियन के अध्यक्ष दिनेश पासवान, सचिव रजनीश कुमार, केंद्रीय संगठन मंत्री प्रेमशंकर समेत स्व. दिग्विजयनाथ पांडेय के परिजन भी मौजूद रहे। जिनके द्वारा सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित किया। विजेता इंजीनियरिंग टीम के कप्तान ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह जीत पूरी टीम की मेहनत और सामूहिक प्रयास का परिणाम है। वहीं उपविजेता आरपीएफ टीम के कप्तान ने भी टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन का भरोसा दिलाया। एंकर मो. शादाब और रितेश ठाकुर ने किया। टूनार्मेंट के सफल आयोजन ने कटिहार रेल मंडल में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा दी है और खिलाड़ियों में उत्साह का संचार किया है। मौके पर सैकड़ो की संख्या में दर्शक मौजूद रहे ।

गिरिडीह की पूनम बरनवाल को सामाजिक कार्यों के लिए मिला सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह निवासी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रांत टोली सदस्य पूनम बरनवाल को सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान बिहार के पटना जिला अंतर्गत बाढ़ अनुमंडल में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया पूनम बरनवाल को समाज में जागरूकता फैलाने एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए यह सम्मान दिया गया। उनके प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में सराहनीय कार्य हुए हैं, जिसकी व्यापक प्रशंसा की जा रही है इस अवसर पर कुटुंब प्रबोधन की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया।

वहीं, आर्य समाज की ओर से हिन्दू संगठन के प्रणेता स्वामी श्रद्धानंद जी द्वारा लिखित पुस्तक एवं अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य लोगों ने पूनम बरनवाल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने जिस समर्पण और निष्ठा के साथ समाज सेवा का कार्य किया है, वह अन्य लोगों के लिए एक मिसाल है।गिरिडीह के लिए यह गर्व की बात है कि पूनम बरनवाल ने अपने कार्यों से जिले का नाम रोशन किया है।

हनुमान जन्मोत्सव पर शौर्य प्रदर्शन ओजस्वीनी बहनों को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वावधान में शहर के श्याम भवन में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांत कार्यसमिति सदस्य अश्विनी भदानी, एडवोकेट फोरम के प्रांत उपाध्यक्ष नित्यानन्द प्रसाद, धनबाद विभागाध्यक्ष रविशंकर पांडेय एवं मंत्री उदय सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया इस अवसर पर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। साथ ही रामजन्मोत्सव के दौरान शौर्य प्रदर्शन करने वाली ओजस्वीनी बहनों को सम्मानित किया गया।

माँ भवानी अखाड़ा समिति, झरियागाड़ी की बहनों ने भी अपने शौर्य प्रदर्शन से कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया कार्यक्रम के दौरान संगठन विस्तार करते हुए कई पदाधिकारियों की घोषणा की गई। चंदन वर्मा को सदर प्रखंड अध्यक्ष, रोचित अग्रवाल को जिला एडवोकेट फोरम सदस्य, कमल गिरी, पीयूष कुमार एवं शुभम को जिला कार्यसमिति सदस्य बनाया गया। वहीं नीतू शोला को राष्ट्रीय महिला परिषद की सदस्य तथा पलक सिन्हा को ओजस्वीनी की जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष गौरव कुमार अंशु, महामंत्री पंकज पांडेय, उपाध्यक्ष सुजीत सिंह, पंकज कंधवे, हिन्दू हेल्पलाइन के जिला अध्यक्ष राम गुप्ता, महामंत्री बसंत सिंह, राष्ट्रीय मजदूर परिषद के अध्यक्ष अजय देव, महामंत्री डब्लू रवानी, मंत्री रपन गुप्ता, ॐ श्री परिवार के जिला अध्यक्ष रौनक मिश्रा, राष्ट्रीय महिला परिषद की जिला अध्यक्ष पूनम सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

वाहनों के फिटनेस पेपर को लेकर उपायुक्त को सौंपा पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । जिले में वाहनों के फिटनेस पेपर को लेकर उत्पन्न समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधि दिनेश प्रसाद यादव ने उपायुक्त गिरिडीह को पत्र सौंपकर जल्द समाधान की मांग की है।उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि जिला परिवहन कार्यालय गिरिडीह द्वारा वाहनों का फिटनेस चालान नहीं काटा जा रहा है, जिसके कारण वाहन मालिकों को फिटनेस प्रमाणपत्र बनवाने में काफी परेशानी हो रही है।

वहीं दूसरी ओर सड़कों पर चल रहे वाहनों का चालान काटा जा रहा है, जिससे आम लोगों और वाहन चालकों को अनावश्यक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है पत्र में यह भी कहा गया है कि जब परिवहन विभाग स्वयं फिटनेस चालान की प्रक्रिया सुचारू रूप से नहीं कर पा रहा है, तो आम लोगों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। इस स्थिति से वाहन मालिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है दिनेश प्रसाद यादव ने उपायुक्त से आग्रह किया है कि आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला परिवहन कार्यालय में वाहनों के फिटनेस से संबंधित सभी आवश्यक सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

3 दिवसीय महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । श्री महावीर कुटिया मंदिर सेवा समिति द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर 3 दिवसीय भव्य धार्मिक महोत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने भाग लेकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया महोत्सव के प्रथम दिवस पर 7 आचार्यों के सान्निध्य में 24 घंटे अखंड हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।

इसके उपरांत विधिवत हवन संपन्न हुआ तथा ब्राह्मणों को भोजन कराकर पुण्य लाभ अर्जित किया गया द्वितीय दिवस पर विभिन्न धार्मिक

अनुष्ठानों के साथ भजन कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया महोत्सव के अंतिम दिन प्रातः 31 किलो दूध से बालाजी महाराज का भव्य अभिषेक किया गया। इसके पश्चात सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसका वाचन सुनील केडिया ने किया, जबकि दीपक (पप्पू) झुनझुनवाला द्वारा ज्योत प्रज्वलित की गई। दोपहर में आयोजित भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की वहीं शाम 4 बजे से 7 बजे तक सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने एक स्वर में स्तुति कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में फंटा जालान, मित्तू खंडेलवाल, कपु गोयनका, अमित अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, मुस्कान बसाईवाला, प्रमोद बसाईवाला, बदामी झुनझुनवाला, पप्पू झुनझुनवाला, नीलकमल भरतिया सहित अनेक श्रद्धालुओं एवं सेवाभावी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिकता, एकता एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

एमएसएमई में स्थानीय लोगों को ऋण प्रदान कर उनको अधिकाधिक लाभान्वित करें : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति दिसंबर 2025 तिमाही की बैठक हुई। इसमें मुख्य रूप से छत्तरपुर विधायक सह वित्त मंत्री राधा कृष्णा किशोर, एलडीएम सहित अन्य उपस्थित रहे। समाहरणालय के सभागार में आयोजित इस बैठक में उपायुक्त ने किसान क्रेडिट कार्ड,प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना, सुरक्षा बीमा योजना जीवन ज्योति योजना, डेयरी लोन, पोल्ट्री फार्मिंग सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान जिले के सभी बैंक प्रबंधकों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित

योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में बैंक की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को मिले इसके लिए प्रशासन के साथ-साथ बैंकों को भी सक्रिय होकर कार्य करने की आवश्यकता है।बैठक में कृषि की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि वित्तिय वर्ष 2025-26 में कृषि का जो लक्ष्य है वो 30.14 प्रतिशत है। यह संतोषजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि तय लक्ष्य 170493 लाख रुपये के विरुद्ध 51394.28 लाख रुपये की उपलब्धि प्राप्त की गयी है। इसमें सुधार लाने को लेकर सभी बैंकों के प्रतिनिधियों को कार्य करने की आवश्यकता है।उन्होंने सभी से बैंकों के ब्रांचों को बढ़ाने की दिशा में कार्य करने की बात कही।

स्थानीय लोगों को ऋण प्रदान करें : विधायक सह मंत्री

बैठक में मंत्री ने सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई)की समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि एमएसएमई वित्तिय वर्ष 2025-26 में प्राप्त लक्ष्य 65739 लाख रुपये के विरुद्ध 63863.01 लाख रुपये की उपलब्धि प्राप्त की गयी है। उन्होंने एमएसएमई के तहत स्थानीय लोगों को ऋण उपलब्ध कराने में प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि जिले की महिलाओं को मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना के तहत सीधे उनके खाते में पैसे भेजी जा रही है,इस दृष्टि से महिलाओं को भी बिजनेस करने को लेकर ऋण प्रदान किया जा सकता है।माननीय मंत्री ने दिए गये ऋण के आउटकम की भी समय-समय पर समीक्षा किये जाने पर बल दिया।इसी क्रम में उन्होंने सीडी रेशियो की भी समीक्षा की।

बीमा व पेंशन योजनाओं के विस्तार पर जोर

बैठक के दौरान मंत्री ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों द्वारा किए जा रहे नामांकन की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि बंधन बैंक एवं इंडसइंड बैंक द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमायोजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनाओं में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। इसपर उन्होंने एलडीएम को निर्देश दिया कि इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने की दिशा में कार्य किया जाए।

वहीं उपायुक्त ने किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित लंबित आवेदनों की बैंकवार समीक्षा करते हुए सभी बैंकों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जेएसएलपीएस के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बैंक लिंकेज के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे ऋण की प्रगति की भी समीक्षा की और बैंक प्रतिनिधियों को इस कार्य में विशेष रुचि लेकर लक्ष्य के अनुरूप प्रगति करने को कहा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत बैंकवार निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध दिए गए ऋण की समीक्षा करते हुए लाभुकों को शत-प्रतिशत लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में वार्षिक साख योजना की उपलब्धि, साख-जमा अनुपात, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना तथा झारखंड राज्य कृषि ऋण माफी योजना की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के उपरांत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के लाभुकों के बीच चेक का वितरण भी किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, पलामू व चतरा सांसद प्रतिनिधि, हुसैनाबाद विधायक प्रतिनिधि, एलडीएम अशोक कुमार श्रीवास्तव, डीडीएम नाबार्ड शालीन लकड़ा, आरबीआई के प्रतिनिधि तथा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एचपीवी टीकाकरण अभियान को लेकर टास्क फोर्स की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में आज उपायुक्त आर० रॉनिटा की अध्यक्षता में एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी गई, बताया गया कि देश में 30 मार्च 2026 से अगले 3 माह तक एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है, यह अभियान 14-15 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए चलाया जा रहा है, जिसके तहत उक्त आयु वर्ग की किशोरियों को टीकाकरण किया जाएगा। राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत सभी सरकारी सीएचसी/स्वास्थ्य केंद्रों पर निशुल्क टीकाकरण उपलब्ध कराया गया है।

उपायुक्त ने जिले में एचपीवी

वैक्सीनेशन कार्यक्रम के प्रभावी संचालन, लक्ष्य प्राप्ति एवं जनजागरूकता बढ़ाने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की जाएं तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाए। जिससे 14-15 आयुवर्ग की शत प्रतिशत किशोरियों का टीकाकरण सुनिश्चित कराई जा सके।

उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए अधिक से अधिक लाभार्थियों को इस अभियान से जोड़ना आवश्यक है। इसके लिए विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया गया। उपायुक्त ने निर्धारित मानकों के अनुसार वैक्सीन के रख रख, कोल्ड चेन सिस्टम बनाए रखने एवं निर्धारित टेम्परेचर पर टिका को रखने, नियमित रिपोर्टिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।बैठक में उपस्थित मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, समेत अन्य सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों, सभी एमओआईसी समेत अन्य को अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदारी निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्देश दिया गया।

खूंटी में पेशा कानून क्रियान्वयन को लेकर समिति गठित, बिरसा लोहरा बने सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिले के गमहरिया क्षेत्र में झारखंड सरकार के पत्रांक 804/12-03-26 तथा ग्रामीण विकास विभाग की अधिसूचना के आलोक में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम (पेसा) के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था। बैठक में सर्वसम्मति से पेसा कानून के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सक्रिय बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया। समिति का गठन तिलंग मुंडा की अध्यक्षता में किया गया है। इसमें सामाजिक कार्यकर्ता बिरसा लोहरा को सचिव, महेश सिंह को सह सचिव तथा अगुसटिना तोपनो को

कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त, समिति में 11 अन्य सदस्यों को कार्यसमिति में शामिल किया गया है, जो पेसा कानून के तहत विभिन्न गतिविधियों के संचालन एवं निगरानी में अहम भूमिका निभाएंगे। नवगठित समिति का मुख्य उद्देश्य पेसा कानून के प्रावधानों के अनुरूप ग्राम स्तर पर पारदर्शिता, जवाबदेही और सशक्त प्रशासन सुनिश्चित करना है।

बंद रेलवे क्रॉसिंग से पलामू में बढ़ी दिक्कतें, सांसद ने लोकसभा में उठाया मुद्दा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू संसदीय क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अनमैन्ड रेलवे क्रॉसिंग बंद किए जाने से उत्पन्न जनसमस्याओं को लेकर सांसद विष्णु दयाल राम ने लोकसभा के शून्यकाल में मामला उठाया। उन्होंने कहा कि इन क्रॉसिंग के बंद होने से कई गांव दो हिस्सों में बंट गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सांसद ने कहा कि यदि इन स्थानों पर एलएचएस (लेवल क्रॉसिंग सबवे), आरयूबी (रेलवे अंडर ब्रिज) अथवा आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) का निर्माण कराया जाए तो आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है। उन्होंने जिन स्थानों का उल्लेख किया, उनमें गढ़वा रोड–गढ़वा खंड के सोनपुरवा (कि.मी. 09/15–19), नगर उंटारी–विंढमगंज खंड के अहिरपुरवा (कि.मी. 45/12–14), बुढ़वापीपर–चियांकी–डालटनगंज खंड (कि.मी. 281/1–3), केचकी–चियांकी खंड के बखारी (कि.मी. 276/21–23), मोहम्मदगंज–कोसियारा सेक्शन में डाली के पास (कि.मी. 352/35), लहर बंजारी उंटारी रोड के पास (कि.मी. 337/5–7), कजरात–नवाडीह सेक्शन (कि.मी. 377/5–7), बेगमपुर–मोहम्मदगंज सेक्शन

(कि.मी. 350/9–11), सतबहिनी रेलवे स्टेशन और मोहम्मदगंज स्टेशन के बीच पिलर संख्या 340/33, हैदरनगर में एलसी संख्या 50बी एवं 51सी तथा जपला में एलसी संख्या 43 के पास बंद रास्ता शामिल हैं। उन्होंने लोकसभा के माध्यम से रेल मंत्री से आग्रह किया कि इन सभी स्थानों पर जल्द से जल्द आवश्यक निर्माण कार्य कराया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को आवागमन में हो रही परेशानियों से राहत मिल सके।

बालिका आवासीय विद्यालय चंदवारा का डीसी ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा प्रखंड के पिपराडीह पंचायत के गैड़ा गांव में स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय चंदवारा में छात्राओं के लिए विशेष माहवारी स्वच्छता कक्ष का निर्माण का निरीक्षण एवं वृक्षारोपण उपायुक्त ऋतुराज, जिला शिक्षा अधीक्षक अविनाश राम ने संयुक्त रूप से किए। इस दौरान उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि माहवारी जैसे विषय पर खुलकर चर्चा जरूरी है। छात्राओं को जागरूक करने के लिए नियमित कार्यशालाएं आयोजित करने का भी निर्देश दिया।इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। साथ ही ईको क्लब के माध्यम से विद्यालय को हरा-भरा एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने पर बल दिया। मौके पर सीओ अशोक कुमार भारती,अन्नु कुमारी यादि लोग मौजूद थे।

बंद पड़े आधार किट को शीघ्र चालू करने के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में गुरुवार को उप विकास आयुक्त कार्यालय वेश्म में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में आधार पंजीकरण एवं अद्यतन केंद्रों की उपलब्धता बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की गयी।उप विकास आयुक्त ने जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) उदय प्रताप सिंह को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधार केंद्रों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को आधार सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिन नागरिकों का अब तक आधार नहीं बना है, उनकी सूची तैयार कर विशेष शिविर आयोजित किए जाएं।बैठक के दौरान प्रखंडों में आधार केंद्रों की स्थिति की

समीक्षा की गई। बताया गया कि पांडु प्रखंड में आधार से संबंधित कार्य बंद है। इस पर डीडीसी ने बीडीओ को निर्देश दिया कि नया कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्त कर आधार सेवा को जल्द प्रारंभ कराया जाए। साथ ही सीएससी मैनेजर को बंद पड़े सभी यूसीएल किट को एक माह के भीतर चालू कराने का निर्देश दिया गया।उप विकास आयुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के बायोमैट्रिक अपडेट कार्य में तेजी लाने तथा इसे शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। छतरपुर डाक उपघर में कंप्यूटर सिस्टम खराब होने के कारण आधार कार्य बंद रहने की जानकारी मिलने पर जेम

पोर्टल के माध्यम से नया कंप्यूटर क्रय कर कार्य प्रारंभ करने की बात कही गयी।बैठक में प्रभारी उप निर्वाचन पदाधिकारी सह संयोजक जिला आधार निगरानी समिति प्रीति किस्कू, सदर एसडीपीओ राजीव रंजन, यूआईडीआई क्षेत्रीय कार्यालय के प्रतिनिधि, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के मैनेजर, सीएससी मैनेजर तथा शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अब किताबों के साथ रिश्तों की पढ़ाई, स्कूलों में बुजुर्गों की एंट्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। स्कूलों में अब सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि रिश्तों और संस्कारों को मजबूत करने की भी पहल शुरू हो गई है। सीबीएसई के नए निर्देश के तहत बच्चों और उनके दादा-दादी, नाना-नानी के बीच जुड़ाव बढ़ाने की दिशा में खास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसका मकसद जहां बच्चों को पारिवारिक मूल्यों से जोड़ना है, वहीं बुजुर्गों के अकेलेपन को भी दूर करना है।

धनबाद के डीएवी कोयला नगर स्कूल में भी इस पहल को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। स्कूल प्रबंधन का मानना है कि यह कदम समाज में पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी को कम करने में अहम भूमिका निभाएगा।

डीएवी कोयला नगर के प्राचार्य एनएन श्रीवास्तव ने कहा कि समाज में 70 वर्ष से अधिक उम्र के कई वरिष्ठ नागरिक खुद को अकेला महसूस करते हैं। आज के समय में बेटा-बहू अपनी व्यस्तताओं के कारण चाहकर भी उन्हें समय नहीं दे पाते। ऐसे में अगर बुजुर्ग अपने पोते-पोतियों और नाती-नातिनों के साथ समय बिताएं, तो वे समय को काटने के बजाय उसका आनंद ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि सीबीएसई की यह पहल सराहनीय है और

इससे बुजुर्गों का मन हमेशा प्रसन्न और सक्रिय रहेगा।

इस पहल को लेकर छात्रों में भी उत्साह है। उनका मानना है कि इससे उन्हें अपने बुजुर्गों के और करीब आने का मौका मिलेगा। छात्रों ने कहा कि आज के दौर में बुजुर्ग अक्सर घर में अकेलापन महसूस करते हैं और खुद को दुनिया से अलग-थलग समझने लगते हैं। ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होने से उन्हें सुकून मिलता है और उनका मन भी खुश रहता है।

वहीं बुजुर्गों ने भी इस पहल का स्वागत किया है और इसे समाज के लिए जरूरी कदम बताया है। बुजुर्गों का कहना है कि परिवार के मुख्य संरक्षक दादा-दादी ही होते हैं और उनका सम्मान बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सीबीएसई की यह पहल न सिर्फ सराहनीय है, बल्कि भविष्य में यह बच्चों को अपने बुजुर्गों का सम्मान करना भी सिखाएगी।

मॉडल स्कूल में नामांकन हेतु 36 बच्चे उत्तीर्ण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार सरकार द्वारा हाल ही में स्थापित मॉडल स्कूल में नामांकन हेतु जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के अष्टम वर्ग के 36 बच्चे सफल रहे। प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता बेहतर शिक्षा का प्रतिफल है। सभी उत्तीर्ण बच्चे बिहार सरकार द्वारा हाल ही में खोले गए अत्याधुनिक मॉडल स्कूल में नवम वर्ग में सीधे नामांकित हो जाएंगे, जहां इन्हें उत्कृष्ट कोटि की शैक्षणिक सुविधाएं प्राप्त होंगे। राज्य स्तर पर इसके चयन हेतु 21 मार्च को जिले के विभिन्न केंद्रों पर परीक्षा हुई थी। विद्यालय में भावेश कुमार ने सर्वाधिक 107 नंबर प्राप्त कर टॉपर रहे। इसके अतिरिक्त मानवी, आर्यन, अमित, राजा, रणधीर, अजीत, रॉकी, राकेश शुभम, मुन्ना, स्वीटी, खुश्बू, श्रेया सावन, सागर चंचल स्नेहलता, दिव्या, अमन, पूजा गुड़िया आदि 36 बच्चों ने सफलता का परचम लहराया है। प्रधानाध्यापक ने इसके पीछे कड़ी मेहनत करने वाले अष्टम वर्ग के दोनों सेक्शनों के वर्ग शिक्षक योगेंद्र पाल एवं शिवांशी सिंह को भी साधुवाद दिया। अबतक के बेस्ट रहे राज्यस्तरीय रिजल्ट के बाद दिनभर विद्यालय में जश्न का माहौल बना रहा।

शहर में यात्री शेड का है अभाव, अबतक नहीं की गई पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। शहर में कहीं भी यात्री शेड की व्यवस्था नहीं की गई है। यात्री शेड के अभाव में नागरिक इन दिनों सड़क किनारे खड़े रहकर वाहनों का इंतजार करते हैं। शहर के रमेश चौक, सदर अस्पताल, सब्जी मंडी, कारगिल चौक,जामा मस्जिद, सिन्हा कालेज मोड़, फारम, ओवरब्रिज से प्रतिदिन इ-रिक्शा व ऑटो से बैठकर यात्री विभिन्न स्थानों तक आवागमन करते हैं। यहां तक कि बारिश के दिनों में सभी यात्रियों को खुले में ही काफी देर तक खड़े रहने की मजबूरी बनी हुई है। यहां तक की गर्मी व ठंड के समय में भी यात्री

शेड के अभाव में लोगों को काफी परेशानी होती है। गर्मी में धूप में सड़क पर खड़े रहना पड़ता है। वहीं बारिश के दिनों भी यात्रियों को आसपास के दुकानों के शेड में शरण लेनी पड़ती है। जब कभी तो लोग सड़क पर घंटों खड़े रहते हैं ऐसे में लोग दुर्घटना का शिकार भी हो जाते हैं। इतना होने के बावजूद भी अधिकारियों का ध्यान यात्री शेड बनाने की ओर नहीं जा रहा है। शहरी क्षेत्र में सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन डेली सर्विस के तौर पर चलाए जाते हैं। लगभग पांच हजार से ज्यादा नियमित यात्री ऑटो रिक्शा, साइकिल रिक्शा, इ रिक्शा, मैजिक और अन्य वाहनों से शहरी क्षेत्र में पांच से आठ किलोमीटर के बीच यात्रा करते हैं। रमेश चौक, ओवरब्रिज, फारम के समीप यात्री ऑटो रिक्शा के इंतजार में खड़े रहते हैं। बता दें कि यात्री शेड नहीं होने के कारण बुजर्गों और दिव्यांगों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इन्हें सड़क किनारे खड़े होकर वाहन आने का इंतजार करना पड़ता है। यदि समय से वाहन न मिले तो उन्हें सड़क पर ही खड़े होकर वाहनों का इंतजार करना पड़ता है।

रांची रेल मंडल ने गिनाई उपलब्धियां, पंक्चुअलिटी 90% पार होने का दावा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रेल मंडल रांची के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ उल्लेखनीय रहा है। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) करुणा निधि सिंह ने रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मंडल की प्रगति, नई योजनाओं और भविष्य की प्राथमिकताओं की विस्तृत जानकारी दी।

ट्रैक मेंटेनेंस और सिग्नलिंग सिस्टम में सुधार

डीआरएम ने बताया कि ट्रेनों की समयबद्धता के मामले में रांची रेल मंडल ने 90 प्रतिशत से अधिक पंक्चुअलिटी हासिल की है, जो भारतीय रेलवे के मानकों के अनुरूप एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि समय पर ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए कंट्रोल रूम की मॉनिटरिंग, ट्रैक मेंटेनेंस और सिग्नलिंग सिस्टम में सुधार जैसे कई कदम उठाए गए हैं। इससे यात्रियों

को बेहतर और भरोसेमंद सेवा मिल रही है।

यात्रियों को सुविधाजनक कनेक्टिविटी

उन्होंने बताया कि भारत सरकार और रेल मंत्रालय की पहल पर हाल ही में आनंद विहार-पुरुलिया साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत रांची से की गई है। यह ट्रेन बनारस, लखनऊ और अयोध्या जैसे महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती है, जिससे यात्रियों को सीधी और सुविधाजनक कनेक्टिविटी मिल रही है। इस नई सेवा से धार्मिक और व्यावसायिक यात्रा करने वाले लोगों को विशेष लाभ होगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास पर विशेष ध्यान

राजस्व सृजन के क्षेत्र में भी रांची रेल मंडल ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। डीआरएम के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष में मंडल ने करीब 25 करोड़ रुपये के स्क्रैप की बिक्री कर रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह उपलब्धि संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और अनुपयोगी सामग्री के प्रभावी निपटान का परिणाम है। इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

ट्रेनों के संचालन में सुगमता

रांची रेलवे स्टेशन के यार्ड का री-मॉडलिंग कार्य पूरा कर लिया गया है, जिसके तहत एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म का निर्माण किया गया है और दो सर्टिंग यार्ड विकसित किए गए हैं। इससे ट्रेनों के संचालन में सुगमता आएगी और प्लेटफॉर्म पर भीड़ का दबाव कम होगा।

रेलवे ट्रैक की नियमित जांच

यात्री सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर भी मंडल ने कई अहम पहल की है। रेलवे ट्रैक की नियमित जांच, सिग्नलिंग सिस्टम का आधुनिकीकरण और स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। इसके साथ ही साफ-सफाई, पेयजल और प्रतीक्षालय जैसी सुविधाओं को भी बेहतर किया गया है।

सेवाओं को और अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध

डीआरएम करुणा निधि सिंह ने कहा कि रांची रेल मंडल भविष्य में भी यात्री सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा नई सेवाओं के माध्यम से रेलवे को और अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में मंडल और भी बेहतर प्रदर्शन करेगा।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–46–25, दिनांक 01.04.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्यों के लिए निविदा सं. **ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–46–25** के प्रतिपक्ष ई–निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान** : हावड़ा मंडल में पुराने, जीर्ण–शीर्ण एवं बुरी तरह से जंग लगे हुए कैंटीलिवर असेंबली का प्रतिस्थापन। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 5,19,33,183,95, **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य। **बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 10,38,700/–, **कार्य समाप्ति की अवधि :** एलओए जारी करने की तिथि से 18 (अठारह) माह। **निविदा समापन तिथि और समय:** दिनांक 04.05.2026 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

HWH-06/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway

@easternrailwayheadquarter

वैशाली महोत्सव में पुलिस ने दर्शकों पर चटकायीं लाठियां

भिखारी ठाकुर का प्रसिद्ध गीत 'बेटी बेचवा' पर भावुक हुए लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बिहार के वैशाली में चल रहे महोत्सव के दूसरे दिन लोक गायिका कल्पना पटवारी के कार्यक्रम में भारी हंगामा हो गया। दर्शकों की बेकाबू भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। महोत्सव का यह दिन दर्शकों के लिए संगीत और उत्साह से भरा था, लेकिन कुछ उपद्रवियों ने माहौल बिगाड़ दिया।

कल्पना पटवारी के मंच पर आने के लगभग आधे घंटे बाद दर्शकों में उत्साह बढ़ गया और भीड़ बेकाबू होने लगी। कुछ लोगों ने कुर्सियां फेंकना शुरू कर दिया। स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करते हुए लाठीचार्ज करना पड़ा।

कार्यक्रम की शुरूआत कल्पना पटवारी ने उत्तर बिहार के प्रसिद्ध छठ पूजा गीत 'उग हे सूर्य देव...' से की। इसके अलावा उन्होंने नालंदा में हुई सामूहिक दुर्व्यवहार की घटना का जिक्र करते हुए

'बलमुवा कैसे तेजब, हे छोटी ननदी' पर संगीत प्रेमियों ने खूब बजायी तालियां

इसे शर्मनाक बताया। इसी संदर्भ में उन्होंने भिखारी ठाकुर का प्रसिद्ध गीत 'बेटी बेचवा' भी प्रस्तुत किया।

पटवारी ने 'बलमुवा कैसे तेजब, हे छोटी ननदी' सहित कई गीत गाए, जिस पर संगीत प्रेमियों ने खूब तालियां बजाईं। नालंदा की घटना पर आधारित मार्मिक गीत 'गिरजा दुखवा हमार कर साफ क के आंगन छिपा लोटा झुठ बन के रहली माइ के टहलनी हो बाबूजी अरे कवनो करनीया में चुकली हो बाबुजी' ने माहौल को भावुक कर दिया।

हंगामे के बाद जिला प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया। अधिकारियों ने उपद्रवी तत्वों को कड़ी चेतावनी दी और स्थिति को शांत कराया। इसके बाद कार्यक्रम फिर से शुरू हुआ। उन्होंने 'बाबा दिहले टिकबा सेहू रे हम तेजबो, बलमुआ' और 'सेनुरवा कईसे तेजब रे छोटी ननदी' जैसे गीत गाए।

कल्पना पटवारी ने 'नदिया के पार' फिल्म का चर्चित गीत 'कौने दिशा में' प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान मंच के सामने बैठे परिवार और अधिकारी भी गीतों का जमकर लुत्फ उठाते दिखे, और कई लोग अपने मोबाइल में यह पल कैद करते रहे। कार्यक्रम में भारी भीड़ जमा थी। बार-बार हो-हंगामे की कोशिशें होने पर पुलिस और प्रशासनिक अफसरों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बावजूद कार्यक्रम को सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाया गया और दर्शकों ने लोक संगीत का भरपूर आनंद लिया।

मुख्य पार्षद के घर लगी आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। जगदीशपुर नगर पंचायत के मुख्य पार्षद संतोष कुमार यादव के मकान में गुरुवार की सुबह भीषण आग लग गई, जिससे लाखों रुपये मूल्य की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। आग इतनी भयंकर थी कि उसे बुझाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के सैकड़ों लोग मौके पर जुट गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों व फायर ब्रिगेड कर्मियों के संयुक्त प्रयास से काफी देर बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था और घर मे रखे अनाज, घरेलू सामान, इलेक्ट्रोनिक उपकरण जलकर राख हो चुके थे। हालांकि किसी के जानमाल का नुकसान नही हुआ है और घर के सदस्यो को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के दौरान कई लोग घर के अंदर से सामान निकालते नजर आए, ताकि कुछ सामान को बचाया जा सके। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

रसूलपुर में जश्न के बीच हुआ सेवानिवृत फौजी मुश्ताक का स्वागत

हाथों में तिरंगा लिए देर रात खड़े दिखे पंचायत के लोगों के साथ जनप्रतिनिधि भी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रसूलपुर। फौजी मुन्ना मुश्ताक की सेवानिवृत्ति को उनके गांव रसूलपुर के लोगों ने यादगार बना दिया। मुश्ताक के लिए बुधवार की देर रात हाथ में तिरंगा और ढ़ोल-नगाड़े, गाजे-बाजे के बीच अपने चहेते फौजी का स्वागत ग्रामीणों ने किया। स्वागत में गांव के हर वर्ग, जाति व धर्म के लोग शामिल थे। ग्रामीणों के अनुसार मुश्ताक अपने पिता बाबू मियां की तरह 24 साल भारतीय सेना में देश सेवा की और उनका दिल अपने गांव हर सार्वजनिक कार्य के लिए धड़कता रहा। स्वागत की अगुवानी में शामिल मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद, उपमुखिया मनोज सोनी, सरपंच प्रतिनिधि विकास कुमार, राष्ट्रीय एथलीट विकास कुमार सिंह राठौर, जदयू के प्रखंड अध्यक्ष राजेश्वर सिंह के अनुसार मुश्ताक फौजी होने के साथ-साथ गांव में होने वाले हर धार्मिक - सामाजिक अनुष्ठानों में तन-मन-धन से भी सहयोग किया करते हैं।

लोगों के स्वागत से अभिभूत हवलदार पद से सेवानिवृत्त हुए मुश्ताक ने बताया कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, देश के साथ उसका प्राण गांवों में भी बसता रहा है। गांव में अपने साथियों के साथ मिल गांव के युवाओं के विकास के लिए वह काम करेंगे। मौके पर मुरली सोनी, बल्टू दुबे आर्मी, बंटू ठाकुर आर्मी, धनु दुबे, राजू प्रसाद, बीरबल कुशवाहा, पवन प्रधान, अनूप दुबे, अरविन्द दुबे, फिरोज मियां, अंशु चौरसिया, दीपक सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

झामुमो का हाईटेक कार्यालय बनकर तैयार

जल्द होगा शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड की प्रमुख राजनीतिक पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा का अत्याधुनिक प्रदेश कार्यालय अब पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है। राजधानी रांची के बरियातू स्थित हिलव्यू क्षेत्र में निर्मित यह चार मंजिला भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है और जल्द ही इसके शुभारंभ की संभावना जताई जा रही है।

करोड़ों रुपये की लागत से बने इस नए कार्यालय को बदलते समय और तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हाईटेक बनाया गया है। भवन में सुव्यवस्थित कार्यालय कक्ष, आधुनिक सभाकक्ष, प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल और पर्याप्त पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा सभी तल्लों पर उच्च गुणवत्ता के टाइल्स और मार्बल, लिफ्ट, तेज इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित कई आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि झामुमो अब क्षेत्रीय राजनीति से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। इसी रणनीति के तहत पार्टी ने पहली बार झारखंड से बाहर असम में अपने दम पर 19 सीटों पर चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया है।

पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन खुद चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और विभिन्न सभाओं में भाग ले रहे हैं। वहीं, पार्टी के विधायक और कार्यकर्ता भी अलग-अलग क्षेत्रों में प्रत्याशियों के समर्थन में जुटे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, असम चुनाव के परिणाम के बाद रांची स्थित इस अत्याधुनिक प्रदेश कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया जाएगा, जिसे झामुमो के संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि को ले कांग्रेस ने किया प्रखण्ड कार्यालयों पर पीएम का पुतला दहन

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मदनपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार प्रखंड मुख्यालयों पर प्रखंड कांग्रेस कमेटी के द्वारा देश में पेट्रोलियम पदार्थों की हाहाकार, रसोई गैस की कमी के विरोध में प्रधानमंत्री का पुतला दहन प्रखंड मुख्यालय पर किया गया। पुतला दहन के बाद बीडीओ को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में रसोई गैस की निर्वाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ कीमतों में तत्काल कमी की जाए, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर रोक लगाई जाए, बिजली दरों में प्रस्तावित बढ़ोतरी को वापस लिया जाए, प्रखंड में गैस की आपूर्ति होम डिलीवरी से करवाई जाए तथा राशन कार्ड में काटे गए लाभार्थी के नाम को पुनः जोड़ने की मांग की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रखंड अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने की एवं आसन सिद्दीकी, रफीगंज निवासी कार्यक्रम

के प्रभारी रहे। कार्यक्रम में उपस्थित साथी धीरेंद्र कुमार सिंह पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष बिहार प्रदेश किसान कांग्रेस लालदेव यादव पूर्व प्रखंड अध्यक्ष शाहनवाज आलम मनोज कुमार सिंह, इंद्रदेव भैया, सिकंदर आलम, मोहम्मद शकील, मो अंसार, जोगेंद्र सिंह, लक्ष्मण सिंह मोहम्मद मुख्तार खान, रमेश पासवान उपस्थित रहे।

शिवाजीनगर से संवाददाता के अनुसार बिहार प्रदेश कांग्रेस के निर्देश के आलोक में समस्तीपुर जिला अंतर्गत शिवाजीनगर प्रखंड में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश में बढ़ती महंगाई, एलपीजी गैस, पेट्रोल-डीजल तथा उर्वरक संकट के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। रसोई गैस के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण जनता आर्थिक संकट से जूझ रही है, जबकि सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारे लगाते हुए कहा गैस के दाम कम करो, जनता को राहत दो गैस सिलेंडर के बढ़ते दाम नहीं सहेंगे हिंदुस्तान जनता त्रस्त, सरकार मस्त पीएम सरेंडर, गायब सिलेंडर प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकार तुरंत एलपीजी, पेट्रोल-डीजल एवं उर्वरकों की कीमतों में कमी करे, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

इस मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, एनएसयूआई प्रखंड अध्यक्ष राजीव कुमार, विधानसभा अध्यक्ष सूरज पासवान, महासचिव जितेंद्र कुमार, बाबू साहब, राधाकांत कुमार एवं उदय नारायण चौधरी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन कार्यकताओं में सरकार के प्रति भारी आक्रोश देखने को मिला।

हनुमान जन्मोत्सव पर विष्णु धाम में विशेष पूजा अर्चना आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित जम्होर थानांतर्गत मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के पावन संगम तट पर अवस्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल विष्णु धाम के प्रांगण में सनातनी परंपरा का महान पर्व हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। विष्णु धाम के महंत बालकानंद ब्रह्मचारी के नेतृत्व में विष्णुधाम परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान सहित अन्य देवी देवताओं की षोडशोपचार विधि से विशेष पूजा अर्चना की गई। हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर हनुमान जी के मंदिर को विशेष रूप से सजाया-संवारा गया।

जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने हनुमान जन्मोत्सव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिन भगवान श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी के भक्ति और समर्पण को याद करने का दिन है। हनुमान जी को असीम शक्ति और बुद्धि का देवता माना जाता है हनुमान जी भगवान शिव के 11वें रुद्रावतार हैं।वे चिरंजीवी हैं इस युग में उनकी की गई पूजा पाठ विशेष फलदाई होती है। सनातनी परंपरा में चैत्र माह को अति पवित्र माह माना गया है।इस माह में अनादि ब्रह्म परम पिता परमेश्वर भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्री राम का जन्म हुआ था और उनके जन्म के छठे दिन उनके परम भक्त हनुमान जी का भी जन्म हुआ था।इसीलिए चैत्र महीना अति पवित्र और पावन है।

उन्होंने बताया कि भगवान श्री राम भगवान विष्णु के अवतार हैं इसलिए विष्णु धाम में किए गए पूजा पाठ विशेष फलदाई है। गौरतलब है कि विष्णु धाम परिसर में एक लंका अशोक पेड़ है उसे पेड़ के नीचे हनुमान जी का मंदिर है वहां जो भी श्रद्धालु भक्त हनुमान जन्मोत्सव पर पूजा पाठ करते हैं उन्हें अभीष्ट फल की प्राप्ति होती है। मौके पर समाजसेवी सुधीर वर्मा,विजय प्रसाद गुप्ता, प्रवीण अग्रवाल, उपेंद्र प्रसाद गुप्ता, मनीष कुमार शौंडिक जनेश्वर सिंह,स्टेशन प्रबंधक सलोना सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

बिजली की चिंगारी से गेहूं की फसल में लगी आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा(नालंदा)। नगरनौसा थाना क्षेत्र अंतर्गत मनीचक गांव के मधुवन खंधा में गुरुवार के दोपहर बिजली के चिंगारी से आग लगने से लगभग चार किसान के तीन बीधा से अधिक का खेत मे लगा गेहूं का फसल जलकर बर्बाद हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिरुद्ध यादव,लालू यादव,सुधीर यादव सहित चार किसान का खेत मे खड़ी लगभग तीन बीधा से अधिक गेंहू का फसल जलकर बर्बाद हो गया।इधर खेतों में आग लगने की सूचना मिलते ही किसानों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना देते हुए अथक प्रयासों के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवा के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया।जबतक आग पर काबू पाया गया तब तक लगभग तीन बिगहा से अधिक गेंहू का फसल जलकर बर्बाद हो गया।

डॉलर लहर ने गर्मियों के जरूरी पहनावे में पेश किया एक 'अकल्पनीय' ट्विस्ट

विद्यालय वार्षिकोत्सव सह वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। डॉलर लहर इस गर्मी के मौसम में एक नये अभियान के साथ उत्साह बढ़ा रहा है, जो हास्य, कल्पना और एक अप्रत्याशित 'साइ-फाई' मोड़ का अनूठा मिश्रण है। जैसे ही इनरवियर श्रेणी अपने सबसे व्यस्त सीजन में प्रवेश कर रही है, ब्रांड एक हाईवे ढाबे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिलचस्प कहानी लेकर आया है- जहां एक साधारण रात असाधारण मोड़ लेती है। इस अभियान के माध्यम से डॉलर लहर खुद को एक भरोसेमंद 'डेली एसेंशियल' के रूप में मजबूती से स्थापित करता है, जिसे एक मनोरंजक और यादगार कहानी के जरिए पेश किया गया है।

ब्रांड अभियान और इसके ब्रांड एंबेसडर के बारे में डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, विनोद कुमार गुप्ता ने कहा, सैफ अली खान के साथ हमारे जुड़ाव ने ब्रांड को एक नई ऊंचाई दी है। उनकी हाजिर जवाबी और साख पुरुष दर्शकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और यही जुड़ाव हमारे व्यापार की बढ़त में तब्दील हुआ है।

इस साझेदारी की सबसे खास बात यह है कि उनका व्यक्तित्व हमारे ब्रांड की सोच के साथ पूरी तरह मेल खाता है, इसलिए इस साथ को आगे बढ़ाना हमारे लिए एक बहुत ही स्वाभाविक कदम था।

कांग्रेस ने मांगों को ले राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। जिला अंतर्गत सूबे के सबसे बड़े नौ प्रखंडों वाला शेरघाटी अनुमंडल को जिला बनाने, इमामगंज, वजीरगंज प्रखंडों को अनुमंडल बनाने तथा टिकारी प्रखंड के मऊ , चंदौती प्रखंड के चाकन्द, खिजरसराय के सरबहदा एवं वजीरगंज प्रखंड के तरवां को प्रखंड बनाने की वर्षों पुरानी मांग को अविलंब पूरा कराने की मांग कॉंग्रेस पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री बिहार सरकार को विस्तृत ज्ञापन ईमेल, ट्विटर से भेजने का काम किया है।मांग करने वालों में बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक गुरुआ मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव, दामोदर गोस्वामी, शेरघाटी प्रखंड कॉंग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद इमाम, उमेश प्रसाद सिंह, इमामगंज प्रखंड कॉंग्रेस कमिटी के अध्यक्ष, मिथिलेश सिंह, राजेन्द्र सिंह, वजीरगंज प्रखंड अध्यक्ष सतीश सिंह, प्रदीप माझी, टिकारी प्रखंड अध्यक्ष नाथून पासवान, चंदौती प्रखंड अध्यक्ष ओम प्रकाश निराला, खिजरसराय प्रखंड अध्यक्ष नवल किशोर शर्मा आदि ने कहा कि बिहार राज्य का सबसे बड़ा नौ प्रखंडों वाला शेरघाटी अनुमंडल जो जिला बनने के सभी अहर्ताओं को रखने के साथ-साथ प्रशासनिक दृष्टिकोण से यहां के कानून व्यवस्था को सिटी एस पी द्वारा देखने तथा यहां व्यवहार न्यायालय भी है। इसी अनुमंडल अंतर्गत अति संवेदनशील, नक्सल प्रभावित इमामगंज जहां डीएसपी के बैठाने एवं अनुमंडल के अन्य सुविधाओं से लैस होने के बाद भी इसे अभी तक अनुमंडल नहीं बनाया गया है। नेताओं ने कहा कि गयाजी सदर अनुमंडल अंतर्गत वजीरगंज प्रखंड जो अनुमंडल बनने के सभी अहर्ता को रखने यहां वर्षों से पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी के बैठने के बाद भी इसे अनुमंडल नहीं बनाया गया है।

अभियान चलाकर अग्निशमन विभाग ने लोगों को किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड क्षेत्र के शंकरपुर पंचायत सहित विभिन्न स्थानों पर अग्निशमन विभाग द्वारा आग से बचाव को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आग लगने की घटनाओं से सतर्क करना और उससे बचाव के उपायों की जानकारी देना था। अग्निशमन विभाग के कर्मचारी संजीत कुमार, ओम जी एवं खुशबू कुमारी ने संयुक्त रूप से लोगों को आग से बचाव के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं अधिक होती हैं, इसलिए विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने रसोई गैस के सुरक्षित उपयोग, बिजली के उपकरणों की नियमित जांच, खेतों में पराली जलाने से बचने तथा घरों में अग्निशामक यंत्र रखने जैसे कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

अभियान के तहत प्रगति विद्या पब्लिक स्कूल में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां स्कूल के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं को आग से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया। बच्चों को सरल भाषा में समझाया गया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाना चाहिए और

अग्निशमन विभाग को सूचित करना चाहिए।इसके अलावा ग्राम काजी डुमरा में भी जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। यहां ग्रामीणों को पंपलेट वितरित कर आग से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। पंपलेट में आग लगने के कारणों, उससे बचाव के उपायों और आपातकालीन स्थिति में उठाए जाने वाले कदमों का उल्लेख किया गया था।इस अभियान में बड़ी संख्या में ग्रामीण, स्कूल के शिक्षक एवं बच्चे उपस्थित रहे और सभी ने इस पहल की सराहना की। अग्निशमन विभाग के इस प्रयास से क्षेत्र में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ी है, जिससे भविष्य में आग से होने वाली घटनाओं को कम करने में मदद मिलेगा।

आरोपित गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के हथुआ थाना क्षेत्र के हथुआ गांव में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक अधेड़ व्यक्ति ने प्रलोभन देकर घटना को अंजाम दिया।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित चंदन प्रसाद उर्फ चंडी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए हथुआ थानाध्यक्ष शोएब आलम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आनंद मोहन गुप्ता और अनुमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार चंदन मौके पर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिया। घटना बुधवार देर शाम की बताई जा रही है। एफएसएल टीम ने घटनास्थल और आरोपित के कमरे से साक्ष्य एकत्र कर कमरे को सील कर दिया है। बताया जाता है कि आरोपित अविवाहित है और मिठाई बनाने का काम करता था। घटना के बाद उसके परिजन घर छोड़कर फरार हो गए हैं। पीड़िता की मां के आवेदन पर आरोपित के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

हनुमान जन्मोत्सव पर सामूहिक सुंदरकांड का पाठ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के पुनपुन रोड अवस्थित प्राचीन राधा कृष्ण ठाकुरवाड़ी मंदिर के प्रांगण में राधा कृष्ण मंदिर विकास समिति के सदस्यों द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सामूहिक सुंदर कांड का पाठ आयोजित किया गया।

समिति के अध्यक्ष कमलेश कुमार के नेतृत्व में पाठ की शुरूआत गायत्री शक्तिपीठ जम्होर के संचालक रामध्यान प्रसाद के द्वारा किया गया। सर्वप्रथम हनुमान जी की पंचोपचार विधि से विशेष पूजा अर्चना की गई। उसके बाद संकल्पित होकर सामूहिक सुंदरकांड पाठ की शुरूआत की गई। सुरेश विद्यार्थी ने सुंदरकांड पाठ के बारे में बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर यदि सुंदरकांड का पाठ किया जाए तो इस पाठ को सुनने वाले और वचन करने वाले को धन-धान्य यश,बल बुद्धि की वृद्धि होती है।पाठ के सबल संचालन में गौरी प्रसाद,अशोक प्रसाद शौंडिक, पंकज कुमार शौंडिक, राजेश कुमार खत्री, रंजीत प्रसाद गुप्ता उर्फ कल्लू जी, राजेश प्रसाद सोनी, रवि अग्रवाल अनिल प्रसाद गुप्ता,दुर्गा प्रसाद गुप्ता,पंकज कुमार गुप्ता,सुरेंद्र पासवान जनार्दन प्रसाद अंटु कुमार शौंडिक, सोमनाथ प्रसाद घनश्याम प्रसाद खत्री सहित अन्य उपस्थित थे।

टैक्स कलेक्शन में उछाल, बिहार का राजस्व 43,324 करोड़ पहुंचा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वाणिज्य कर विभाग के मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने गुरुवार को कहा कि विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 में जीएसटी, वैट और अन्य स्रोतों से प्राप्त राजस्व को मिलाकर 43,324 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व संग्रह किया है। कर भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए राजस्व संग्रह की उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 में 43,324.79 करोड़ रुपये का संग्रह किया है जो पिछले वर्ष से 4.09 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। विभाग ने पिछले वर्ष 2024-25 में 41,623.96 प्रतिशत का संग्रह किया था। सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि 43,324.79 करोड़ रुपये के राजस्व संग्रह में से विभाग ने अकेले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के मद में 32,801 करोड़ रुपये जुटाए हैं जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में एकत्र किए गए राजस्व से 11.7 प्रतिशत अधिक है। बाद में केंद्र सरकार ने आईजीएसटी बैलेंस में हुई कमी को पूरा करने के लिए 724 करोड़ रुपये की कटौती की जिससे राज्य का जीएसटी संग्रह घटकर 32,077.22 करोड़ रुपये रह गया। इस कटौती के बावजूद राज्य में जीएसटी संग्रह में 9.20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि राष्ट्रीय जीएसटी वृद्धि 6 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि जीएसटी संग्रह वृद्धि में बिहार देश के चौथे स्थान पर है। श्री यादव ने बताया कि उपभोक्ता वस्तुओं सहित कई वस्तुओं पर जीएसटी स्लैब में कमी के बावजूद विभाग ने उच्च सकल संग्रह हासिल किया है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने वित्त वर्ष 2025-26 में 2024-25 की तुलना में सभी नकद संग्रह (एसजीएसटी, सीजीएसटी, आईजीएसटी और उपकर) में 10.60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा कि बिहार की वृद्धि कर्नाटक के बाद दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि यह अंतिम आंकड़े हैं क्योंकि पेशा कर के कारण संग्रह में वृद्धि हो सकती है जिसके आंकड़े थोड़ी देरी से प्रदर्शित होंगे। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कमी और विधानसभा चुनावों के बावजूद रिकॉर्ड राजस्व संग्रह के मामले में विभाग ने सराहनीय काम किया है।

नीतीश आधुनिक बिहार के विश्वकर्मा : राजीव रंजन प्रसाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार को आधुनिक बिहार का विश्वकर्मा बताते हुए कहा कि एक समय विफल राज्य माने जाने वाले बिहार को उन्होंने अपने दृढ़ संकल्प, कालजयी और युगांतकारी निर्णयों के बल पर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य में परिवर्तित कर दिया है। राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि आज बिहार विकसित राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और ऐसे समय में राज्य को नीतीश कुमार के नेतृत्व की कमी लंबे समय तक महसूस होगी। उन्होंने कहा कि बिहार के कायाकल्प के शिल्पकार के रूप में नीतीश कुमार ने विकास का समावेशी मॉडल तैयार किया जिसके माध्यम से समाज के सभी वर्गों के विकास, रोजगार सृजन और आधारभूत संरचना के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में अब औद्योगीकरण की प्रक्रिया भी तेज हो रही है जो बिहार की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगी। राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने जो विकास की गति पकड़ी है वह आने वाले समय में राज्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

वामसी राम मोहन बुर्रा ने पावरग्रिड के सीएमडी का पदभार संभाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/पटना। वामसी राम मोहन बुर्रा ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (पावरग्रिड), विद्युत मंत्रालय के अधीन एक महारत्न सार्वजनिक उपक्रम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया है। इस पद पर पदोन्नति से पूर्व वह पावरग्रिड में निदेशक (परियोजना) के रूप में कार्यरत थे। एक कुशल इंजीनियरिंग पेशेवर के रूप में श्री वामसी इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। उन्होंने प्लानिंग एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा के साथ-साथ मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम से प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने हार्वर्ड मैनेज मेंटर प्रोग्राम तथा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद में उन्नत प्रबंधन कार्यक्रमों के माध्यम से अपने नेतृत्व कौशल को और सुदृढ़ किया है। श्री वामसी वर्ष 1993 में पावरग्रिड में शामिल किए गए एग्जीक्यूटिव ट्रेनीज के प्रथम बैच से संबंधित हैं जो संगठन के नेतृत्व विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। विद्युत पारेषण और टेलीकॉम सेक्टर में 33 वर्षों से अधिक के समृद्ध और विविध अनुभव के साथ श्री वामसी ने पावरग्रिड में क्षेत्रीय और कॉर्पोरेट स्तर पर कई महत्वपूर्ण लीडरशिप, नीति निर्धारण और रणनीतिक भूमिकाएं निभाई हैं। उनकी पेशेवर विशेषज्ञता परियोजना, प्रोक्योरमेंट, कमर्शियल, रेगुलेटरी मामलों, परिसंपत्ति प्रबंधन और टेलीकॉम जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विस्तृत है। वे पावरग्रिड के रेगुलेटरी सेल के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं।

गुड फ्राइडे ईसाई धर्म का सबसे पवित्र दिन : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गुड फ्राइडे पर यीशु मसीह के अमर बलिदान को नमन करते हुए कहा कि गुड फ्राइडे ईसाई धर्म का सबसे पवित्र दिन है। उन्होंने कहा कि यह दिन पश्चाताप, उपवास और प्रार्थना के लिए समर्पित है। गुड फ्राइडे हमें सिखाता है कि सच्चा प्रेम सर्वोच्च बलिदान में व्यक्त होता है। यह दिवस हमें प्रेरणा देता है कि जीवन की कठिनाइयां हमें तोड़ती नहीं, बल्कि हमें निखारती हैं।

उद्योग विभाग ने प्रशिक्षु आइएएस अधिकारियों को दिया औद्योगिक विकास का प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उद्योग विभाग द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा 2024 बैच के 12 परिक्ष्यमान पदाधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उद्योग विभाग के सचिव, बिहार फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट अथॉरिटी के प्रबंध निदेशक कुंदन कुमार ने प्रशिक्षु अधिकारियों को विभाग की कार्यप्रणाली, दायित्वों एवं विभिन्न प्रशासनिक आयामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रभावी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी प्रशासन के महत्व पर बल दिया तथा जन-केंद्रित एवं परिणामोन्मुख दृष्टिकोण अपनाने का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण सत्र में विभाग की संरचना, इसके अंतर्गत संचालित निदेशालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली, विभिन्न शाखाओं के दायित्व एवं कार्य वितरण से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही विभागीय योजनाओं के वित्तीय प्रबंधन, क्रियान्वयन तंत्र, ऑडिट एवं लेखा प्रक्रियाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उद्योग विभाग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि विभाग राज्य में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने, उद्योग स्थापना को सुगम बनाने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रशिक्षु अधिकारियों को राज्य में विकसित की जा रही प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं–इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, विशेष आर्थिक क्षेत्र एवं विभिन्न औद्योगिक पार्कों की जानकारी दी गई। इन पहलों के माध्यम से बिहार को विनिर्माण, निर्यात एवं निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।
इसके साथ ही राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीतियों, जैसे बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति, बिहार सेमीकंडक्टर पॉलिसी तथा सेक्टर-विशिष्ट नीतियों (टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, आईटी/ईएसडीएम आदि) के बारे में भी जानकारी दी गई जिनके माध्यम से उद्योगों को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न सुविधाएं एवं प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

विधान सभा की निवेदन समिति का गठन, त्रिविक्रम हुए शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा सचिवालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विधान सभा की निवेदन समिति का गठन कर दिया गया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार बिहार विधान सभा अध्यक्ष ने प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 292 (घ) (1) के तहत इस समिति का गठन किया है। समिति में कुल 15 सदस्यों को शामिल किया गया है। समिति के सभापति के रूप में सिद्धार्थ सौरव को नामित किया गया है। अन्य सदस्यों में कृष्ण कुमार मंटू, सुधांशु शेखर, रामविलास कामत, कुंदन कुमार, शालिनी मिश्रा, मीना कुमारी, कुमार प्रणय, अजय कुमार, त्रिविक्रम नारायण सिंह, अमरेन्द्र कुमार, प्रकाश चंद्र, अनीता, रोमित कुमार और साम्रीद वर्मा को शामिल किया गया है। अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि सिद्धार्थ सौरव समिति के सभापति होंगे तथा सभा सचिव इस समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे। समिति का कार्यकाल 31 मार्च 2027 तक निर्धारित किया गया है। यह अधिसूचना बिहार विधान सभा के अध्यक्ष के आदेश से प्रभारी सचिव द्वारा जारी की गई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने सभी क्षेत्रों में हासिल की उल्लेखनीय उपलब्धियां

माल ढुलाई, यात्री सेवाओं, तकनीकी उन्नयन और आधारभूत संरचना विकास में उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। दक्षिण पूर्व रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में माल ढुलाई, यात्री सेवाओं, तकनीकी उन्नयन और आधारभूत संरचना विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। कोलकाता में जारी आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में रेलवे का समग्र प्रदर्शन कई मानकों पर मजबूत रहा। वित्तीय वर्ष के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे ने 210.41 मिलियन टन माल लदान किया जिससे 18,32.44 करोड़ रुपये की आय अर्जित हुई। वहीं उद्गम यात्रियों से 2961.20 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई और टिकट जांच से 104.05 करोड़ रुपये का राजस्व मिला। गैर-भाड़ा राजस्व से 30.57 करोड़ रुपये तथा कैटरिंग सेवाओं से 184 करोड़ रुपये की आय हुई। पार्किंग से भी 13.75 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इस दौरान कुल 220.36 मिलियन उद्गम यात्रियों ने यात्रा की। तकनीकी क्षेत्र में रेलवे ने मेधा रेखा परिवर्तक मॉड्यूल की पहली बार विभागीय मरम्मत कर प्रति इकाई लगभग 9 लाख रुपये की बचत की। 41 इंजनों में चालक कक्ष में वातानुकूलन की सुविधा दी गई जबकि 23 इंजनों में बिना जल वाले मूत्रालय लगाए गए। 6 इंजनों में स्वदेशी टक्कर-निवारण प्रणाली स्थापित की गई और प्रशिक्षण यंत्र भी लगाए गए। वर्ष के दौरान 101 नए विद्युत इंजन चालू किए गए जिससे कुल विद्युत इंजनों की संख्या 1566 हो गई जिसमें 1166 त्रि-चरणीय इंजन शामिल हैं, जो भारतीय रेल में सर्वाधिक है। यात्री सुविधाओं के विस्तार के तहत कांड्रा और घाटशिला में दो नए विश्राम गृह शुरू किए गए। 173 ट्रैक किलोमीटर पुराने विद्युत तार बदले गए जो पिछले वर्ष की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। मनोहरपुर और भांजपुर में दो नए कर्षण विद्युत उपकेंद्र चालू किए गए जबकि 99.205 ट्रैक किलोमीटर नई 25 केवी एसी विद्युत लाइन सक्रिय की गई। साथ ही 7.18 मेगावाट क्षमता की छत पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की गई। यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्टेशनों पर 16 स्वचालित सीढ़ियां और 20 लिफ्ट लगाए गए। निष्प्रयोज्य डीजल इंजनों के निपटान से 49.74 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई। सुरक्षा के क्षेत्र में 156 मार्ग किलोमीटर में स्वचालित ब्लॉक संकेत प्रणाली लागू की गई, 14 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की गई तथा 29 समपार फाटकों को इंटरलॉक किया गया। इसके अलावा 115 समेकित विद्युत आपूर्ति प्रणालियां स्थापित की गईं और 738 पुराने प्वाइंट्स को नए यंत्रों से बदला गया। परिचालन के क्षेत्र में 1365 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। 9 ट्रेनों के 16 रेक को पारंपरिक कोच से उन्नत कोच में बदला गया, जबकि 4 ट्रेनों के 9 रेक का मानकीकरण किया गया। 39 डाक एवं एक्सप्रेस ट्रेनों की गति 110 से बढ़ाकर 130 किलोमीटर प्रति घंटा की गई। इसके अलावा 5 नई ट्रेनें शुरू की गईं जो यहीं से प्रारंभ और समाप्त होती हैं। कोचों की संख्या बढ़ाने के लिए 2964 अस्थायी और 74 स्थायी डिब्बों की वृद्धि की गई। मानव संसाधन के क्षेत्र में रेलवे भर्ती बोर्ड, रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ और अनुकंपा के आधार पर कुल 3182 भर्तियां की गईं। इन उपलब्धियों के साथ दक्षिण पूर्व रेलवे ने वर्ष 2025-26 में विकास, आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है।

शीतला माता मंदिर मघड़ा धार्मिक न्यास पर्षद से निबंधित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद ने गुरुवार को नालंदा जिले के दीपनगर थाना स्थित मघड़ा गांव में स्थित श्री शीतला माता मंदिर को बिहार हिंदू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 34 के अंतर्गत निबंध सार्वजनिक धार्मिक न्यास के रूप में निबंध किया है जिसकी निबंधन संख्या 4902 /2026 है। इस संदर्भ में बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रो रणवीर नंदन के हस्ताक्षर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना में बताया गया है कि उपरोक्त न्यास के कुशल संचालन एवं सम्यक व्यवस्था के लिए बिहार हिंदू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 33 के अंतर्गत अनुमंडल पदाधिकारी बिहार शरीफ जिला नालंदा को तत्काल प्रभाव से अस्थाई न्यास धारी नियुक्त किया गया है।

पीडब्ल्यू ने बिहार बोर्ड के दसवीं और बारहवीं के टॉपर छात्रों को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने बिहार बोर्ड की कक्षा 10 और 12 के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद अपने बिहार बोर्ड वाला से जुड़े मेधावी छात्रों को पटना में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सराहा गया। कक्षा 12 में साक्षी कुमारी और सपना कुमारी ने 95.8 प्रतिशत अंकों के साथ राज्य में दूसरा स्थान हासिल किया जबकि पलक कुमारी ने 95 प्रतिशत के साथ राज्य में पांचवां स्थान प्राप्त कर टॉप स्कोरर्स में जगह बनाई। वहीं कक्षा 10 में प्रेरणा कुमारी ने 97.2 प्रतिशत के साथ राज्य में पांचवां स्थान और रौशन कुमार ने 97 प्रतिशत के साथ छठा स्थान हासिल किया जिससे वे भी टॉप प्रदर्शन करने वाले छात्रों में शामिल हुए। कक्षा 12 के 70 से अधिक छात्रों ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए जबकि कक्षा 10 के करीब 100 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। यह पीडब्ल्यू के बिहार बोर्ड वाला से जुड़े छात्रों के लगातार अच्छे प्रदर्शन को दर्शाता है। यह छात्रों को कॉन्सेप्ट पर आधारित पढ़ाई, प्रैक्टिस मटेरियल और रिवीजन सपोर्ट के माध्यम से व्यवस्थित शैक्षणिक सहायता प्रदान करने पर केंद्रित रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के संस्थापक और सीईओ अलख पांडेय ने कहा कि ये परिणाम छात्रों की मेहनत को दर्शाते हैं। बोर्ड परीक्षा की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया होती है और हमने इसे आसान बनाने के लिए व्यवस्थित कंटेंट और नियमित अभ्यास पर ध्यान दिया है। इससे छात्रों को पढ़ाई में स्पष्टता मिलती है और इसे अच्छे परिणामों में बदलते देखना उत्साहजनक है।

श्री खाटूश्याम पधारो पटना धाम संस्था के भंडारे में लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। श्री खाटू श्याम पधारो पटना धाम द्वारा प्रत्येक माह भंडारे का आयोजन किया जाता है। आज देवी स्थान जहाजी कोठी के समीप विशाल भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 1100 से 1200 लोगों ने कचौड़ी, सब्जी, बुंदिया, रायता का प्रसाद ग्रहण किए। एम पी जैन ने बताया कि इस आयोजन को सफल बनाने में मुख्य संस्थापक कन्हैया अग्रवाल कन्नू, राजेन्द्र मित्तल, संजय भालोठिया, आनंद डालमिया, मुकेश हिसारिया, जितेन्द्र कुमार जीतू, संजय टेकरीवाल, गोपी मित्तल, नंदकिशोर अग्रवाल, पवन शर्मा, अनुज गुप्ता, सुनील कनोड़िया, केशव अग्रवाल, गोपी तुलस्यान, राजेश बजाज, सज्जन चौधरी, मोनू, विनय बजाज, शुभम सर्राफ, अजय शर्मा, रिषभ अग्रवाल, सतीश खेमानी, विनोद थीरानी, कमलेश कुमार सिंह सहित श्री श्याम मंडल, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट, श्री खाटू श्याम सेना, एकादशी निशान पूजा समिति, श्री श्री बालाजी सुंदर कांड समिति के सभी सदस्यों की भागीदारी रही।

ऑटिज्म को लेकर उत्कर्ष सेवा संस्थान के दिव्यांग बच्चों ने किया जागरुक : मनीषा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व ऑटिज्म दिवस के उपलक्ष्य पर उत्कर्ष सेवा संस्थान ने जागरूकता मार्च निकाली। संस्थान के दिव्यांग बच्चों ने जगह-जगह पम्पलेट का वितरण किया। साथ ही विश्व ऑटिज्म दिवस के अवसर पर बच्चों ने पोस्टर के माध्यम से विभिन्न स्लोगन लिखकर जन-जागरुकता लाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऑटिज्म के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना और प्रभावित बच्चों के प्रति संवेदनशीलता व समावेशिता को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर संस्था की सचिव मनीषा कृष्णा ने कहा कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर की शुरुआती पहचान, समय पर हस्तक्षेप और उचित देखभाल जरुरी है। ऑटिज्म के प्रति जागरुकता जरुरी है। ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक न्यूरोडेवलपमेंटल स्थिति है जिसे समझने और स्वीकार करने की आवश्यकता है। यदि समय रहते इसके लक्षणों की पहचान कर उचित हस्तक्षेप किया जाए तो बच्चे बेहतर जीवन जी सकते हैं। समाज को ऐसे बच्चों के प्रति संवेदनशील और सहयोगी बनना होगा, तभी हम एक सच्चे समावेशी समाज का निर्माण कर पाएंगे। यही वजह है कि हमारे संस्थान के बच्चों ने कई जगहों पर पोस्टर बांटे और लोगों को इसकी जटिलता से अवगत कराया है। इस अवसर पर एक रैली निकाली गयी जिसके माध्यम से डॉ मनीषा कृष्णा, आशा कुमारी, हेमंत कुमार, अवजीत कुमार, ज्योति कुमारी धनंजय गिरी, साथ ही अभिभावकों ने भी ऐसे बच्चों को समाज में सहभागिता दिलाने का संकल्प लिया।

शक्तिधाम में हनुमान जयंती पर सुन्दरकाण्ड पाठ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शक्तिधाम मंदिर में हनुमान जयंती के अवसर पर सुंदरकांड का पाठ हुआ तथा सवा मन लड्डू का प्रसाद चढ़ाया गया। मौके पर शक्तिधाम के मुख्य संस्थापक अमर अग्रवाल ने बताया कि हनुमान जयंती चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन हनुमानजी का जन्म हुआ था। इस दिन श्री हनुमान जी की भक्ति पूर्वक आराधना करनी चाहिए। मौके पर शक्तिधाम महिला मंडल की सैकड़ों महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से बड़े हीं भक्ति भाव के साथ सुंदरकांड का पाठ किया गया। शक्तिधाम मंदिर में भक्तजनों का तांता लगा रहा। आज की पूजा के मुख्य यजमान जय प्रकाश तोदी थे। प्रातः शक्तिधाम में आज हनुमानजी का विशेष श्रृंगार किया गया, सवा मन लड्डू का प्रसाद चढ़ाया गया तथा महिलायें भक्तिभाव से हनुमान जी की आरती कर रही थी। मौके पर पंडित जी ने बताया कि माना जाता है कि महाभारत युद्ध के समय अर्जुन के रथ का ध्वज थाम कर महावीर हनुमान बैठे थे। इसी कारण तीखे वाणों से भी अर्जुन का रथ पीछे नहीं होता था और संपूर्ण युद्ध के दौरान अर्जुन के रथ का ध्वज लहराता रहा। मौके पर शक्तिधाम के सचिव अक्षय अग्रवाल ने बताया कि सुंदरकांड पाठ के बाद भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य भूमिका अमर अग्रवाल, रमेश मोदी, अक्षय अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, विमल माधोगाड़िया, रोशन सर्राफ, दीपक भुवानिया, मनोज अग्रवाल, मुन्नाजी तथा शक्तिधाम के अन्य पदाधिकारियों की रही।

नाबार्ड योजना से बिहार के एक हजार से अधिक ग्रामीण पुल व 4800 किमी सड़कें बनकर तैयार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नदियों, नालों और खस्ताहाल पगडंडियों के कारण दशकों से मुख्यधारा से कटे बिहार के सुदूर गांवों की स्थिति अब तेजी से बदल रही है। ग्रामीण कार्य विभाग ने राज्य योजना (नाबार्ड) के तहत सम्पर्कता का एक ऐसा व्यापक नेटवर्क तैयार किया है जिसने न केवल गांवों की दूरियों को मिटाया है बल्कि नदियों के कारण होने वाली आवागमन की पुरानी बाधाओं को भी हमेशा के लिए दूर कर दिया है। राज्य में केवल पक्की सड़कों का जाल ही नहीं बिछाया जा रहा है, बल्कि सुगम सम्पर्कता के लिए पुलों का भी निर्माण किया गया है। इस योजना के धरातल पर उतरने से अब लोगों का आवागमन मौसम पर निर्भर नहीं है। इस योजना के अंतर्गत अबतक पूरे राज्य में 2,021 ग्रामीण सड़कों और 1,271 पुलों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी जिसको लेकर विभाग ने तत्परता दिखाते हुए अबतक 1,898 सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है जिससे राज्य भर में 4,845 किलोमीटर लंबे सुदृढ़ पक्के मार्ग तैयार हुए हैं। सड़कों के निर्माण में नालंदा जिला में सबसे बेहतर कार्य हुआ है जहां सर्वाधिक 203 पथों (370 किलोमीटर को आम जनता को समर्पित किया जा चुका है। इसके साथ ही राजधानी पटना के ग्रामीण इलाकों में 157 सड़कें (329 किलोमीटर), गया में 120 सड़कें (355 किलोमीटर) और मुंगेर में 149 सड़कें (203 किलोमीटर) बनकर पूरी तरह तैयार हो चुकी हैं।

उच्च मूल्य बागवानी से बदलेगा बिहार का कृषि परिदृश्य : राम कृपाल यादव

हल्दी-अदरक-ओल से बढ़ेगी किसानों की आय, सरकार दे रही प्रोत्साहन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार राज्य में फसल विविधीकरण को गति देते हुए हल्दी, अदरक एवं ओल जैसी उच्च-मूल्य वाली उद्यानिकी फसलों को विशेष प्रोत्साहन दे रही है। इसका उद्देश्य छोटे एवं सीमांत किसानों को कम क्षेत्र और अपेक्षाकृत कम निवेश में बेहतर आय के अवसर उपलब्ध कराना है। इस पहल को लेकर राज्य के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने गुरुवार को कहा है कि राज्य की जलवायु एवं मिट्टी इन फसलों के लिए अत्यंत अनुकूल है। यह पहल विशेष रूप से गरीब परिवारों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा ग्रामीण युवाओं के लिए सम्मानजनक, घर के नजदीक और टिकाऊ आजीविका का मजबूत माध्यम बन रही है। उन्होंने बताया कि सरकार उन्नत रोपण सामग्री, आधुनिक उत्पादन तकनीक, प्रशिक्षण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन तथा बाजार से जोड़ने की मजबूत व्यवस्था विकसित कर रही है, ताकि किसानों को बेहतर लाभ मिल सके। हल्दी औषधीय एवं मसाला फसल के रूप में अदरक निरंतर बाजार मांग के कारण तथा ओल कम लागत में बेहतर प्रतिफल देने वाली फसल के रूप में किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी विकल्प हैं। इन फसलों को अपनाने से खेती में विविधता आएगी जिससे जलवायु परिवर्तन के जोखिम को कम करते हुए किसानों की आय अधिक स्थिर और सुरक्षित बनेगी। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि बिहार सरकार की प्राथमिकता है कि किसान केवल उत्पादनकर्ता न रहें, बल्कि मूल्य संवर्धन और बाजार से जुड़कर समृद्ध कृषि उद्यमी बनें। हल्दी, अदरक और ओल जैसी फसलें कम क्षेत्र में अधिक आमदनी, कम जोखिम और बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करती हैं।

संपादकीय

फिर वही गलती, भगदड़ में फिर मौंते

बिहार के नालंदा जिले में शीतला माता मंदिर में मंगलवार (31 मार्च, 2026) को हुई प्रार्थना सभा के दौरान भगदड़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने मृतकों के परिवारों को 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। लेकिन बार-बार हो रहे हादसे देश भर की सरकार और प्रशासन के क्राउड मैनेजमेंट पर सवाल उठा रहे हैं। बिहार के नालंदा में शीतला माता मंदिर में मची भगदड़ की अब तक कोई नई वजह सामने नहीं आई है। ज्यादा भीड़, तंग जगह, अफवाह और फिर अफरातफरी। विपदा की यही स्क्रिप्ट देश में बार-बार दिखती रही है। 31 मार्च 2026 को मची इस भगदड़ में 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। जिनमें अधिकांश महिला थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महावीर जयंती और मंगलवार का दिन होने के कारण भीड़ ज्यादा थी, जबकि उसको संभालने के इंतजाम नाकाफी। बताया जा रहा है कि एक जगह बैरिकेड टूटा, जिससे लोग संभल नहीं पाए। श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रबंधन और पुलिस पर आरोप लगाए हैं कि भीड़ को देखते हुए पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई थी। वक्त और जगह बदल दीजिए, तो ऐसे हालात बार-बार बन रहे हैं। पिछले साल नवंबर में आंध्र के श्रीकाकुलम जिले के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी। वहां भी हादसा बैरिकेड टूटने से हुआ। उसके पहले जुलाई में हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में अफवाह ने कई लोगों की जान ले ली और जनवरी में तिरुपति मंदिर में हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचने की वजह से हालात बिगड़ गए थे। केवल धार्मिक स्थल या आयोजन ही नहीं, राजनीतिक रैलियां भी जानलेवा साबित हुई हैं, जैसे पिछले साल सितंबर में अभिनेता से नेता बने विजय की रैली, जिसमें भीड़ अनियंत्रित होने की वजह से 39 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी डाली गई थी कि राजनीतिक रैलियों और सभाओं में भीड़ प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। अदालत ने इसे सरकार की जिम्मेदारी बताया था। सार्वजनिक जगहों पर भीड़ के सैलाब को संभालना हमेशा से चुनौती रहा है। जब अनुमान से ज्यादा लोग एक जगह जुट जाते हैं, तो एक छोटी-सी गलती भी भारी पड़ सकती है। नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो का डेटा बताता है कि पिछले तीन दशक में लगभग 4000 भगदड़ हुई हैं।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें ख़ामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

(ललित गर्ग)

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भीतर के अंधेरे से बाहर के उजाले तक की अनदेखी यात्रा, अंदर के भ्रम से निकलना होगा

(मोनिका राज)

जब तक व्यक्ति अपने विचारों, पूर्वाग्रहों, भय और सीमित दृष्टि के जाल में उलझा रहता है, तब तक उसकी चेतना स्वतंत्र नहीं हो सकती।

सच्ची मुक्ति केवल बाहरी बंधनों से मुक्त होने का नाम नहीं है, बल्कि वह मनुष्य के भीतर बसे अज्ञान के अंधकार से बाहर निकलने की गहन प्रक्रिया है। जब तक व्यक्ति अपने विचारों, पूर्वाग्रहों, भय और सीमित दृष्टि के जाल में उलझा रहता है, तब तक उसकी चेतना स्वतंत्र नहीं हो सकती। अज्ञान वह अदृश्य आवरण है, जो सत्य को ढक देता है और मनुष्य को भ्रमों के संसार में भटका देता है। इसलिए वास्तविक मुक्ति का मार्ग बाह्य परिस्थितियों में परिवर्तन से नहीं, बल्कि अंतःकरण के प्रकाश से होकर गुजरता है।

मनुष्य का जीवन अनुभवों की निरंतर यात्रा है। प्रत्येक अनुभव, चाहे वह सुखद हो या पीड़ादायक, व्यक्ति के भीतर किसी न किसी रूप में चेतना का विस्तार करता है। अनुभव केवल घटनाओं का संग्रह नहीं होते, बल्कि वे आत्मा के शिल्पकार होते हैं, जो मनुष्य के व्यक्तित्व को गढ़ते हैं। जब व्यक्ति जीवन की घटनाओं को केवल भोग या दंड के रूप में नहीं, बल्कि आत्म-विकास की प्रक्रिया के रूप में देखता है, तब उसका दृष्टिकोण बदल जाता है। वह समझने लगता है कि जीवन का प्रत्येक क्षण उसे कुछ सिखाने आया है। यही अनुभव धीरे-धीरे अज्ञान के आवरण को हटाते हैं और व्यक्ति को सत्य के निकट ले जाते हैं।

संघर्ष जीवन का अपरिहार्य सत्य है। जो व्यक्ति संघर्ष से भयभीत होकर पलायन करता है, वह कभी अपनी आंतरिक शक्ति को पहचान नहीं पाता। संघर्ष मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को जागृत करता है और चुनौतियों से पार पाने की प्रेरणा देता है। जब मनुष्य विपरीत परिस्थितियों का सामना करता है, तब उसके भीतर धैर्य, साहस और दृढ़ता का जन्म होता है। संघर्ष केवल बाधा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की सीढ़ी है। जिनके जीवन में संघर्ष का ताप नहीं पड़ा, उनके व्यक्तित्व में गहराई और परिपक्वता का अभाव रह जाता है।

संवेदनशीलता मनुष्य को मनुष्य बनाती है। संवेदनशील हृदय ही दूसरों के दुख को समझ सकता है, उनके दर्द को महसूस कर सकता है और उनके सुख में सहभागी बन सकता है। संवेदनशीलता व्यक्ति को आत्मकेंद्रित होने से बाहर निकालकर व्यापक मानवीय चेतना से जोड़ती है। जब मनुष्य केवल अपने हितों में उलझा रहता है, तब उसकी दृष्टि संकीर्ण हो जाती है और वह जीवन के व्यापक अर्थ को खो देता है। मगर जब वह दूसरों के अस्तित्व को अपने अस्तित्व से जोड़कर देखने लगता है, तब उसके भीतर करुणा, सहानुभूति और प्रेम का प्रवाह होता है।

जो व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति को सीख का अवसर मानता है, वही वास्तव में आत्मिक शक्ति का विकास करता है। जीवन में आने वाली कठिनाइयां, असफलताएं और निराशा अगर व्यक्ति को तोड़ने के बजाय उसे सोचने, समझने और बदलने के लिए प्रेरित करें, तो वे उसके विकास की आधारशिला बन जाती हैं। सीखने की प्रवृत्ति मनुष्य को जड़ता से मुक्त करती है और उसे निरंतर गतिशील बनाती है। जब व्यक्ति यह स्वीकार कर लेता है कि जीवन में कोई अनुभव व्यर्थ नहीं है, तब उसकी चेतना में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। वह परिस्थितियों का शिकार बनने के बजाय उनका सृजनकर्ता बन जाता है और अपने जीवन का अर्थ खुद गढ़ने लगता है।

आत्मिक शक्ति का विकास केवल आत्म-संतोष तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह व्यक्ति को व्यापक मानवीय उत्तरदायित्वों से जोड़ता है। आत्मिक रूप से जागृत व्यक्ति अपनी सीमाओं को पहचानते हुए भी उनमें बंधा नहीं रहता। वह जानता है कि उसकी व्यक्तिगत मुक्ति तब तक अधूरी है, जब तक समाज में अज्ञान, अन्याय और पीड़ा का अस्तित्व बना हुआ है। इसलिए वह आत्मकेंद्रित दृष्टि से ऊपर उठकर मानव-कल्याण से जुड़ता है। उसके लिए जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता या सुख-संपन्नता का साधन नहीं रह जाता, बल्कि समाज के उत्थान का माध्यम बन जाता है। मानव-कल्याण की भावना मनुष्य को उसकी संकीर्ण पहचान से मुक्त करती है और उसे विश्व-मानव के रूप में देखने की दृष्टि प्रदान करती है। जब व्यक्ति यह समझने लगता है कि उसकी खुशियां दूसरों की खुशियों से जुड़ी हैं और उसकी पीड़ा दूसरों की पीड़ा से अलग नहीं है, तब उसके भीतर एक नई चेतना का उदय होता है। यही चेतना उसे स्वार्थ से परमार्थ की ओर ले जाती है। मानव-कल्याण का मार्ग कठिन अवश्य है, लेकिन यही मार्ग जीवन को सार्थक बनाता है। जब मनुष्य अपने ज्ञान, शक्ति और संसाधनों का उपयोग केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए करता है, तब वह वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र हो जाता है। सच्ची स्वतंत्रता बाहरी अधिकारों से नहीं, बल्कि आंतरिक जागरूकता से जन्म लेती है। जो व्यक्ति अपने भीतर के अज्ञान, भय और अहंकार से मुक्त हो जाता है, वही वास्तव में स्वतंत्र है।

तेल के जहाजों पर हमले से गहराया संकट: जंग के बीच समुद्र और जलवायु पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

(प्रमोद भार्गव)

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग में न केवल मानवीय त्रासदी की तस्वीरें सामने आ रही हैं, बल्कि इससे पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा पैदा हो गया है। मीडिया रपटों के मुताबिक, होर्मुज जलमार्ग पर अब तक पेट्रोलियम पदार्थों से भरे करीब बीस तेल जहाजों पर हमले किए गए हैं। एक अनुमान के अनुसार, इन जहाजों में तीन लाख मीट्रिक टन तरल एलपीजी भरी हुई है। एक बड़े गैस टैंकर में लगभग पैंतालीस हजार मीट्रिक टन एलपीजी होती है। इससे करीब 32 लाख घरेलू गैस सिलेंडर भरे जा सकते हैं। अमेरिका का दावा है कि ईरान के खर्ग द्वीप स्थित तेल के सबसे बड़े ठिकाने पर भी हमला किया गया है। ईरान का यहां बड़ा सैन्य अड्डा भी है, जिसे अमेरिका ने पूरी तरह नष्ट करने का दावा किया है। बीस वर्ग किलोमीटर में फैले इस द्वीप से ईरान के कुल तेल का नब्बे फीसद निर्यात होता है। यहां तेल भंडारण के टैंक, लोडिंग टर्मिनल और निर्यात के लिए तेल की पाइपलाइन अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

दूसरी तरफ, ईरान ने यूएई के फुजैराह बंदरगाह पर हमला करके बड़े तेल भंडारों को नष्ट कर दिया है। ऐसे में अगर पश्चिम एशिया में चल रहे इस संघर्ष में तेल के जहाजों को निशाना बनाना जारी रहा, तो इससे बड़ी मात्रा में तेल, गैस और रसायन फैलेगा, जिससे समुद्री जल बुरी तरह प्रदूषित होगा। वैसे भी दुनिया के समुद्री तटों पर पेट्रोलियम पदार्थों और औद्योगिक कचरे से पर्यावरण के लिए बड़ा संकट पैदा हो गया है। तेल के रिसाव, टैंकों के टूटने और इन्हें साफ करने से भी समुद्र का पर्यावरणीय पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो रहा है। यदि किसी कारणवश एक जहाज से भी तेल का रिसाव होता है, तो क्षेत्र के जल पर्यावरण को बड़ी क्षति पहुंचती है। ऐसे में अगर होर्मुज जलमार्ग पर बड़ी संख्या में तेल के जहाजों को निशाना बनाया जाता है,

तो उनसे होने वाले रिसाव से कितने बड़े पैमाने पर जल प्रदूषण होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

कुछ साल पहले जापान में तोक्यो के तट के समीप 317 किलोमीटर की पट्टी पर तेल के फैलाव से वहां के तटवर्ती शहरों में हाहाकार मच गया था। रूस में बेलाय नदी के किनारे बिछी तेल पाइप लाइन से 150 मीट्रिक टन तेल के रिसाव ने आस-पास के इलाके में पेयजल का संकट खड़ा कर दिया था। सैनजुआन जहाज के कोरल चट्टानों से टकरा जाने के कारण अटलांटिक तट पर करीब तीस लाख लीटर तेल का रिसाव होने से समुद्री जीव प्रभावित हुए थे। इसी तरह मुंबई हाई से लगभग 1,600 मीट्रिक टन तेल का रिसाव होने के कारण पर्यावरण को काफी नुकसान हुआ था। बंगाल की खाड़ी में क्षतिग्रस्त तेल टैंकर से हुए रिसाव ने निकोबार द्वीप समूह में गंभीर संकट पैदा कर दिया था। लाइबेरिया के एक टैंकर से 85 हजार मीट्रिक टन तेल रिसाव ने स्काटलैंड में समुद्री पक्षियों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया था। सबसे भयंकर तेल का रिसाव अमेरिका के अलास्का में हुआ था। यह रिसाव प्रिंस विलियम साउंड टैंकर से हुआ था। इसका असर छह माह तक रहा और इस अवधि के दौरान क्षेत्र में 35,000 समुद्री पक्षियों तथा व्हेल मछलियों समेत दस हजार से अधिक समुद्री जीवों की मौत हो गई थी। हालांकि, इस घटना का असर इराक युद्ध के दौरान समुद्र में छोड़े गए तेल से कम था। यह तेल इसलिए छोड़ा गया था कि कहीं यह अमेरिका के हाथ न लग जाए। तब अमेरिका की ओर से इराक के तेल टेंकरों पर की गई बमबारी से भी लाखों टन तेल समुद्री सतह पर फैला था। एक अनुमान के मुताबिक, इस कच्चे तेल की मात्रा 110 लाख बैरल थी। इस तेल के बहाव ने फारस की खाड़ी में घुसकर समुद्री जीवों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया था। इस प्रदूषण का असर मिट्टी, पानी और हवा तीनों पर पड़ा था। समुद्र की सतह पर जब तेल फैलता है, तो इसकी मोटी परत सूर्य की रोशनी और आक्सीजन को नीचे जाने से रोकती है। इससे जलीय जीव दम घुटने से मर जाते हैं। जो जीव किसी तरह बचे भी रहते हैं, उनकी प्रजनन क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है, क्योंकि तेल और रसायनों का प्रभाव जहरीला होता है।

समुद्री पक्षियों के पंखों और स्तनधारियों के शरीर पर तेल की परत जम जाने से उनकी ऊष्मारोधी क्षमता कम हो जाती है, इसलिए ये जीव शरीर का तापमान बहुत कम हो जाने के कारण भी दम तोड़ देते हैं। तेल के कुओं और भंडार गृहों में आग लगने से तीव्र एवं जहरीली रोशनी निकलती है, जो मधुमक्खियों जैसे परा-गणकों को प्रभावित कर उनके जीवन चक्र को बाधित कर देती है। समुद्र में जलने वाला तेल पृथ्वी का ऊर्जा संतुलन बिगाड़ने का काम करता है। इससे भविष्य में वैश्विक जलवायु आपातकाल की स्थिति निर्मित होने की संभावना बढ़ सकती है। मध्यपूर्व में जल रहा तेल हिंद महासागर के तापमान को अप्रत्याशित रूप में बढ़ा सकता है, जिसका सीधा प्रभाव मौसम चक्र पर पड़ेगा। इसके परिणाम स्वरूप निकट भविष्य में सूखा, अतिवृष्टि, बाढ़ और तूफान जैसी चरम मौसमी घटनाएं देखने को मिल सकती हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में दुनिया भर में करीब 1.64 अरब वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, इनमें इस्तेमाल होने वाला जीवाश्म ईंधन भी वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। प्रदूषण रोकने के तमाम उपायों के बावजूद 150 लाख टन कार्बन मोनोआक्साइड, दस लाख टन नाइट्रोजन आक्साइड और पंद्रह लाख टन हाइड्रोकार्बन हर साल वायुमंडल में जमा होते हैं, जो ओजोन-परत के लिए बड़ा खतरा है। यदि ईरान-इजराइल युद्ध में निशाना बनाए जा रहे जहाजों में भरा तेल एवं गैस पूरी तरह समुद्र में फैल जाते हैं, तो जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को कितने बड़े स्तर पर नुकसानदेह होगा, इसका अनुमान लगाना भी कठिन है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इससे विश्व भर में ऊर्जा के संकट से भी जूझना पड़ेगा। तेल, गैस और रसायनों के जलने से पैदा होने वाला प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, इससे फेफड़ों का कैंसर, दमा, तपेदिक, हृदय रोग और त्वचा संबंधी रोगों का खतरा बना रहता है। एक अध्ययन के अनुसार, कैंसर के मरीजों की कुल संख्या में अस्सी फीसद मामले हवा में फैले विषैले रसायनों के कारण होते हैं।

विश्व बैंक ने अपनी एक रपट में जल प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव की कीमत 150 रुपए प्रति व्यक्ति आंकी है, जो तटीय क्षत्रों में रहते हैं। मगर यह मूल्यांकन वर्तमान युद्ध में तेल भंडारों पर हो रहे हमलों और उससे होने वाले नुकसान का आकलन नहीं है। इसका आकलन तो युद्ध की समाप्ति के बाद ही होगा। वैसे पेट्रोलियम अपशिष्टों का समुद्री खाद्य सामग्री पर भी असर पड़ता है। दूषित जल से कई समुद्री जीव कैंसर जैसी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। जब इन जीवों को मानव के आहार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो मनुष्य के शरीर में विकार आना स्वाभाविक है। ऐसे में युद्धरत देशों समेत वैश्विक स्तर पर इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि तेल के जहाजों और भंडारों को निशाना बनाने के दूरगामी एवं घातक परिणाम हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्ति पर प्रधानाध्यापक राम कुमार को दी गई भावभीनी विदाई

बरारी /कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिवाना में सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक राम कुमार के सम्मान में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड शिक्षिका अनसुईया त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार व अन्य विद्यालयों के प्रधान एवं शिक्षक एवं स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति से कार्यक्रम गरिमामय हो गया।समारोह की

शुरूआत छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। बच्चों ने गीत और नृत्य के माध्यम से अपने प्रधानाध्यापक के प्रति सम्मान व्यक्त किया, जिससे वातावरण भावुक हो गया। इसके पश्चात शिक्षकों एवं अतिथियों ने सेवानिवृत्त प्रधानाध्यपक राम कुमार तथा प्रभारी प्रधानाध्यापक मीनू कुमारी को फूलमाला एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य विद्यालयों के प्रधानाध्यापक विनोद कुमार दास, सच्चिदानंद दास,भगत सिंह,पीताम्बर मंडल,अमरदीप कुमार,प्रीतम कुमार एवं कामख्या नारायण शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राम कुमार ने अपने कार्यकाल के दौरान विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, अनुशासन कायम रखने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अहम योगदान दिया। वक्ताओं ने कहा कि उनकी कार्यशैली और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक राम कुमार ने कहा कि विद्यालय परिवार और ग्रामीणों से मिला स्नेह उनके लिए जीवनभर यादगार रहेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा विद्यार्थियों के समग्र विकास को प्राथमिकता दी और आगे भी समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहने का प्रयास करेंगे। उन्होंने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पल भावुक जरूर है, लेकिन यहां की यादें सदैव उनके साथ रहेंगी। कार्यक्रम में अभय कुमार,सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक विवेकानंद विवेक, बीआरसी लिपिक संतोष पासवान, बीआरसी कर्मी छोटू चौधरी, चंदन कुमार साह, दिलीप कुमार,मनीष कुमार,ध्रुव कुमार,खुशबू कुमारी,रोजी कुमारी,मनीषा कुमारी,रमण कुमार सुमन,कृष्ण कुमार सहित कई शिक्षक, अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

लक्ष्य टीचिंग सेंटर के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

हसनगंज /कटिहार (नबिटासं)। हसनगंज प्रखंड के कालसर पंचायत के अधौरा कालसर स्थित लक्ष्य टीचिंग सेंटर के छात्रों ने जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया है। संस्थान के चार छात्रों ने जिला टॉपर बनकर न केवल सेंटर बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जानकारी के अनुसार कालसर गांव निवासी पंकज कुमार विश्वास के पुत्र प्रेम प्रीतम ने

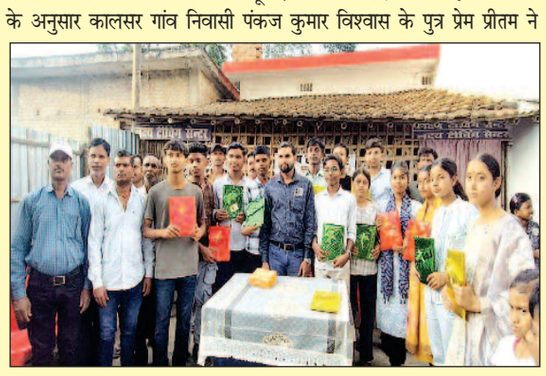

473 अंक प्राप्त कर जिले में पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं रवि कुमार और अनुराज मंडल और रवि कुमार ने 472 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से छठा स्थान प्राप्त किया। वही विक्रम कुमार 468 अंक हासिल कर 10वां स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 15 अन्य छात्रों ने भी प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर संस्थान की उपलब्धि को और मजबूत किया।इस अवसर पर एक विषय में शत-प्रतिशत 100 अंक हासिल किए। लक्ष्य टीचिंग सेंटर के संचालक मिथलेश कुमार ने ऐसे सात मेधावी छात्रों को कॉपी, कलम एवं एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि इन छात्रों ने गणित एवं विज्ञान विषय में पूर्णांक प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है।मौके पर संचालक मिथलेश कुमार ने कहा कि संस्थान के तीन छात्रों का जिला टॉपर बनना अत्यंत गर्व की बात है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय छात्रों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समुचित मार्गदर्शन को दिया।कार्यक्रम के दौरान कई अभिभावक भी उपस्थित रहे। जिनमें राजन विश्वास,राजू यादव, अशोक साह, नरेश मंडल, प्रकाश मंडल, कामता प्रसाद विश्वास,उमेश विश्वास, भवेश मंडल सहित अन्य शामिल है ।

विद्यालय वार्षिकोत्सव सह वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषणा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नगरनौसा/नालंदा (नबिटासं)। नगरनौसा प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय अरियावां में गुरुवार के दिन विद्यालय वार्षिकोत्सव सह वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषणा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन बीइओ ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉक्टर विजय कुमार ने किया। जबकि मंच संचालन वरीय अध्यापक अभय कुमार ने किया।इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि छात्र झ छात्राओं की वर्षभर की कठिन मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण का परीक्षाफल घोषित किया गया।छात्र झ छात्राओं एवं अभिभावकों की उपस्थिति से प्रांगण में हर्ष, उत्साह एवं गौरव का अद्भुत वातावरण व्याप्त रहा।टॉपर छात्र-छात्राओं को विद्यालय की तरफ से पुष्कृत करते हुए उज्वल भविष्य की कामना किया। इस मौके पर हाई स्कूल रामपुर के प्रधानाध्यापक विजय कुमार सिंह,खपुरा हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक डेबिड बुन, हाई स्कूल गोन्दू बिगहा के प्रधानाध्यापक डॉक्टर कृष्ण मोहन कुमार आदि उपस्थित थे।

महानंदा दियारा में गीदड़ ने महिला को किया जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार) । थाना क्षेत्र के आलमपुर पंचायत स्थित नलकोपा गांव की एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। जानकारी के अनुसार बुधवार देर शाम आजमनगर थाना क्षेत्र के नलकोपा गांव निवासी रमनी देवी (60)अपने बुजुर्ग पति धन्ना सिंह के साथ आलमपुर महानंदा दियारा क्षेत्र में घास काटने गई थीं।

इसी दौरान अचानक एक जंगली जानवर गीदड़ ने दोनो पर हमला कर दिया। हमले में वृद्ध महिला को कई जगह गंभीर रूप से नोच-खरोंच कर दिया गया।जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गईं।घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से घायल रमनी देवी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर के डाक्टरों ने बेहतर ईलाज के लिए दुसरे जगह रेफर कर दिया। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान ही महिला की मौत हो गई।

इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है।घटना के बाद से उनके पति धन्ना सिंह लापता बताए जा रहे हैं। परिजनों का आशंका है कि बुजुर्ग व्यक्ति को भी गीदर की झुंड ने कहीं अपना शिकार ना बना लिया हो क्योंकि दियारा क्षेत्र में मक्का की फसल काफी अधिक घना है। जिससे परिजनों और ग्रामीणों में चिंता और बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि दियारा क्षेत्र में गीदड़ों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है और आए दिन इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। लोगों ने वन विभाग से जल्द कार्रवाई कर जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

मोटर गैरेज संचालक हत्या मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार ग्रामीण। एक अप्रैल को भरी दोपहरी को अमदाबाद थाना क्षेत्र में गैरेज संचालक साबीर आलम के हुई हत्या के आरोप में पुलिस ने दो आरोपी जारूल खान (30) पिता मांगन खान बैरिया एवं

मो. मेडुल (25) पिता जमाहीर कर्बला टोला बैरिया निवासी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त दो मोटर साईकिल भी पुलिस ने जप्त की है। पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने इस संबंध मे बताया कि मृतक साबीर आलम के भाई रमजानी (32) पिता इसराफुल बेलवाही अमदाबाद जिला कटिहार निवासी ने अपने लिखित आवेदन में बताया है कि दिनांक घटना के समय 01.04.2026 को वह अपने भाई साबिर आलम के साथ उसकी दुकान पर मौजूद था।

उसी दौरान जाहिल खान एवं उसके सहयोगियों द्वारा मेरी दुकान पर आकर मेरे भाई से गाड़ी ठीक करने को कहा गया। वह बोला थोड़ा समय लगेगा। लेकिन थोड़ी देर बाद तैश में आकर जाहिल खान ने अपने कमर से देसी कट्टा निकालकर मेरे भाई साबिर आलम के माथे में गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद सभी आरोपी वहां से फरार हो गए। मैं अपने भाई को इलाज हेतु अस्पताल लेकर गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी श्री चौधरी ने जानकारी दी कि इस संदर्भ संदर्भ में अमदाबाद थाना कांड संख्या-91/26, दिनांक-01.04.2026, धारा-103(1) /61(2)/ 3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई की गयी। जानकारी दी कांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनिहारी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया।

गठित टीम द्वारा छापेमारी कर घटना में शामिल जारूल खान और मो. मेडुल को गिरफ्तार किया लिया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाईकिल बरामद की गयी है । अग्रतर कार्रवार्र की जा रही है। एसपी श्री चौधरी ने कहा कि स्पीडी ट्रायल के माध्यम से इस घटना के आरोपियों को कठोर सजा दिलायी जाएगी।

अवैध हथियार के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करना युवक को पड़ा भारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। हाल के दिनों में सोशल मिडिया पर हथियार लहराने,फायरिंग करते वीडियो डालकर दहशत फैलाले की बढती प्रवृति के मद्देनजर पुलिस भी सजग सक्रिय है। बुधवार को सोशल मिडिया पर अवैध हथियार लहराने व फायरिंग की सूचना पर नगर थाना पुलिस ने अमलाटोला वायरलेस गली से शिवम राजपूत ऊर्फ शिवम आर्यन को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध मे एसपी शिखर चौधरी ने जानकारी दी कि नगर थानाध्यक्ष को एक अप्रैल बुधवार को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति द्वारा अवैध हथियार के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल किया जा रहा है। जिसमें वह फायरिंग करते हुए दिखाई दे रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष कार्यबल टीम का गठन किया गया।

संबंध में नगर थाना कांड संख्या - 375/26 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गठित टीम द्वारा त्वरित छापेमारी करते हुए मुख्य अभियुक्त शिवम राजपूत उर्फ शिवम आर्यन पिता नगर थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई किया गया। जांच के क्रम में वायरल वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान शिवम राजपूत उर्फ शिवम आर्यन, पिता रंजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह साकिन वायरलेस गली अमला टोला थाना नगर, जिला कटिहार के रूप में की गई। उक्त व्यक्ति द्वारा अवैध हथियार का प्रदर्शन कर फायरिंग करते हुए आम जनता में भय एवं दहशत का माहौल उत्पन्न किया गया। इस रंजीत सिंह ऊर्फ पप्पू सिंह को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक अवैध देशी पिस्तौल, एक मैगजीन एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। श्री चौधरी ने जानकारी दी कि गिरफ्तार आरोपी के विरूद्ध नगर थाना में कांड संख्या 09/25 दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने एक देशी पिस्तौल, एक मैंगजीन, दो जिंदा कारतूस बरामद की है।

हत्या मामले में दो आरोपी को उम्र कैद की सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट । जिला व्यवहार न्यायालय के प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संदीप मिश्रा ने हत्या का दोषी पाते हुये भागलपुर जिले के गोपालपुर थाने के चापर रंगरा निवासी निरज सहनी व चंदन मंडल को आजीवन कारावास तथा आर्म्स एक्ट में सात वर्ष की सजा सुनायी है। इस सत्रवाद में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक राजेंद्र कुमार मिश्रा थे। जिन्होंने बताया कि अर्थदण्ड की राशि नहीं देने पर पन्द्रह माह व पाच माह अतिरिक्त करावास का आदेश भी दिया गया है। घटना को लेकर चापर रंगडा निवासी डिंपल देवी ने कुसेर्ला थाने में मामला दर्ज कराते हुए कहा था कि 26 अक्टूबर 2022 को रात साढे नौ बजे नीरज साहनी व चंदन मंडल उसके पति बंटी यादव को कटरिया मेला देखने ले गए। जबकि मेरे पति मना कर रहे थे।

बिजली की चिंगारी से खंधा में आग लगने से गेंहू की फसल जलकर बर्बाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा (नालंदा) । नगरनौसा थाना क्षेत्र अंतर्गत मनीचक गांव के मधुवन खंधा में गुरुवार के दोपहर बिजली के चिंगारी से आग लगने से लगभग चार किसान के तीन बीधा से अधिक का खेत मे लगा गेहूं का फसल जलकर बर्बाद हो गया। घटना के सम्बंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिरुद्ध यादव, लालू यादव, सुधीर यादव सहित चार किसान का खेत मे खड़ी लगभग तीन बीधा से अधिक गेंहू का फसल जलकर बर्बाद हो गया। इधर खेतों में आग लगने की सूचना मिलते ही किसानों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना देते हुए अथक प्रयासों के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवा के

कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया।जबतक आग पर काबू पाया गया तब तक लगभग तीन बिगहा से अधिक गेंहू का फसल जलकर बर्बाद हो गया।

ऑन ड्यूटी नशे में धुत चिकित्सा पदाधिकारी, परिसर में हाई वोल्टेज ड्रामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून के बीच स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली एक चौंकाने वाली घटना सामने आयी है। जिले के समेली प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार सिंह की एक शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। जिसमें वे कथित तौर पर शराब के नशे में धुत होकर अस्पताल परिसर के बाहर अर्धनग्न अवस्था में जमीन पर बेसुध पड़े दिखाई दे रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डॉ. सिंह इस कदर नशे में थे कि उन्हें होश तक नहीं था। आसपास मौजूद लोग उन्हें उठाने और होश में लाने की कोशिश करते रहे। लेकिन वे खुद को संभाल पाने में पूरी तरह असमर्थ

दिखे। इस दौरान एक कुत्ता भी उनके आसपास घूमता नजर आया। जिसने पूरे घटनाक्रम को और भी विचलित करने वाला बना दिया। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। अस्पताल में पहुंचे ललित कुमार ने बताया कि वे जन्म प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर कराने आए थे। लेकिन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी नशे की हालत में मिले और उनसे हस्ताक्षर के बदले पैसे की मांग कर रहे थे। वहीं एक अन्य स्थानीय युवक पुलकित यादव ने कहा कि एक जिम्मेदार पद पर बैठे डॉक्टर का इस तरह शराब के नशे में धुत होकर सार्वजनिक स्थान पर पड़े रहना बेहद शर्मनाक है। ऐसे नशेड़ी अधिकारी पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत कटिहार के जिला पदाधिकारी से की। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया और मध निषेध विभाग को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इधर इस हाई वोल्टेज ड्रामे की सूचना मिलते ही पोठिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नशे की हालत में पड़े चिकित्सा पदाधिकारी को अपने साथ थाने ले गई। अब सवाल यह उठता है कि जब राज्य में शराबबंदी कानून सख्ती से लागू है। तब एक सरकारी अस्पताल का प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ही खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाता नजर आ रहा है। इस घटना ने न केवल स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। बल्कि प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर चिंता जताई जा रही है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। एसपी शिखर चौधरी ने बताया कि घटना पर कार्यवाई करते हुए चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है। मेडिकल जांच कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जिले में एलपीजी गैस की कोई कमी नही : डीएसओ

कालाबाजारी करने वालों पर प्रशासन रख रहा नजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले में रसोई गैस की कोई कमी नही है।इसको लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से आ रही खबरें भ्रामक है। उपभोक्ताओं को घबराने की कोई जरुरत नहीं है। गैस की आपूर्ति सामान्य ढंग से हो रही है।उक्त जानकारी जिला प्रशासन की ओर से आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुशील कुमार ने दी है। डीएसओ ने बताया कि कि जिले में गैस सिलेंडर उपलब्ध है।उन्होंने कहा है कि मध्य पूर्व में चल रहे विवादों को लेकर सोशल मिडिया के माध्यम से फैल रही गैस किल्लत की खबरें भ्रामक है। उन्होंने बताया कि वास्तविकता है कि जिले के 54 एलपीजी गैस वितरकों के पास 15,449 घरेलू और 841 व्यावसायिक सिलेंडर शर्तमान में उपलब्ध हैं। बुधवार को 8,383 बुकिंग के

सापेक्ष 4,822 सिलेंडरों की आपूर्ति कर दी गई है और गुरुवार को भी 6,464 सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है।डीएसओ ने बताया कि गैस वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन चौकस है। जिलाधिकारी स्वयं गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आपूर्ति की समीक्षा कर रहे हैं। वहीं गैस के अवैध कारोबार और भंडारण एवं वितरण की अनियमितता पर रोक लगाने को लेकर प्रखंडों में गठित विशेष धावा दल सक्रिय है। अब तक अनियमितता के आरोप 5 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है।वहीं शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला प्रशासन ने आम जनता से 'पैनिक बुकिंग' नहीं कराने और गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ नहीं लगाने की अपील की है। डीएसओ ने उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति या वितरण में हो रही परेशानी की शिकायत जिला स्तर पर जारी हेल्पलाइन नंबरों 06452-239025 एवं 239026 पर दर्ज कराने को कहा है। मौके पर एडीएसओ कुणाल कुमार सहित उपस्थित रहे।

गैरेज संचालक की हत्या के विरोध में सड़क जाम, प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार ग्रामीण। गुरूवार को अमदाबाद थानाक्षेत्र के पहाडपुर के पास सडक पर बांस बल्ला व टायर जलाकर

- हत्यारोपी को कठोर सजा दिलाने की मांग
- मौके पर पहुंचे डीएसपी, ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम हटाया

ग्रामीणों ने मोटर गैराज संचालक मो. सबीर की हत्या के प्रति विरोध जताया।

आक्रोशित ग्रामीणों ने हत्यारोपी को फांसी की सजा दिये जाने की मांग की। प्रमुख प्रतिनिधि ने जिला प्रशासन से क्षेत्र में युवाओं में बढते सूखे नशे की प्रवृति और परिणामस्वरूप बढती आपराधिक वारदात पर रोक लगाने की मांग की। सड़क जाम की सूचना पर मौके पर पहुंचे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिनोद कुमार ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझा बुझाकर सडक जाम हटाया। घटना में शामिल आरोपियों को विधि सम्मत सजा दिलाने का भरोसा दिलाया।

जदयू की बैठक में सांगठनिक मुद्दों पर चर्चा

नवमनोनीत महानगर अध्यक्ष का हुआ स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला अतिथि गृह में जिला जदयू की एक विशेष बैठक जिलाध्यक्ष सूरज प्रकाश राय की अध्यक्षता में आयोजित की गई।जिसमें नवमनोनीत नगर अध्यक्ष विशाल राणा का स्वागत और सांगठनिक मुद्दों पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में पहुंचने पर जिलाध्यक्ष, जिला प्रवक्ता इम्तियाज हैदर, वरिष्ठ नेता सूर्यदेव मंडल,सुनील सिंह सहित दर्जनों अन्य ने विशाल राणा को अंगवस्त्र और माला पहनाकर स्वागत किया। संगठन की मजबूती पर प्रखंड अध्यक्षों सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अपने विचार रखे।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सूरज प्रकाश राय ने कहा कि विशाल राणा के अनुभव और ऊर्जा से संगठन को महानगर क्षेत्र में नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कार्यकताओं से एकजुट होकर सरकार

की नीतियों एवं जनहित में चलायी जा रही सरकारी योजनाओं को हर घर तक पहुँचाने का आह्वान किया। अपने संबोधन में विशाल राणा ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने और कार्यकताओं के मान-सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने नगर क्षेत्र में पार्टी के विस्तार को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई।पार्टी प्रवक्ता इम्तियाज हैदर ने कहा कि जदयू विकास के एजेंडे पर काम करने वाली पार्टी है।नये ढंग से हुए सांगठनिक विस्तार से निर्वाचित सभी प्रखंड अध्यक्षों का स्वागत करते हुए कहा कि आपके सहयोग से आगामी चुनौतियों का सामना करने में आसान होगा।बैठक में संगठन विस्तार के लिए सामूहिक रणनीति और एकजुटता बना कर कार्य करने पर बल दिया गया।

दो दिवसीय हनुमंत महोत्सव के अवसर पर निकाली गई कलश शोभायात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। सार्वजनिक दुर्गा मंदिर व उच्च विद्यालय प्रांगण में हनुमंत महोत्सव को लेकर बालाजी सेवा समिति सालमारी परिवार की ओर से दो दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया गया।

आयोजन के उपलक्ष्य पर गुरुवार को सुबह कलश शोभा यात्रा निकाली गयी।इसी के साथ दो दिवसीय हनुमंत महोत्सव की शुरूआत हो गयी।कलश शोभा यात्रा पूजन स्थल से निकल कर सालमारी के विभिन्न चौक चौराहे होते हुए पूजा स्थल पर पहुंची। वहीं कलश यात्रा के दौरान भगवान हनुमान की प्रतिमा को भी पुष्पगुच्छ से सुसज्जित कर नगर परिक्रमा कराई गयी।हनुमान महोत्सव के मौके पर पूरा वातावरण जय श्री राम जय हनुमान के जयकारे से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर विशाल हनुमान जी की प्रतिमा भी पूजा पंडाल में स्थापित की गई है। जो भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां गुरुवार और शनिवार संध्या भजन संध्या का अभी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। वही विभिन्न जगहों से आये कलाकारों द्वारा विभिन्न झांकी की प्रस्तुति से लोगों का मन मुग्ध कर दिया।शोभा यात्रा में संजय गुप्ता,बालाजी सेवा समिति परिवार की तरफ से पूजा कमिटी के भरत गुप्ता, भवेश साह,संजय चौधरी, शिव पोद्दार,सरोज कुमार, सुजीत चौधरी, छोटू, नंदकिशोर गुप्ता, कन्हैया शर्मा, मंटू मंडल, शैलेश, संतोष अग्रवाल, सज्जन कुमार, ऋषभ चौधरी, टंडन साह, विकास कुमार के अलावे पूजा कमिटी परिवार सक्रिय रूप से महोत्सव के सफल संचालन में जुटी हुई है।

प्लास्टिक का सामान, कपड़े, दवा होंगी सस्ती

सरकार ने अहम पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट पर कस्टम ड्यूटी पूरी तरह माफ की

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक सप्लाई चेन में बाधाओं के बीच केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि अहम पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट पर 30 जून 2026

तक पूरी कस्टम ड्यूटी माफ की जाएगी। इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल प्लास्टिक के सामान बनाने समेत कपड़े बनाने, दवा बनाने आदि में इस्तेमाल होता है। सरकार के इस फैसले से आम जनता को कुछ राहत मिलेगी। यह छूट 30 जून तक लागू रहेगी। इससे प्लास्टिक, पैकेजिंग, कपड़ा, दवा, रसायन, मोटर वाहन घटक तथा अन्य विनिर्माण क्षेत्रों जैसे पेट्रोरसायन 'फीडस्टॉक' और 'इंटरमीडिएट' पर निर्भर उद्योगों को लाभ मिलेगा। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के तौर पर उठाया गया है ताकि देश में जरूरी पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता बनी रहे, लागत दबाव कम हो और सप्लाई स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

किन सेक्टर को मिलेगा लाभ : प्लास्टिक और पैकेजिंग : कच्चे माल की लागत कम होने से पैकेजिंग इंडस्ट्री की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी।

फार्मास्यूटिकल्स : कई दवाओं के निर्माण में पेट्रोकेमिकल इंटरमीडिएट्स का उपयोग होता है, जिससे अब दवाओं की लागत कम हो सकती है।

टेक्सटाइल : सिंथेटिक फाइबर और कपड़ों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स सस्ते होंगे।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स : कार और बाइक के कलपुर्जों (प्लास्टिक और रबर पार्ट्स) की मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में कमी आएगी।

केमिकल और अन्य मैन्युफैक्चरिंग : औद्योगिक रसायनों का उत्पादन करने वाली इकाइयों को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार का मानना है कि उद्योगों को मिलने वाली इस राहत का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचेगा। जब कंपनियों की प्रोडक्शन कॉस्ट कम होगी।

इन प्रोडक्ट पर मिली छूट

एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमीथेन, विनाइल क्लोराइड मोनोमर, मेथनॉल, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, मोनोएथिलीन ग्लाइकोल, फिनोल आदि। इनके अलावा एसिटिक एसिड, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्यूरीफाइड टेरेफथैलिक एसिड, अमोनियम नाइट्रेट, एथिलीन पॉलिमर, एपॉक्सी रेजिन, फॉर्मल्डिहाइड, यूरिया-फॉर्मल्डिहाइड, मेलामाइन-फॉर्मल्डिहाइड जैसे प्रोडक्ट भी लिस्ट में शामिल हैं। तो बाजार में मिलने वाले अंतिम उत्पाद जैसे प्लास्टिक का सामान, कपड़े, दवाएं और वाहनों की कीमतें स्थिर रह सकती हैं या उनमें गिरावट आ सकती है।

कंपनी के बड़े प्लान से शेयर में उछाल, क्या आपका है दांव

फिर दौड़ा 600 प्रतिशत रिटर्न देने वाला क्यूपिड लिमिटेड स्टॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। क्यूपिड लिमिटेड के शेयरों ने पिछले एक साल में करीब 600 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है और अब मजबूत कमाई के संकेत के बाद इसमें 8 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी ने अपने रेवेन्यू और प्रॉफिट गाइडेंस को पार करने की उम्मीद जताई है। 27 के लिए 600 करोड़ का बड़ा लक्ष्य रखा है। शेयर बाजार में इस समय एक छोटा सा स्टॉक बड़े-बड़े दिग्गजों को पीछे छोड़ता नजर आ रहा है। हम क्यूपिड लिमिटेड की बात कर रहे हैं, जिसने पिछले एक साल में करीब 600 प्रतिशत का जबरदस्त रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है। अब एक बार फिर कंपनी की खबर से शेयर में 8 प्रतिशत की तेजी आई है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। क्यूपिड लिमिटेड के शेयर बुधवार को एनएसई पर 8 प्रतिशत बढ़कर 89.75 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि मजबूत प्रदर्शन, बेहतर ऑपरेशन और डिमांड के चलते वह वित्त वर्ष 2026 के अपने 335 करोड़ रुपये के रेवेन्यू और 100 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट के वार्षिक अनुमान को आसानी से पार कर जाएगी, यानी

कंपनी का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहने वाला है। क्यूपिड लिमिटेड यहीं नहीं रुकना चाहती। कंपनी ने कम से कम 600 करोड़ का रेवेन्यू और 30 प्रतिशत से ज्यादा प्रॉफिट मार्जिन का बड़ा लक्ष्य रखा है। अगर ऐसा होता है, तो यह कंपनी स्मॉल-कैप से मिड-कैप की ओर तेजी से बढ़ सकती है। क्यूपिड लिमिटेड मुख्य रूप से मेल एंड फीमेल कॉन्डोम, पर्सनल ल्यूब्रिकेंट्स किट्स, परफ्यूम एंड डिओड्रेंट्स बनाती है। खास बात यह है कि कंपनी का बड़ा फोकस एक्सपोर्ट मार्केट पर है, जिससे इसकी ग्रोथ तेज हो रही है।

कंपनी की ताकत क्या है: कंपनी के पास कच्चे माल की 6 महीने की मजबूत उपलब्धता है। डॉलर मजबूत होने से एक्सपोर्ट में फायदा मिल रहा है और लगातार कंपनी के प्रोडक्ट्स की डिमांड अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही है, यानी कंपनी के पास फिलहाल ग्रोथ के लिए मजबूत बेस तैयार है।

निफ्टी 50 और जैसे बड़े इंडेक्स पिछले एक साल में गिरावट दिखा रहे हैं, वहीं क्यूपिड लिमिटेड ने 600 प्रतिशत का रिटर्न देकर सबको हैरान कर दिया है। क्यूपिड लिमिटेड ने साल 2024 से लेकर अब तक अपने निवेशकों को 2 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है। 1 अप्रैल 2026 (बुधवार) को कंपनी शेयर 4.09 प्रतिशत तेजी के साथ 86.50 रुपये पर बंद हुए। कंपनी के शेयर में तेजी देखकर तुरंत कूदना हमेशा सही नहीं होता है। कंपनी के फंडामेंटल मजबूत हैं।

अरुणाचल प्रदेश जीएसटी ग्रोथ में बना नंबर-1, दिल्ली, महाराष्ट्र, यूपी समेत सब इससे पीछे

नईदिल्ली, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश ने जीएसटी रेवेन्यू ग्रोथ में देश में टॉप पोजिशन हासिल की है। सबसे ऊपर जगह बनाते हुए इस प्रदेश ने अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के दौरान 27.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो राष्ट्रीय औसत 6.4 प्रतिशत से चार गुना से ज्यादा है। वित्त मंत्रालय द्वारा एक अप्रैल 2026 को जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य का यह प्रदर्शन केंद्रीय एवं राज्य कर कलेक्शन में मजबूत वृद्धि के कारण संभव हुआ है। आइए जरा विस्तार से इसको समझते हैं। केंद्रीय स्तर पर अरुणाचल प्रदेश में जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 526 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 407 करोड़ रुपये था। वहीं कुल जीएसटी कलेक्शन (केंद्रीय और राज्य दोनों मिलाकर) 1,527 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के 1,201 करोड़ रुपये से 326 करोड़ रुपये अधिक है। वृद्धि दर के अनुसार, सेंट्रल टैक्स कलेक्शन में 29.4 प्रतिशत और राज्य कर कलेक्शन में 26.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे अरुणाचल प्रदेश सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अग्रणी बन गया। विस्तृत आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 में केंद्रीय संरचना के तहत सीजीएसटी से 206 करोड़ रुपये और एसजीएसटी से 246 करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ, जबकि पिछले वर्ष यह क्रमशः 150 करोड़ और 183 करोड़ रुपये था। इन आंकड़ों में आईजीएसटी सेटलमेंट शामिल नहीं है।

विप्रो में टॉप लेवल पर कई बदलाव

तो एसबीआई कार्ड्स में भी नई नियुक्ति हुई

नईदिल्ली, एजेंसी। कई कंपनियों के अपडेट्स सुर्खियों में हैं। विप्रो में जहां टॉप लेवल पर कई बदलाव हुए हैं। सीईओ के इस्तीफे की खबर है। एसबीआई कार्ड्स में भी नई नियुक्ति हुई है। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने गुरुग्राम के सेक्टर 92 में करीब 17.2 एकड़ जमीन पर एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए डील की है तो डिविडेंड का ऐलान किया है। ऐसे में इन कंपनियों के शेयरों में आज बड़ी हलचल की उम्मीद है।

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी विप्रो के टेक्नोलॉजी सर्विसेज ग्लोबल बिजनेस लाइंस के प्रेसिडेंट और मैनेजिंग पार्टनर नगेंद्र बंडारू को अब एआई-नेटिव बिजनेस एंड प्लैटफॉर्म्स यूनिट का सीईओ नियुक्त किया गया है। वे कंपनी में सीनियर मैनेजरियल पर्सनल के रूप में भी अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। वहीं, कंवर सिंह को टेक्नोलॉजी सर्विसेज का नया प्रेसिडेंट और मैनेजिंग पार्टनर बनाया गया है।

इसी बीच, सुजैन डैन ने अमेरिकाज-2 स्ट्रैटेजिक मार्केट यूनिट के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया है और वे कंपनी के बाहर नए अवसर तलाशेंगी। कंपनी ने एआइआई आधारित बिजनेस को मजबूत करने के लिए एक नई यूनिट भी लॉन्च की है, जिसका मकसद एंटरप्राइज लेवल पर एडवांस्ड सॉल्यूशंस तैयार करना है।

ऑटो कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी में बड़ा बदलाव हुआ है। कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर आर. वेंकटाकृष्णन ने उम्र और स्वास्थ्य कारणों से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जो 1 अप्रैल से प्रभावी हो गया है।

अपने दवा ब्रांड के पूरे कमर्शियल ऑपरेशन और डिस्ट्रीब्यूशन को खुद संभालेगी। यह दवा एलर्जी से जुड़ी समस्या, खासकर सीजनल एलर्जिक राइनाइटिस के इलाज में इस्तेमाल होती है और अमेरिका में 2022 में लॉन्च की गई थी। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने गुरुग्राम के सेक्टर 92 में करीब 17.2 एकड़ जमीन पर एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए ज्वाइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट किया है। इस प्रोजेक्ट में लगभग 30 लाख वर्ग फुट का डेवलपमेंट होगा

और इसकी कुल वैल्यू करीब 4,200 करोड़ रुपये आंकी गई है।

एसबीआई कार्ड्स में नई नियुक्ति: एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज ने अमित बत्रा और चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर नियुक्त किया है। वे 1 जुलाई 2026 से अपना कार्यभार संभालेंगे। देश की प्रमुख टू-व्हीलर कंपनी हीरो मोटाकॉर्प ने में 210 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के बाद कंपनी की हिस्सेदारी 36.67 प्रतिशत हो गई है, जिससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेक्टर में उसकी पकड़ और मजबूत होगी।

इन 10 स्टॉक्स में 81 प्रतिशत तक कमाई का मौका, मार्च की गिरावट के बाद बना गोल्डन चांस! कई बड़े (लार्ज-कैप) स्टॉक्स में भारी गिरावट आई है, लेकिन यही गिरावट अब निवेशकों के लिए सुनहरा मौका बन सकती है। इसीलिए आज हम यहां ऐसे 10 स्टॉक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनमें 81 प्रतिशत तक अपसाइड पोटेंशियल बताया गया है। इन 10 स्टॉक्स में 81 प्रतिशत तक कमाई का मौका, मार्च की गिरावट के बाद बना गोल्डन चांस!

ल्यूपिन का अंतरराष्ट्रीय विस्तार

फार्मा कंपनी की नीदरलैंड्स स्थित सब्सिडियरी नैनोमी ने फिलीपींस की कंपनी मल्टी केयर फार्मास्युटिकल्स में 43.38 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह डील करीब 39.6 मिलियन डॉलर की है और मई 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। पेप्सीको की बॉटलिंग पार्टनर वरुण बेवरेजेज ने 8 अप्रैल को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इसी दिन यह तय होगा कि किन शेयरहोल्डर्स को वित्त वर्ष 2025 के लिए 0.50 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड मिलेगा।

इस बार देरी के पीछे कई वजहें सामने आ रही हैं

डीए बढ़ोतरी को लेकर आई बड़ी अपडेट! पांच मुख्य कारणों से हो रही देरी

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए इस समय सबसे बड़ी खबर बढ़ोतरी को लेकर है। आमतौर पर हर साल मार्च में डीएम बढ़ोतरी का ऐलान हो जाता है, लेकिन 2026 में यह घोषणा थोड़ी देर से होने वाली है। अब उम्मीद की जा रही है कि अप्रैल के पहले हफ्ते में ष्ठ को 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत किया जाएगा। हालांकि, अच्छी बात यह है कि यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से लागू मानी जाएगी और कर्मचारियों को देरी का पूरा एरियर भी मिलेगा। इस बार देरी के पीछे कई वजहें सामने आ रही हैं। सबसे बड़ा कारण 8वें वेतन आयोग की प्रक्रिया है, जिसके चलते डीए को नए पे स्ट्रक्चर के साथ एडजस्ट किया जा रहा है। इसके अलावा कैबिनेट अप्रूवल की लंबी प्रक्रिया, फाइनेंस मिनिस्ट्री की जांच और (महंगाई इंडेक्स) के आंकड़ों की फाइनल कैलकुलेशन भी है। यही वजह है कि इस बार घोषणा थोड़ी लेट हो गई है, लेकिन इससे पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं माना जा रहा।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए डीए हाइक में देरी इस बार चर्चा का विषय बनी हुई है। इसके पीछे ये 5 मुख्य वजहें मानी जा रही हैं।

1. **8वें वेतन आयोग में बदलाव:** अब 8वां वेतन आयोग लागू होने की प्रक्रिया में है, जिसके कारण डीए को नए पे स्ट्रक्चर के अनुसार एडजस्ट किया जा रहा है। इसके लिए अतिरिक्त जांच, वैलिडेशन और विश्लेषण की जरूरत पड़ रही है, जिससे समय लग रहा है।
2. **कैबिनेट अप्रूवल की प्रक्रिया:** डीए बढ़ाने के लिए फाइनेंस मिनिस्ट्री की समीक्षा से लेकर कैबिनेट की अंतिम मंजूरी तक कई स्तरों की स्वीकृति जरूरी होती है। चाहे बढ़ोतरी सिर्फ 2 प्रतिशत ही क्यों न हो, हर स्तर पर जांच और मंजूरी के कारण देरी हो सकती है।
3. **डेटा फाइनल होने में समय:** डीए की गणना 12 महीनों के औसत (औद्योगिक श्रमिकों का महंगाई सूचकांक) पर आधारित होती है। सही और अंतिम आंकड़े तय करने में समय लगता है, ताकि बाद में कोई सुधार न करना पड़े।
4. **प्रशासनिक समन्वय:** जब डीए के साथ एरियर भी देना होता है, तो सरकार वेतन, पेंशन और अन्य भत्तों के भुगतान को एक साथ संतुलित करने के लिए समय का समायोजन करती है।
5. **50 प्रतिशत से ज्यादा डीए पर स्ट्रक्चरल बदलाव:** इतिहास में देखा गया है कि जब ष्ठ 50 प्रतिशत से ऊपर जाता है, तो उसे बेसिक सैलरी में मर्ज करने या अन्य संरचनात्मक बदलावों पर विचार किया जाता है। यही कारण भी इस बार देरी की एक संभावित वजह हो सकता है।
6. **1 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी और पेंशनर्स प्रभावित:** सरकार के लिए यह फैसला काफी बड़ा है, क्योंकि इससे 1 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी और पेंशनर्स प्रभावित होते हैं। यूनियन बजट 2026-27 में पेंशन खर्च का अनुमान करीब 2.96 लाख करोड़ रखा गया है, जिससे इस फैसले की अहमियत और बढ़ जाती है।

पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध जल्द खत्म करने के संकेतों के बाद से कच्चे तेल में गिरावट है और यह 100 डॉलर के नीचे आ गया है। वहीं, रोजाना की तरह आज भी भारत पेट्रोलियम समेत ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट जारी कर दिए हैं। भारत में सबसे सस्ता तेल पोर्ट ब्लेयर में है। यहां पेट्रोल 82.46 प्रति लीटर है तो डीजल 78.05 प्रति लीटर। 2 अप्रैल की सुबह छह बजे जारी रेट के मुताबिक दिल्ली के इंडियन ऑयल के पंपों पर साधारण पेट्रोल की रिटेल कीमत 94.77 और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। 1 अप्रैल 2026 से पेट्रोल की कीमत तय करने में कई हिस्से शामिल हैं। सबसे पहले डीलर्स को बिना वैट के जो बेस प्राइस दिया जाता है। इंडियन ऑयल द्वारा जारी डेटा के मुताबिक यह 74.97 प्रति लीटर है। इसके ऊपर औसतन 4.40 प्रति लीटर डीलर कमीशन जोड़ा गया है। इसके बाद वैट (जिसमें डीलर कमीशन पर लगने वाला टैक्स भी शामिल है) 15.40 प्रति लीटर लगाया गया है। इन सभी को मिलाकर दिल्ली में आज 1 अप्रैल को पेट्रोल की खुदरा कीमत करीब 94.77 प्रति लीटर बैठती है। डीजल की कीमत भी इसी तरह तय होती है, जिसमें

सबसे पहले डीलर्स का कमीशन, वैट आदि जुड़े होते हैं। दिल्ली में एक लीटर डीजल की कीमत 87.67 है। इसका बेस प्राइस बिना वैट के 71.81 प्रति लीटर है। इसके बाद औसतन 3.03 प्रति लीटर डीलर कमीशन और फिर वैट (जिसमें कमीशन पर टैक्स भी शामिल है) 12.83 प्रति लीटर शामिल है। एक लीटर पेट्रोल की कीमत करीब 10 रुपये अधिक है। आज दिल्ली में पेट्रोल 94.77 और डीजल 87.67 प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 104.99 लीटर पेट्रोल बिक रहा है। जबकि, डीजल 91.81 रुपये लीटर। अलीपुर में पेट्रोल 104.99 प्रति लीटर, बहरामपुर में 106.12, बांकुड़ा में 105.19, बारासात में 105.24, वर्धमान में 105.33, कूचबिहार में 106.14, हुगली में 105.52, हावड़ा में 104.99, कोलकाता में 104.99, कृष्णानगर में 106.07, मेदिनीपुर में 105.37, पुरुलिया में 106.05, रायगंज में 105.36, सूरी में 105.43 और तामलुक में 104.61 प्रति लीटर है।

आलू 4, प्याज 10, टमाटर 7 किलो, जनवरी से आधे रह गए सब्जियों के दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। जनवरी से सब्जियों की कीमतें तेजी से गिरी हैं। इससे ग्राहकों को राहत मिली है। लेकिन, किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आलू की कीमतें 40 प्रतिशत, प्याज की 50 प्रतिशत और

टमाटर की 80 प्रतिशत तक गिर गई हैं। इसकी मुख्य वजह बाजार में सप्लाई का बहुत ज्यादा होना और कटाई के मौसम में फसलों की भारी आवक है। इकनॉमिक टाइम्स (ईटी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एक आजादपुर (दिल्ली) में आलू लगभग 4 रुपये किलो है। वहीं, लासलगांव (महाराष्ट्र) में प्याज 10-11 रुपये किलो बिक रहा है। राज्य के पिंपलगांव में टमाटर लगभग 7 रुपये किलो के भाव में पहुंच गया है। होटलों और रेस्टोरेंट से ज्यादा की जो मांग फरवरी के आखिर से ही एलपीजी संकट की वजह से कम होनी शुरू हो गई थी, वह इस हफ्ते लगभग पूरी तरह से ही खत्म हो गई है। इसी वजह से पिछले एक महीने में टमाटर की कीमतें 40 प्रतिशत तक गिर गई हैं।

क्या कह रहे हैं किसान: किसानों का कहना है कि इन वजहों से कीमतें इतनी नीचे गिर गई हैं कि उन्हें अपनी लागत भी नहीं मिल पा रही है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण आयातित सामानों की बढ़ती कीमतों से पैदा हुए महंगाई के दबाव को कम करने में इन सस्ती सब्जियों से कुछ मदद जरूर मिली है।

पूरे मसले को समझिए: पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से प्याज के निर्यात की मांग कम हो गई है। कटाई के पीक सीजन में घरेलू बाजार में प्याज का अंबार लग गया है। वहीं दूसरी तरफ एलपीजी संकट ने टमाटर की खपत को भी काफी हद तक कम कर दिया है। टमाटर होटलों और रेस्टोरेंट में बनने वाली कई तरह की सब्जियों का एक अहम हिस्सा होता है। आजादपुर टोमैटो ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कौशिक ने ईटी को बताया, 'होटलों और रेस्टोरेंट से टमाटर की जो मांग फरवरी के आखिर से ही एलपीजी संकट की वजह से कम होनी शुरू हो गई थी,

कॉर्पोरेट की चमक-धमक छोड़ 2.5 लाख से शुरू किया देसी काम

नईदिल्ली, एजेंसी। यह कहानी एक ऐसी जोड़ी की है जिसने कॉर्पोरेट की चमक-धमक छोड़कर एकदम देसी काम से अपनी पहचान बनाई है। अभिषेक चौधरी बंगाल के सिलीगुड़ी से हैं। वहीं, सेंजुती महतो झारखंड के बोकारो से ताल्लुक रखती हैं। दोनों ने मिलकर 'अर्थ स्टोरी फार्म्स' नाम का वेंचर शुरू किया है। इसकी नींव उन्होंने 2021 में डाली थी। यह बिना प्रिजर्वेटिव वाले क्षेत्रीय उत्पाद बेचता है। इनमें नोलेन गुड़, बिलोना घी, औषधीय शहद, अचार, बाजरा, चावल और जीआई-टैग वाले मसाले शामिल हैं। सिर्फ 2.5 लाख रुपये की पूंजी से शुरू हुए इस वेंचर का कारोबार अब 1.25 करोड़ रुपये पहुंच गया है। आइए, यहां अभिषेक चौधरी और सेंजुती महतो की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अभिषेक चौधरी -कलकत्ता से एमबीए और पूर्व आईटी कंसल्टेंट हैं। सेंजुती महतो जेएनयू से पॉलिटिकल साइंस में पोस्ट-ग्रेजुएट हैं। वह विज्ञापन जगत से आती हैं।

बिजनेस मॉडल थोड़ा अलग

अभिषेक और सेंजुती का मॉडल खुद की फैक्ट्रियां लगाने के बजाय स्थानीय कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर काम करने पर आधारित है। उनका प्रमुख उत्पाद 'नोलन गुड़' बांकुरा के पारंपरिक 'शिउली' बनाते हैं। इसमें किसी रसायन का इस्तेमाल नहीं होता।

अब करोड़ों का कारोबार

शुरुआती चुनौतियों का किया सामना

शुरू में अभिषेक और सेंजुती ने बंगाल के बांकुरा में 10 एकड़ जमीन पर खेती शुरू की। कोरोना के दौरान कोलकाता में घर-घर सब्जियां पहुंचाईं। उन्होंने जल्द ही महसूस किया कि भारतीय ग्राहक ताजी सब्जियां छूकर और देखकर खरीदना पसंद करते हैं। इससे इस मॉडल को बड़े स्तर पर ले जाना कठिन था। इसके बाद उन्होंने अपनी रणनीति बदली। 'पैकेज्ड ट्रेडिशनल प्रोडक्ट्स' पर फोकस किया। उन्होंने बांकुरा के प्रसिद्ध 'नोलन गुड़' से शुरुआत की।

तेजी से दौड़ा कारोबार

अभिषेक और सेंजुती के स्टार्टअप का सफर सिर्फ 2.5 लाख (वित्त वर्ष 2021-22) से शुरू हुआ था। वित्त वर्ष 2024-25 में यह 1.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। आज उनके उत्पाद ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टामार्ट और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ 'बॉम्बे कैंटीन' और 'ब्लू टोकाई' जैसे प्रीमियम कैफे में भी इसतेमाल किए जा रहे हैं। अगले पांच सालों में दोनों 100 करोड़ रुपये के टारगेट को हाथ में लेकर चल रहे हैं। उनकी मिडिल ईस्ट देशों में निर्यात शुरू करने की तैयारी है। यह जोड़ी भारतीय पारंपरिक स्वाद को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर पहचान दिलाना चाहती है। इसे (डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर) ब्रांड के रूप में स्थापित किया। इसी तरह, वे सुंदरबन का दुर्लभ मैंग्रोव शहद, मेदिनीपुर का बिलोना घी और झारखंड के रागी-बाजरा जैसे मोटे अनाज सोर्स करते हैं। वर्तमान में उनके पास 11 से अधिक प्रोडक्ट हैं। इन्हें वे अगले साल तक 50 तक ले जाने की योजना बना रहे हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसे गये खाने से महिला यात्री हुई बीमार

भोजन की गुणवत्ता पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। प्रीमियम ट्रेनों में बेहतर सुविधा और गुणवत्ता के दावों के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस के खाने को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। वंदे भारत ट्रेन में यात्रा कर रही रांची की एक महिला यात्री ने आरोप लगाया है कि ट्रेन में परोसे गए भोजन के बाद उन्हें तेज एलर्जी हो गई, जबकि उनके दो वर्षीय बच्चे को भी दस्त की शिकायत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रांची निवासी आयुषी सिंह 27 मार्च को ट्रेन संख्या 22500 (वाराणसी-देवघर वंदे भारत एक्सप्रेस) के कोच ए1 में यात्रा कर रही थीं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि यात्रा के दौरान भोजन करने के बाद उनकी

तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें गंभीर एलर्जी की समस्या हो गई। साथ ही, उनके बच्चे की भी तबीयत खराब हो गई।

महिला यात्री ने अपनी शिकायत में ट्रेन के भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता पर सवाल उठाते हुए इसे गंभीर मामला बताया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद ट्रेन स्टाफ का रवैया संवेदनशील नहीं था। आयुषी ने अपने दावे के समर्थन में अस्पताल की पर्ची और कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं।

बताया गया है कि फिलहाल उनका इलाज रांची के मां राम प्यारी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में चल रहा है। यात्री ने यह भी कहा कि ट्रेन में दिया गया पानी का स्वाद असामान्य था, जिससे उन्हें स्वच्छता को लेकर और संदेह हुआ।

इस पूरे मामले पर आईआरसीटीसी की ओर से प्रतिक्रिया भी सामने आई है। आईआरसीटीसी ने बयान जारी कर कहा कि 27 मार्च को ट्रेन संख्या 22500 (वाराणसी-देवघर वंदे भारत एक्सप्रेस) में परोसे गए लंच की जांच की गई थी और वह संतोषजनक पाया गया।

वहीं, आरसीटीसी रांची के संयुक्त महाप्रबंधक एस.जे सोरेंग ने स्पष्ट किया कि यह ट्रेन वाराणसी-देवघर रूट की है, इसलिए इस मामले में संबंधित रूट के अधिकारी ही विस्तृत जानकारी दे सकेंगे। इस घटना के बाद एक बार फिर ट्रेनों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। यात्रियों ने भी इंटरनेट मीडिया पर इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए रेलवे से सख्त कार्रवाई और बेहतर निगरानी की मांग की है।

बहू की हत्या मामले में सास गिरफ्तार

हाजीपुर। सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी कलां पूर्वी वार्ड नंबर 24 में बीते 31 मार्च को एक किराए के मकान से 19 वर्षीय नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिलने के मामले में मृतका के पति समेत तीन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।

इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका की सास दुर्गा देवी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। यह जानकारी सदर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि प्राथमिकी में मृतका की मां कटहरा थाना क्षेत्र के मुस्तफा पर वार्ड नंबर 7 के निवासी रामबालक दास की 45 वर्षीय पत्नी रीता देवी ने आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री बबली कुमारी की शादी 3 जुलाई 2025 को समस्तीपुर जिला के मोहनपुर पटोरी थाना अंतर्गत बघरा मोहनपुर निवासी स्व. सुरेश दास के पुत्र संतोष कुमार से हुई थी।

राजद जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

रांची में प्रस्तावित तेजस्वी यादव की जनसभा में शामिल होंगे 1200 कार्यकर्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक गुरुवार को सर्किट हाउस में जिलाध्यक्ष महानगर मुमताज कुरैशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सदस्य तारकेश्वर यादव एवं जिला कमेटी के सदस्य, पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार तथा प्रखंड अध्यक्ष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश राजद के सचिव जय प्रकाश यादव ने कहा कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को राजद का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उनका झारखंड में पहला आगमन 5 अप्रैल को होने जा रहा है। इस अवसर पर रांची के धुर्वा स्थित सेलिब्रेशन हॉल में एक विशाल जनसभा का आयोजन

किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर पूरे राज्य के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि धनबाद जिला कमेटी, प्रखंड कमेटी, पंचायत अध्यक्ष एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के करीब 1200 कार्यकर्ता एक साथ रांची जाकर कार्यक्रम में भाग लेंगे।

बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की. बैठक में मुख्य रूप से यादव महासभा के रिंक यादव प्रदेश के नेता विक्रमाद सिंह यादव,रामू गुरु शर्मा,पिछला प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष विनोद यादव, राधेश्याम यादव, पन्ना लाल यादव ,बबलू यादव एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व रिकॉर्ड की दहलीज पर सुपर गोनू

निर्माता सचिन साहू ने रचा इतिहास, एआई तकनीक और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंबई। भारतीय फिल्म जगत और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। युनिक प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले, लेखक-निर्माता - निर्देशक और अभिनेता सचिन साहू अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म ₹सुपर गोनू₹ के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर हैं।

इस फिल्म की सबसे बड़ी विशेषता अभिनेता सचिन साहू द्वारा निभाए गए पांच चुनौतीपूर्ण किरदार हैं। उन्होंने एक ही फिल्म में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों के किरदारों के साथ-साथ 'सुपर गोनू' नामक एक सुपरहीरो की भूमिका भी निभाई है। यह प्रयास न केवल अभिनय की दृष्टि से अद्वितीय है, बल्कि आधुनिक एआई तकनीक का उपयोग करने वाली यह दुनिया की अपनी तरह की पहली फिल्म होने का दावा करती है। मुख्य विशेषताएं:- धार्मिक एकता का संदेशः फिल्म के माध्यम से 'सर्वधर्म सम्भाव' और वैश्विक शांति का संदेश दिया गया है। अत्याधुनिक तकनीकः फिल्म में गूगल के नवीनतम एआई मॉडल्स का उपयोग दृश्यों और प्रभाव को बेहतर बनाने के लिए किया गया है।विश्व रिकॉर्ड का दावाः निमार्ता सचिन साहू ने इस अनूठे प्रयोग के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना दावा पेश किया है।इस अवसर पर सचिन साहू ने कहा, ₹सुपर गोनू केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो तकनीक के माध्यम से मानवता और भाईचारे को जोड़ता है। हमने वह कर दिखाया है जो अब तक हॉलीवुड या बॉलीवुड में किसी ने नहीं किया। यह भारत के लिए गर्व का क्षण होगा।फिल्म में दिग्गज अभिनेता रजा मुराद जैसे कलाकारों की अभिनयकरते नजर आयेगे सचिन साहू के साथ जो इस प्रोजेक्ट की भव्यता को और बढ़ाती है। युनिक प्रोडक्शन हाउस अब इस फिल्म को वैश्विक स्तर पर रिलीज करने की तैयारी कर रहा है।

चालू होगी दरभंगा की चीनी मिल

पटना। दरभंगा जिला स्थित रैयाम सहकारी चीनी मिल को शुरू किए जाने को ले सहकारिता विभाग ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार किए जाने का कायार्देश जारी किया है। सात निश्चय-3 के समृद्ध उद्योग सशक्त बिहार के तहत सहकारी चीन मिल की स्थापना की जानी है। राज्य सरकार के सहकारिता विभाग एवं राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ लिमिटेड, नई दिल्ली के बीच 23 फरवरी 2026 को समझौता ज्ञापन के आलोक में राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ लिमिटेड ने रैयाम चीनी मिल की स्थापना हेतु संभाव्यता प्रतिवेदन तैयार कर सहकारिता विभाग को समर्पित किया गया।

रांची-लोहरदगा रेलखंड पर कई ट्रेनों के बढ़ेंगे फेरे

यात्रियों की बढ़ती संख्या को लेकर लिया गया निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची रेल मंडल ने रांची-लोहरदगा रेलखंड पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक और मेमू पैसेंजर ट्रेन चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद इस रूट पर ट्रेनों का पांचवां फेरा शुरू हो जाएगा। रांची-लोहरदगा रेलखंड पर प्रतिदिन लगभग 12 से 13 हजार यात्री आवागमन करते हैं।

वर्तमान में इस रूट पर तीन मेमू ट्रेनें सीधे लोहरदगा तक चलती हैं, जबकि एक ट्रेन टोरी तक जाती है। हर मेमू में 12 कोच होते हैं, लेकिन यात्रियों की अधिक संख्या के कारण अधिकांश ट्रेनों में भीड़ बनी रहती है। कई यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ता है और कई को

सीट तक नहीं मिल पाती।

रेल मंडल ने अतिरिक्त ट्रेन चलाने के लिए पहले से तैयारी कर रखी है। मेमू रैक की उपलब्धता सुनिश्चित करने की योजना बनाई गई है, ताकि स्वीकृति मिलते ही संचालन शुरू किया जा सके। यात्रियों की सुविधा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए टिकट जांच को भी सख्त किया जाएगा। टीटीई और आरपीएफ की टीमों को निर्देश दिए जाएंगे कि बिना टिकट यात्रा करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करें, जिससे नियमित यात्रियों को परेशानी न हो।

बिजली की चिंगारी ने जलायी 35 बीघे में लगी फसल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। थाना क्षेत्र के मोख्तियारपुर और बनवारीपुर पंचायत के बीच स्थित भावा बहियार में गुरुवार दोपहर अचानक लगी आग ने किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया। बताया जाता है कि बदिया विशनपुर के पास स्थित ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी ने सूखी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवा के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चिंगारी गिरते ही आग तेजी से फैलने लगी और कुछ ही देर में दूर-दूर तक खड़ी फसल जलने लगी। करीब 20 बीघा तैयार गेहूं की फसल पूरी तरह राख हो गई, जबकि स्थानीय लोगों के मुताबिक कुल 30 से 35 बीघा क्षेत्र प्रभावित हुआ है।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों के लोग बाल्टी, पंपसेट और अन्य संसाधनों के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने सामूहिक प्रयास से करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उनका कहना है कि यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती, तो नुकसान और अधिक बढ़ सकता था। घटना के बाद खेतों में जली फसल और राख का मंजर देख किसान काफी दुखी नजर आए। कई किसान रोते हुए दिखे, क्योंकि इसी फसल पर उनकी सालभर की आजीविका निर्भर थी।

मौके पर पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने बताया कि इस अग्निकांड से कई गांवों के किसान प्रभावित हुए हैं, जिनमें ठीका-बटैया पर खेती करने वाले किसान भी शामिल हैं। प्रशासन से पीड़ित किसानों को जल्द मुआवजा देने और जर्जर ट्रांसफार्मरों की मरम्मत कराने की मांग की गई है।

जिन किसानों की फसल जली, उनमें दरोगी चौरसिया की 10 कट्ठा, निरंजन चौरसिया की 11 कट्ठा, राम टहल चौरसिया छह कट्ठा, रामकरण चौरसिया के चौरसिया दो कट्ठा, रमेश चौरसिया के 11 कट्ठा, रामलाल चौरसिया के छह कट्ठा सहित ऐसे दर्जनों किसान शामिल हैं।

नहाने गयी विक्षिप्त महिला से सामूहिक दुष्कर्म

एक आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरवाअड्डा । बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के जयनगर पंचायत अंतर्गत चरकपत्थर गांव में 30 वर्षीय बोलने में असमर्थ महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पीड़िता के पिता ने थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि सुबह उनकी बेटी नहाने के लिए तालाब गई थी। इसी दौरान कीर्तन तुरी नामक व्यक्ति उसे जबरन झाड़ियों में ले गया और दुष्कर्म करने लगा।

आरोप है कि इस घटना में 24 वर्षीय आशीष मोदी तथा यादवपुर निवासी 24 वर्षीय संतोष कर्मकार भी शामिल थे। शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिन्हें देख आरोपी भागने लगे। हालांकि ग्रामीणों ने कीर्तन तुरी को पकड़कर पुलिस के

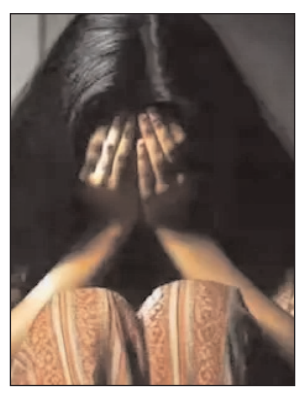

हवाले कर दिया, जबकि अन्य आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा है। गिरफ्तार आरोपी कीर्तन तुरी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पीड़िता के पिता ने सभी आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

आवास योजना में गड़बड़ी का आरोप

जहानाबाद। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अरवल जिले में 11,672 लोगों का चयन किया गया। इनमें से 11,671 लाभुकों को आवास निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है।

11,003 लोगों को पहली किस्त की राशि दी गई। वहीं 7,753 को दूसरी और 3,689 को तीसरी किस्त भी मिल चुकी है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में मकान अधूरे पड़े हैं।

योजना की जमीनी हकीकत सवालों के घेरे में है।

दो साल के अंदर महज 2,512 लाभुक ही अपना घर पूरा कर पाए हैं। करीब 9,160 आवास अभी भी अधूरे हैं। इसका मतलब है कि अधिकांश लोगों ने निर्माण कार्य पूरा नहीं किया।

पूरा पैसा मिलने के बावजूद काम अधूरा रहना चिंताजनक है। प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल उठने लगे हैं। लाभुकों की जिम्मेदारी और जवाबदेही पर चर्चा तेज है।

जिले में योजना की प्रगति बेहद धीमी रही है। दो साल में केवल 21.52 प्रतिशत आवास ही बन पाए हैं। यह आंकड़ा सरकारी दावों की पोल खोलता है।

जिले में जनगणना की तैयारी लगभग पूर्ण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। जिले में जनगणना को ले मास्टर प्रशिक्षक लगातार फील्ड ट्रेनर को प्रशिक्षित कर रहे हैं। इसके बाद फील्ड ट्रेनर ट्रेनिंग लेने के बाद अपने चार्जों में पर्यवेक्षकों तथा प्रगणक को प्रशिक्षित करेंगे। यह जानकारी गुरुवार को जिला सांख्यिकी पदाधिकारी सह अपर जिला जनगणना पदाधिकारी नवल किशोर रजक ने दी।

उन्होंने बताया कि वैसे तो अभी जनगणना 2027 के लिए प्रशिक्षण का सिलसिला लगातार चल रहा है।

जब पर्यवेक्षक तथा प्रगणक का प्रशिक्षण पूरा हो जाएगा तो वे आगामी 2 से 31 मई तक जिले के सभी घरों में स्वतः जाकर 34 प्वाइंट जो जनगणना के लिए निर्धारित किए गए हैं उसके संबंध में जानकारी एकत्रित करेंगे। लेकिन उसके पहले पहली बार 17 अप्रैल से एक मई के बीच स्व गणना एक विशेष पोर्टल (सीएमएमएस) द्वारा कोई भी आम नागरिक अपने परिवार का संपूर्ण ब्योरा के अतिरिक्त जो अधिसूचित प्रश्न है जैसे मकान निर्माण में उपयोग किए गए सामग्री, मकान का उपयोग परिवार के कितने सदस्य कर रहे, परिवार के मुखिया का नाम, लिंग, उपयोग किए जाने वाले साधन, प्रकाश व ईधन में उपयोग किए जाने वाले लकड़ी,कोयला व एलपीजी आदि की जानकारी देनी होगी।

वहीं घर में शौचालय है कि नहीं, पानी कैसे उपलब्ध होता है। नाबदान का पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज है कि नहीं, परिवार में साइकिल, मोटरसाइकिल, कार, जीप, टेलिविजन, कंप्यूटर तथा मोबाइल आदि के अलावा मुख्य अनाज जिसको भोजन के रूप में उपयोग करते हैं उसके बारे में जानकारी देनी होगी।

बिना आपूर्ति किये ही भेंडरों को हुआ भुगतान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। जिले में मार्च लूट का एक दिलचस्प मामला सामने आया है। सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों को पोशाक मिले नहीं और राशि का भुगतान विभिन्न वेंडरों के खातों में कर दिया गया है।

प्राथमिक विद्यालयों में पहली और दूसरी के बच्चों की संख्या 32,427 है। इनमें से पिछले आठ-दस दिनों में वेंडरों ने करीब दस हजार बच्चों को पोशाक उपलब्ध कराया। शेष करीब 22 हजार बच्चे पोशाक से वंचित रह गए। पोशाक मद की राशि लैप्स नहीं हो जाए, इसके लिए लूट की योजना बनाई गई। चूंकि योजना मद की राशि दस-बारह दिन पूर्व आई थी। ऐसे में 31 मार्च से पूर्व खर्च करना था।

झारखंड शिक्षा परियोजना ने राशि का उपावंटन प्रखंड संसाधन केंद्रों को कर दिया था। अंतिम समय में सभी बच्चों को पोशाक उपलब्ध कराना संभव नहीं था। ऐसे आठ-दस दिनों में दस हजार बच्चों को ही पोशाक मिले सका। इस प्रकार करीब 22 हजार पोशाक की राशि प्रखंड संसाधन केंद्रों ने पोशाक के लिए चिन्हित वेंडरों के खातों में ट्रांसफर कर दिया।

समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रत्येक छात्र के लिए 600 रुपये निर्धारित हैं। इस आधार पर पोशाक मद में 1,94,56,200 रुपये का बजट था। 31 मार्च से पहले राशि खर्च दिखाने के दबाव में 30 मार्च की रात ही जल्दबाजी में पूरी योजना को अमलीजामा पहनाया गया।

प्रखंड संसाधन केंद्रों द्वारा चिन्हित वेंडरों के खातों में सीधे भुगतान कर दिया गया, जबकि वास्तविक वितरण अधूरा ही रह गया। योजना की राशि करीब 10-12 दिन पहले ही जारी हुई थी, जिससे समय की कमी का हवाला दिया जा रहा है।

लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि जब सभी बच्चों को पोशाक उपलब्ध कराना संभव नहीं था, तो फिर बिना वितरण के भुगतान कैसे कर दिया गया। यह पूरे मामले को संदेहास्पद बनाता है और संभावित घोटाले की ओर संकेत करता है।

इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधीक्षक की भूमिका भी कटघरे में है। सूत्रों का कहना है कि पोशाक मामले में कमीशन का बड़ा खेल होता है। एक बच्चे की पोशाक के लिए सरकार छह सौ रुपये की राशि देती है। उस राशि में 180 रुपये कमीशन की भेंट चढ़ जाती है। कमीशन की राशि स्कूल से लेकर जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय तक पहुंचती है। संबंधित वेंडर कमीशन की राशि उपलब्ध कराते हैं।

बेटे की सलामती की चाह में मां ने ही दी थी बेटी की बलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। विष्णुगढ़ के कुसुंभा गांव में 13 वर्षीय मासूम बच्ची की हत्या का खुलासा ऐसा है, जिसने पूरे जिले को झकझोर दिया है। जिस मां ने बेटी को जन्म दिया, उसी ने अपने बेटे की सलामती और पारिवारिक संकट दूर करने की चाह में बेटी की बलि दे दी।

देर रात पुलिस ने मीडिया के सामने वारदात का खुलासा किया। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतका की मां रशेमी देवी ने गांव की कथित भगतिन शांति देवी और अपने प्रेमी भीम राम के साथ मिलकर यह पूरी साजिश रची।

25 मार्च की सुबह गांव के मिडिल स्कूल के पीछे बांस झाड़ी में बच्ची का शव मिलने के बाद पूरे इलाके में दुष्कर्म और निर्मम हत्या की आशंका से भारी आक्रोश फैल गया था। शव की स्थिति देखकर गांव में तरह-तरह की चचार्एं शुरू हो गई थीं।

लेकिन छह दिनों तक चली एसआईटी जांच ने घटना की भयावह सच्चाई सामने ला दी। संयुक्त प्रेस वार्ता में अंजनी झा, शशि प्रकाश सिंह और अंजनी अंजन ने बताया कि हत्या किसी बाहरी अपराधी ने नहीं, बल्कि परिवार के भीतर रची गई थी।

इससे पहले डीजीपी तदाशा मिश्रा स्वयं हजारीबाग पहुंच कर मामले की समीक्षा कर चुकी थीं। भाजपा सहित पूरा विपक्ष इस मामले पर आंदोलनरत था। जांच में सामने आया कि रशेमी देवी अपने बेटे सुधीर कुमार सिंह की शारीरिक और मानसिक परेशानी को लेकर लंबे समय से चिंतित थी।

बेटे की तबीयत और पारिवारिक विवादों को लेकर वह पिछले एक वर्ष से गांव की कथित भगतिन शांति देवी के संपर्क में थी। भगतिन ने उसे विश्वास दिलाया कि परिवार की समस्याएं तभी दूर होंगी जब किसी कुंवारी लड़की की बलि दी जाएगी। यहीं से मां के भीतर अंधविश्वास का ऐसा बीज पड़ा कि उसने अपनी ही बेटी को बलि के लिए चुन लिया। पुलिस के अनुसार भगतिन ने उसे यह भी समझाया कि उसकी छोटी बेटी पर देवी सवार है और उसी की

बलि सबसे प्रभावी होगी।

जांच का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रशेमी देवी और भीम राम के बीच करीब दस वर्षों से चले आ रहे अवैध संबंध हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार पति विनोद सिंह के मुंबई में रहने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं।

गांव में इसकी चर्चा पहले से थी। यही संबंध धीरे-धीरे हत्या की साजिश का हिस्सा बन गया। 24 मार्च की रात रामनवमी अष्टमी के अवसर पर रशेमी देवी अपने बच्चों के साथ मंगला जुलूस में शामिल हुई।

रात लगभग साढ़े नौ बजे वह अपनी बेटी को लेकर भीम राम के साथ शांति देवी के घर पहुंची। वहां मनसा मंदिर में पूजा शुरू हुई। बच्ची के माथे पर सिंदूर लगाया गया, आंखों में काजल लगाया गया और इलायची प्रसाद के रूप में खिलाई गई।

इसके बाद तीनों बच्ची को गांव की बांसबाड़ी में ले गए, जहां पहले से सफेद प्लास्टिक बिछाया गया था। पुलिस के अनुसार भगतिन ने मंत्र पढ़ते हुए कहा कि देवता को कुंवारी लड़की का रक्त चाहिए।

इसी दौरान भीम राम ने बच्ची का गला दबाया और जब वह छटपटाने लगी तो मां ने उसके दोनों पैर पकड़ लिए। हत्या के बाद भी मासूम से क्रूरता जारी रही। पुलिस के अनुसार घटना को दुष्कर्म जैसा दिखाने के लिए बांस की कॉइलिंग स्टिक का इस्तेमाल किया गया।

बाद में पत्थर से सिर पर वार कर रक्त निकाला गया और उसी रक्त से कथित तांत्रिक अनुष्ठान किया गया। शव को बाद में स्कूल के पीछे फेंक दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई। मौत का कारण दम घुटना बताया गया।

मामले में गिरफ्तार 45 वर्षीय भीम राम, 35 वर्षीय रशेमी देवी और 55 वर्षीय शांति देवी पर बीएनएस की धारा 103(1), 65(2) और पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि अंधविश्वास, अवैध संबंध और मां के मातृत्व के पतन की ऐसी कहानी बन गई है, जिसने पूरे समाज को भीतर तक झकझोर दिया है। भीम राम भाजपा का कार्यकर्ता बताया जाता है। हालांकि की भाजपा जिला कमेटी ने इससे इनकार किया है। झामुमो की ओर से आरोपी को भाजपा पंचायत प्रकोष्ठ से जुड़ा बताया जा रहा है।

ठेके के विवाद में दो पक्षों में चली गोलियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत चौसा के बनारपुर में हुई अंधाधुंध फायरिंग मामले में देर रात पुलिस ने बनारपुर के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार की सुबह से ही समर्थकों ने बनारपुर के पास सड़क जाम कर दिया। करीब दो घंटे से सड़क जाम की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची जाम को हटाने के प्रयासों में लगी है। हालांकि, खबर लिखने तक सड़क जाम हटाया नहीं जा सका था।

गिरफ्तारी की पुष्टि करते सदर एसडीपीओ गौरव पांडेय ने बताया कि बुधवार को एक पक्ष के मनोरंजन पांडेय और दूसरे पक्ष के आनन्द राय ने एक दूसरे पर गोलीबारी का आरोप लगाते प्राथमिकी कराई थी।

प्राथमिकी के बाद बुधवार की रात गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी की गई और मनोरंजन पांडेय के गुट के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, दूसरे पक्ष से अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

इधर गिरफ्तारी की सुबह सूचना फैलते ही समर्थकों ने बनारपुर के पास बांस बल्ला की मदद से सड़क जाम कर दिया। हालांकि सड़क जाम करने वाले वहां मौजूद न होकर इधर उधर टहल रहे हैं।

करीब दो घण्टे से चल रहे सड़क जाम की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंचकर जाम को हटाने के प्रयास में लगी है, पर सुबह 9:44 बजे तक सफलता नहीं मिली थी। एसडीपीओ ने बताया कि सड़क जाम करनेवालों को चिन्हित किया जा रहा है, सभी के विरुद्ध प्राथमिकी करते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

बताते चलें कि ताप विद्युत घर में ठीकेदारी के विवाद में मंगलवार की दोपहर शक्ति प्रदर्शन करते हुए अंधाधुंध फायरिंग की गई थी।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में

साउथ अफ्रीकी एस्टरहुइजन 39वें स्थान पर; ऑलराउंडर में हार्दिक टॉप-2

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 200 रन बनाने वाले साउथ अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइजन 64 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स रैंकिंग में हार्दिक पंड्या नंबर-2 पर बने हुए हैं।

अभिषेक टॉप पर काबिज

टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा 875 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। दूसरे नंबर पर भी भारत के ईशान किशन हैं। टॉप-10 में भारत के कुल 4 बल्लेबाज शामिल हैं। इसमें तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव भी जगह बनाने में सफल रहे हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे नंबर पर हैं, जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट चौथे स्थान पर हैं।
ऑलराउंडर में सिकंदर रजा पहले पायदान पर
ऑलराउंडर रैंकिंग में जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा 328 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। भारत के हार्दिक पंड्या 299 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सैम अयूब तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी चौथे नंबर पर हैं।

गेंदबाजी में राशिद नंबर-1

गेंदबाजों की रैंकिंग में अफगानिस्तान के राशिद खान 753 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती दूसरे और पाकिस्तान के अबरार अहमद तीसरे स्थान पर हैं। टॉप-10 में भारत के जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं।

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- प्रज्ञानानंदा ने चौथा राउंड ड्रॉ खेला

विमेंस कैटगरी में दिव्या हारीं, पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे 8वें नंबर पर पहुंचीं

पाफोस (एजेंसी)। साइप्रस के पाफोस में चल रहे स्न्ढ्ढष्ठश्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने चौथे राउंड में जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। चौथे राउंड में दो मुकाबले ड्रॉ रहे और दो के रिजल्ट निकले। विमेंस में वैशाली रमेशबाबू ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिव्या देशमुख को चीन की झू जिनेर के खिलाफ हार मिली।

प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर

चौथे राउंड के बाद ओपन कैटेगरी में उज्बेक के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव 3.5 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना दूसरे, अनीश गिरी तीसरे और आर प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर हैं। विमेंस कैटेगरी में चौथे राउंड के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली छठे और दिव्या सबसे नीचे 8वें नंबर पर हैं। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ ड्रॉ खेला। गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी।

न्यूजीलैंड का विमेंस वनडे में सबसे बड़ा रनचेज

भारत का रिकॉर्ड तोड़ा, केर ने 179 रन बनाए

वेलिंग्टन (एजेंसी)न्यूजीलैंड ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा रनचेज कर लिया। टीम ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 विकेट से जीत हासिल की। अमेलिया केर की नाबाद 179 रन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 348 रन का लक्ष्य 49.4 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया और सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। वेलिंग्टन में बुधवार को न्यूजीलैंड ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में इंडियन विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट खोकर 341 रन का टारगेट हासिल किया था।

इसाबेला की पारी ने मैच पलटा

348 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सूजी बेट्स जल्दी आउट हो गईं। इसके बाद अमेलिया केर ने पारी संभाली और जॉर्जिया प्लिमर के साथ 52 रन की साझेदारी की। मिडिल ओवर्स में टीम का स्कोर 130/4 हो गया था और मैच साउथ अफ्रीका की पकड़ में दिख रहा था। तभी केर को इसाबेला गेज का साथ मिला, जिन्होंने 48 गेंद में 68 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। दोनों के बीच 120 रन की तेज साझेदारी हुई।

साउथ अफ्रीका ने 346 रन बनाए थे

इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 346/6 रन बनाए थे। लौरा वोलवार्ट और एनेके बोश ने दूसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंत में क्लो ट्रायन ने 25 गेंद में नाबाद 52 रन बनाकर स्कोर 347 तक पहुंचाया।

केर ने 23 चौके लगाए

अमेलिया केर ने 139 गेंद में नाबाद 179 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने पहले पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आखिर में केर ने ही चौका लगाकर मैच खत्म किया और टीम को यादगार जीत दिलाई।

आज पंजाब के खिलाफ लय हासिल करने उतरेगा सीएसके

घरेलू मैदान पर जीत की तलाश

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2026 में अपने दूसरे मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत दर्ज कर लय हासिल करने के इरादे से उतरेगा। यह मैच चेन्नई के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा, जहां सीएसके का रिकॉर्ड हमेशा मजबूत रहा है। टीम पहले मैच की हार को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स का आत्मविश्वास ऊंचा

पंजाब किंग्स ने अपने पहले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर पर अहम पारी खेलकर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। वहीं युजवेंद्र चहल ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए बीच के ओवरों में विकेट चटकाए।

मजबूत गेंदबाजी बनी पीबीकेएस की ताकत

पंजाब की गेंदबाजी यूनिट संतुलित नजर आ रही है। चहल के साथ तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाक ने भी अच्छा सहयोग दिया। टीम इस लय को बरकरार रखते हुए सीएसके के खिलाफ भी दबदबा बनाना चाहेगी।

- **पहले मैच में निराशाजनक प्रदर्शन**- राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में सीएसके का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। युवा खिलाड़ियों से सजी टीम किसी भी विभाग में प्रभाव नहीं छोड़ पाई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। अब टीम उस हार से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी।
- **धोनी की मौजूदगी से मिलेगा सहारा**- टीम के अनुभवी खिलाड़ी एमएस धोनी पहले मैच में पिंडली की चोट के कारण टीम के साथ नहीं थे। हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में उनके डगआउट में रहने की संभावना है, जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को रणनीतिक मदद मिल सकती है।
- **बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत**- सीएसके के बल्लेबाज पहले मैच में पूरी तरह फ्लॉप रहे थे। संजू सैमसन अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए और वह इस मुकाबले में वापसी करना चाहेंगे। सरफराज खान को इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर मौका मिला, लेकिन वह इसे भुना नहीं सके।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा

आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।
आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।
इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का

परिचय दिया।
दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

विलियम्स ने टीम इंडिया के लिए छोड़ी ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता

कोच्चि (एजेंसी) भारतीय फुटबॉल के लिए एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर का हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ मैच एक खास पल का गवाह बना। भारत ने मैच 2-1 से जीतकर टूर्नामेंट में अपना सफर खत्म किया। यह भारत की प्रतियोगिता में पहली और कोच्चि के मैदान पर भी पहली जीत रही। भारत की ओर से रयान विलियम्स (4') और आकाश मिश्रा (50') ने गोल किए।

ऑस्ट्रेलियाई मूल के 32 वर्षीय रयान इस मैच में भारत के लिए डेब्यू कर रहे थे। 2014 में अराता इजुमी के बाद वह भारत के लिए खेलने वाले पहले विदेशी मूल के खिलाड़ी बने। रयान का पोर्ट्समाउथ और फुलहम जैसे इंग्लिश क्लबों से होते हुए कोच्चि तक का सफर अपनी जड़ों की ओर लौटने की कहानी है। रयान का जन्म ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में हुआ था और 2019 में वह ऑस्ट्रेलिया के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके थे। भारत से उनका नाता उनकी मां ऑड्रे से जुड़ता है, जो मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) के एक एंग्लो-इंडियन परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

7 महीने से टीम से बाहर थे, बोर्ड ने कॉन्ट्रैक्टरिन्यू नहीं किया

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज रासी डुसेन ने संन्यास लिया

केपटाउन (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के दिग्गज मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने साल 2026-27 के सीजन के लिए उनके सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू नहीं किया गया था, जिसके बाद 37 साल के खिलाड़ी ने यह फैसला लिया। डुसेन पिछले 7 महीनों से नेशनल टीम का हिस्सा नहीं थे और उन्होंने अपना आखिरी मैच अगस्त 2025 में खेला था।

उन्होंने गुरुवार सुबह इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके यह जानकारी दी। घरेलू टीम लायंस के लिए वे खेलते रहेंगे, फ्रैंचाइजी क्रिकेट में भी हिस्सा लेंगे। डुसेन ने लिखा,भारी मन के साथ मैं इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। प्रोटियाज की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।

वनडे में डिविलियर्स के बाद सबसे शानदार औसत

रासी वैन डर डुसेन का वनडे करियर बेहद प्रभावी रहा। उन्होंने 71 वनडे मैचों में करीब 52 की औसत से रन बनाए, जो साउथ अफ्रीका के इतिहास में महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ औसत है।

उन्होंने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक जड़े। खास बात यह रही कि 2019 में अपने डेब्यू के बाद शुरुआती 9 मैचों में ही उन्होंने 5 फिफ्टी लगाकर अपनी जगह पक्की कर ली थी।

- **डिविलियर्स की वापसी पर खुलकर रखी थी राय**- 2019 वर्ल्ड कप के दौरान जब एबी डिविलियर्स ने संन्यास से वापसी की पेशकश की थी, तब डुसेन ने इस मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखी थी। उन्होंने स्वीकार किया था कि अगर डिविलियर्स वापस आते, तो इसका सीधा असर उनके चयन पर पड़ता। उस खराब वर्ल्ड कप अभियान में भी डुसेन साउथ अफ्रीका के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। इसके बाद 2023 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भी वे टीम के टॉप स्कोरर में शामिल रहे।
- **टेस्ट में नहीं लगा सके एक भी शतक**- जहां व्हाइट बॉल क्रिकेट (वनडे और टी-20) में डुसेन का दबदबा रहा, वहीं टेस्ट क्रिकेट में उनकी कहानी कुछ अधूरी सी रही। उन्होंने 18 टेस्ट मैचों में 6 अर्धशतक लगाए और एक बार 98 रन पर आउट होकर शतक से चूक गए। 2021-22 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्हें टेस्ट टीम से ड्रॉप कर दिया गया था और उसके बाद उन्होंने कोई फर्स्ट क्लास मैच भी नहीं खेला।
- **अब मेंटर की भूमिका में नजर आएंगे डुसेन**- संन्यास के बाद डुसेन अपनी घरेलू टीम लायंस के लिए खेलना जारी रखेंगे और दुनिया भर की टी-20 लीग्स (जैसे एसए20 में एमआई केप टाउन) में सक्रिय रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब उनका लक्ष्य अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को सिखाना और उन्हें मेंटर करना है।

रिजवी ने सिक्स लगाकर मैच जिताया, पंत रनआउट हुए, एसएसजी-डीसी मैच में बने यहरिकार्ड्स

शमी ने 5वीं बार पहली बॉल पर विकेट लिया

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के पांचवें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में मोहम्मद शमी ने 5वीं बार पहली बॉल पर विकेट लिया। चेज के दौरान रिजवी ने सिक्स लगाकर मैच फिनिश किया। ऋषभ पंत का नॉन-स्ट्राइक एंड पर रनआउट होना अहम मोमेंट रहा।

लखनऊ का पहली पारी में लोएस्ट स्कोर- लखनऊ ने पहली पारी में अपना अब तक का सबसे कम स्कोर बनाया। टीम ने दिल्ली के खिलाफ 141 रन बनाए। इससे पहले यह रिकॉर्ड 153/8 का था, जो उन्होंने 2022 में पंजाब के खिलाफ पुणे में बनाया था।

शमी ने 5वीं बार पहली बॉल पर विकेट लिया- मोहम्मद शमी ने 5वीं बार अपनी पहली बॉल पर विकेट लिया। प्रवीण कुमार-उमेश यादव जैसे बॉलर्स ने 3-3 बार यह कारनामा किया है। खास बात यह है कि शमी ने दो अलग-अलग टीमों के डेब्यू की पहली बॉल पर विकेट लिया।2022 में गुजरात टाइटंस के लिए डेब्यू करते हुए उन्होंने केएल राहुल को पहली ही गेंद पर पर आउट किया था, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए डेब्यू करते हुए भी उन्होंने केएल राहुल को पहली गेंद पर गोल्डन डक पर पवेलियन भेजा।

दो प्लेयर्स ने डेब्यू किया

मैच में 2 प्लेयर्स ने आईपीएल डेब्यू किया। दिल्ली ने श्रीलंका के ओपनर पाथुम निसांका को डेब्यू कैप सौंपी। वहीं लखनऊ के लिए अनकैप्ड भारतीय मुकुल चौधरी ने पहला आईपीएल मैच खेला।

मुकुल ने अपनी पहली दोनों बॉल पर चौका लगाया

10वें ओवर में मुकुल चौधरी ने लगातार दो चौके लगाकर आईपीएल में खाता खोला। कुलदीप यादव की गेंद पर मुकुल ने स्वीप शॉट खेला और गेंद फाइन लेग की दिशा में भेज दी। अगली गेंद पर भी मुकुल के बैट का किनारा लेकर बॉल बाउंड्री की तरफ निकल गई।

मोहसिन ने विकेट मेडेन ओवर फेंका

तीसरे ओवर में मोहसिन खान ने विकेट लेकर कोई रन नहीं दिया। उन्होंने तीसरी गेंद पर नीतीश राणा को अब्दुल समद के हाथों कैच कराया। इसके बाद इम्पैक्ट सब के तौर पर समीर रिजवी आए। मोहसिन ने बाहर की ऑफ स्टंप लाइन रखकर रिजवी को डिफेंस करने पर मजबूर कर दिया।

रिजवी की चौके से फिफ्टी

13.5 ओवर में समीर रिजवी ने चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मार्करम की शॉर्ट गेंद ऑफ स्टंप के बाहर थी, रिज़वी ने बैकफुट पर जाकर पॉइंट के पीछे कट शॉट खेला। बॉल बाउंड्री के बाहर चौके के लिए चली गई।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में प्रीमियम पेट्रोल-डीजल फिर महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में युद्ध तथा होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से पेट्रोल

पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित होने के बीच एक बार फिर प्रीमियम पेट्रोल व डीजल के मूल्य में बढ़ोत्तरी हुई है। एक्सपी 100 पेट्रोल की दर में 11 रुपये तथा एक्स्ट्रा ग्रीन डीजल में डेढ़ रुपये प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी हुई है। इसके पूर्व भी प्रीमियम पेट्रोल की दरें बढ़ी थी। अब इस बढ़ोत्तरी से 100 आक्टेन पेट्रोल (एक्सपी 100 पेट्रोल) की दिल्ली में कीमत 149 रुपये से बढ़कर 160 रुपये प्रति लीटर हो गई है। प्रीमियम डीजल 'एक्स्ट्रा ग्रीन'' के दाम 91.49 रुपये से बढ़कर 92.99 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। ये दरें आइओसीएल के आउटलेट्स पर लागू हैं। तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और रुपये की विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को देखते हुए यह फैसला लिया है। कुछ दिन पूर्व भी प्रीमियम पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी। उस समय प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 2 से 2.30 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि हुई थी। जबकि, औद्योगिक डीजल में भी अब तक 22 रुपये की बढ़ोत्तरी हो चुकी है। वैसे, इस बढ़ोत्तरी से अब तक सामान्य पेट्रोल व डीजल अनछूए हैं, लेकिन उसने बाजार की चिंता बढ़ा रही है।आशंका, सामान्य पेट्रोल डीजल के दाम में बढ़ोतरी को लेकर है। जिससे बाजार, ट्रांसपोर्टर, उद्योग सभी चिंतित हैं।

दिल्ली के मिरांडा हाउस की लैब में विकसित हो रही नई पीढ़ी की वैक्सीन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के खिलाफ जंग को मजबूत करने की दिशा में मिरांडा हाउस की एक लैब से उम्मीद की नई किरण सामने आई है। यहां वैज्ञानिकों की टीम न सिर्फ टीबी की नई पीढ़ी की वैक्सीन विकसित कर रही है, बल्कि ऐसी सरल जांच तकनीक पर भी काम कर रही है जिससे बीमारी का शुरुआती चरण में ही सटीक पता लगाया जा सके। दिल्ली विश्वविद्यालय के इस प्रतिष्ठित संस्थान के जूलॉजी विभाग स्थित डीएस कोठारी सेंटर बायोडिस्कवरी लैबोरेटरी में प्रोफेसर साधना शर्मा और प्रोफेसर मोनिका शर्मा के नेतृत्व में शोधकर्ता लंबे समय से इस दिशा में काम कर रहे हैं। उनका उद्देश्य टीबी जैसी गंभीर और संक्रामक बीमारी को नियंत्रित करने के लिए अधिक प्रभावी और व्यावहारिक समाधान विकसित करना है। दोनों प्रोफेसर पिछले 20 वर्षों से इस विषय पर शोध कर रही है। टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस

बैक्टीरिया के कारण होती है, मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है लेकिन शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल सकती है। वैश्विक स्तर पर यह बीमारी आज भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। दवाओं के प्रति बढ़ता प्रतिरोध (ड्रग रेसिस्टेंस) स्थिति को और गंभीर बना रहा है। वर्तमान में उपलब्ध बीसीजी वैक्सीन बच्चों में कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन वयस्कों में इसकी प्रभावशीलता सीमित है। इसी कमी को दूर करने के लिए वैज्ञानिक 'सबयूनिट वैक्सीन' विकसित कर रहे हैं। यह वैक्सीन टीबी बैक्टीरिया के डार्मेंसी प्रोटीन (डीओएसआर वीसी1 और डीओएसआर वीसी2) पर आधारित है, जो बैक्टीरिया की निष्क्रिय अवस्था में सक्रिय रहते हैं। शुरुआती परीक्षणों में यह वैक्सीन चूहों पर प्रभावी साबित हुई है। जिन चूहों को यह वैक्सीन दी गई।

चांदनी चौक टाउन हॉल बनेगा दिल्ली का नया पर्यटन केंद्र, 36 माह में होगा कायाकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। 160 साल पुराने चांदनी चौक स्थित टाउन हाल के सुधार और इसे पर्यटन केंद्र में विकसित करने के लिए फिर नई योजना सामने आई है। इस बार दिल्ली सरकार और नगर निगम इसे सुधाकर पर्यटन केंद्र के तौर पर विकसित करेंगे। साथ ही इसे अपनी आय का साधन भी बनाएंगे। इसको लेकर दिल्ली सरकार और नगर निगम में ही उच्चस्तरीय बैठक में सैद्धांतिक सहमति बन गई है। अब लिखित सहमति के लिए प्रस्ताव आने वाले दिनों में स्थायी समिति की बैठक में आएगा। प्रस्ताव के तहत टाउन हाल का सुधार चरणबद्ध तरीके से होगा। साथ ही इसे पर्यटन हब बनाने के लिए पूरी कार्ययोजना 36 माह की होगी। प्रस्ताव के अनुसार सुधार का कार्य चार चरण में 36 माह में होगा। इसमें इसमें संरक्षण की योजना बनाना, मरम्मत व सुंदरीकरण का कार्य, अंदर का काम (फिट-आउट) और इसे चालू करने का कार्य शामिल है। निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहला चरण (1-8 माह) का होगा। इसमें संरचना और संरक्षण का आकलन करने, सलाह-मशविरा करने और तीन-पक्षीय समझौते के लिए होगा। दूसरे चरण में (9-20 माह) का समय निर्धारित होगा। इसमें संरक्षण प्रबंधन योजना और वित्तीय माडल को लागू करना का

कार्य शामिल होगा। जबकि तीसरे चरण के तहत 21-30 माह में गैलरी तैयार करने, प्रदर्शनी विकसित करने और आपरेशन स्टाफ प्रशिक्षण देने के लिए होगा। आखिर में चौथे चरण के तहत 33 वें माह में इसको शुरू करने का कार्य किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सीएम रेखा गुप्ता ने पिछले माह दिल्ली सरकार के बजट भाषण में टाउन हाल परिसर के सुधार और इसे एक वैश्विक विरासत केंद्र बनाने की घोषणा की थी। इसमें राष्ट्रीय राजधानी की कला, संस्कृति और खान-पान को भी प्रदर्शित किया जाएगा। निगमायुक्त द्वारा स्थायी समिति को भेजे गए प्रस्ताव में कहा गया है कि टाउन हाल एमसीडी की संपत्ति है और 160 पुरानी ग्रे-1 की संरक्षित इमारत है। इसमें 1866 से 2012 तक निगम के मुख्यालय भी संचालित हुआ था। एमसीडी के प्रस्ताव में कहा गया है कि इसके लिए दिल्ली सरकार से एमसीडी ने संपर्क किया था। दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम से इसको लेकर कार्य करेगा। निगम इस पर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं करेगा। लेकिन दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम को इसमें टिकट, फूड कोर्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए किराये पर दिए जाने से राजस्व प्राप्त होगा उसमें निगम का भी हिस्सा होगा। बता दें कि टाउन हाल को पहले भी आइजीएनसीए के साथ मिलकर विकसित करने की योजना एमसीडी ने बनाई थी लेकिन निगम की वह योजना अब सिरे नहीं चढ़ पाएगी।

उत्तम नगर का कायाकल्प शुरू! 200 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की घोषणा

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास कार्यों की शुरुआत की गई है। स्थानीय विधायक पवन शर्मा ने बताया कि क्षेत्र के समग्र कायाकल्प के लिए करीब 200 करोड़ रुपये की योजना की घोषणा की है, जिसके तहत सड़कों, नालियों और सीवर व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त किया जाएगा। विधायक ने बताया कि क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 175 करोड़ रुपये के विशेष कार्य शुरू किए गए हैं। इसमें 55 फुटा रोड के निर्माण व मरम्मत और नालियों के नवीनीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अलावा, नगर निगम को भी विकास कार्यों के लिए 30 करोड़ रुपये का अलग से बजट दिया गया है।वर्तमान में विपिन गार्डन इलाके में गलियों और नालियों का निर्माण कार्य लगभग 90 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है, जिस पर करीब 8 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं मटियाला, आनंद विहार और डीडीए कालोनी बिंदापुर में भी लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से तेजी से विकास कार्य चल रहे हैं।जल-जमाव और सीवर ओवरफ्लो की समस्या को लेकर विधायक ने कहा कि नवादा जैसे क्षेत्रों में लंबे समय से जाम पड़े सीवरों की मरम्मत और नए सीवर लाइन बिछाने का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है, ताकि लोगों को स्थायी राहत मिल सके। विकास को भी योजना में प्रमुखता दी गई है। मुख्यमंत्री स्कूल मद के तहत दो सरकारी स्कूलों के आधुनिकीकरण के लिए 5 करोड़ और 3 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

डीटीसी कर्मचारी कल्याण कोष में 22 लाख का गबन

नई दिल्ली, एजेंसी। 99000 करोड़ से अधिक के घाटे में चल रहे दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के कर्मचारी कल्याण कोष में 22 लाख का गबन हुआ है, जो पिछले कई सालों से किया जा रहा था। डीटीसी प्रशासन द्वारा इस मामले में चार अधिकारियों की बनाई गई समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी है जिसमें इस बात की पता चला है। समिति ने निगम के एक अनुबंधित कर्मचारी पर इस मामले में शामिल होने का शक जाहिर किया है। निगम प्रशासन अभी इस कर्मचारी पर कार्रवाई नहीं कर सका है। निगम ने कर्मचारी के साइन मैच कराने के लिए प्रक्रिया शुरू की है। इस बीच निगम ने सभी संवेदनशील पदों पर अनुबंधित कर्मचारियों की नियुक्ति न किये

जाने के लिए निर्देश जारी किए हैं। कर्मचारी पिछले काफी समय से गैर हाजिर चल रहा है। इस मामले में पुलिस में भी एफआइआर दर्ज कराई गई है। डीटीसी दिल्ली सरकार के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवा उपलब्ध कराने वाला एकमात्र निगम है। डिम्ट्स की बसें भी अब डीटीसी के बेड़े में शामिल की जा चुकी हैं। इसके बाद इसकी जिम्मेदारी और बढ़ने जा रही है। मगर इन सब के बीच डीटीसी में पैसे का गबन कर लिए जाने का मामला सामने आ चुका है। सूत्रों के अनुसार यह मामला उस समय सामने आया जब किसी कर्मचारी के परिजनों के नाम पर इस कोष से राशि जारी कराने के लिए बैंक में दस्तावेज भेजा गया था।

तोड़ा जाएगा दिल्ली का 'मनहूस बंगला'! जहां न कोई सीएम टिका न ही मंत्री, वीआईपी पते 33 शामनाथ मार्ग की रहस्यमयी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में स्थित 33, शामनाथ मार्ग का ब्रिटिश कालीन बंगला दशकों से 'मनहूस बंगला' के नाम से चर्चा में रहा है। राजनीतिक घटनाओं, संयोगों और अधूरे कार्यकालों की कहानियों से जुड़ा यह वीआईपी आवास अब एक बार फिर सुर्खियों में है। दिल्ली सरकार इस दो मंजिला बंगले को गिराकर यहां राज्य आपदा प्रबंधन कार्यालय बनाने की संभावना पर विचार कर रही है। करीब 100 साल पुराने इस बंगले को लेकर लंबे समय से राजनीतिक गलियारों में अजीब तरह का डर और मिथक बना हुआ है। यही कारण है कि वर्षों से यह बंगला खाली पड़ा है और कई नेता तथा अधिकारी यहां रहने से परहेज करते रहे हैं। बताया जाता है कि यह बंगला करीब 1920 के आसपास बनाया गया था। करीब 5500 वर्गमीटर क्षेत्र में फैले इस विशाल परिसर में चार बेडरूम, कई ड्राइंग रूम, बड़ा लिविंग एरिया, कॉन्फ्रेंस स्पेस, फव्वारे, सामने बड़ा लॉन और सात स्टाफ क्वार्टर मौजूद हैं। बंगले की एक तकनीकी समस्या भी बताई जाती है, इसके कमरों की अत्यधिक ऊंचाई के कारण यहां आवाज गूंजती है, जिससे इसे उपयोग में लाना कुछ लोगों को असहज लगता है। इस बंगले की बदकिस्मती की चर्चा 1952 से शुरू होती है, जब दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री चौधरी ब्रह्म प्रकाश यहां रहने लगे। लेकिन कथित घोटाले के आरोपों के बीच 1955 में उन्हें अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा देना पड़ा।

इसके बाद 1993 में मुख्यमंत्री बने मदन लाल खुराना को यह बंगला आवंटित किया गया। हालांकि

उन्होंने यहां रहने के बजाय इसे कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया, लेकिन वे भी 1996 में अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके और इस्तीफा देना पड़ा।

वर्ष 1996 में जब साहिब सिंह वर्मा दिल्ली के मुख्यमंत्री बने, तब भी 33 शामनाथ मार्ग का यह बंगला चर्चा में था। बताया जाता है कि उन्होंने इस बंगले में रहने से परहेज किया, हालांकि कुछ समय तक इसे अपने कैंप कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया गया। लेकिन उनका कार्यकाल भी पूरा नहीं हो सका और बाद में उनकी जगह सुषमा स्वराज को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया गया। इसी कारण राजनीतिक गलियारों में यह धारणा और मजबूत हुई कि इस पते से जुड़े नेताओं का कार्यकाल अक्सर अधूरा रह जाता है।

साल 2003 में दिल्ली सरकार के उद्योग मंत्री दीपचंद बंधु को यह बंगला आवंटित किया गया। बताया जाता है कि कुछ ही समय बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें मेनिन्जाइटिस हो गया। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद बंगले को लेकर 'मनहूस' होने की धारणा और गहरी हो गई और लंबे समय तक कोई भी नेता या अधिकारी यहां रहने के लिए तैयार नहीं हुआ।

शीला दीक्षित ने यहां रहने से कर दिया था इनकार

पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने भी इस बंगले में रहने से इनकार कर दिया था और उन्होंने मथुरा रोड स्थित अपेक्षाकृत छोटे आवास को चुनना बेहतर समझा। 2013 में दिल्ली सरकार के तत्कालीन प्रधान सचिव (पावर) शक्ति सिन्हा को यह बंगला आवंटित किया गया, लेकिन वे भी केवल चार महीने के भीतर ही इसे छोड़कर चले गए।

आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान इस बंगले को दिल्ली संवाद एवं विकास आयोग का कार्यालय बनाया गया। उस समय आयोग के उपाध्यक्ष आशीष खेतान और बाद में जस्मिन शाह ने यहां से काम किया, लेकिन दोनों का कार्यकाल भी विवादों के बीच पूरा नहीं हो सका। सूत्रों के अनुसार दिल्ली सरकार अब इस 'मनहूस' छवि वाले बंगले को गिराने पर विचार कर रही है। योजना यह है कि यहां राज्य आपदा प्रबंधन का नया कार्यालय बनाया जाए।

पाकिस्तान को तगड़ा झटका, मुस्लिम देश ने बंद कर दी बड़ी सुविधा, भारत को राहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश कतर ने एक बड़ा कूटनीतिक फैसला लेते हुए पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा ऑन अराइवल (पहुंचने पर वीजा) की सुविधा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जहां एक ओर पाकिस्तान इस समय कड़े यात्रा प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारत और कतर के प्रगाढ़ होते रिश्तों का असर स्पष्ट दिख रहा है। युद्ध जैसी वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद, कतर ने भारतीय नागरिकों के लिए वीजा नियमों को उदार बनाए रखा है। पाकिस्तानियों के लिए अनिवार्य हुआ पहले से वीजा लेना कतर में स्थित पाकिस्तानी दूतावास ने मंगलवार को एक आधिकारिक यात्रा परामर्श जारी करते हुए इस बदलाव की पुष्टि की है। दूतावास ने स्पष्ट किया है कि अब बिना पहले से प्राप्त वीजा के कतर पहुंचने वाले पाकिस्तानी यात्रियों को हवाई अड्डे से ही वापस भेजा जा सकता है। दूतावास ने इस फैसले के पीछे मौजूदा क्षेत्रीय हालात और कतर की आंतरिक सुरक्षा स्थितियों को मुख्य

कारण बताया है। यात्रियों को निर्देश दिया गया है कि वे यात्रा की योजना बनाने से पहले आधिकारिक वेबसाइटों के माध्यम से जानकारी जुटाएं और कतरी वीजा केंद्रों से संपर्क करें। एक तरफ जहां पाकिस्तान के लिए नियम सख्त हुए हैं, वहीं भारत के साथ कतर के संबंध और भी मजबूत नजर आ रहे हैं। 28 फरवरी 2026 से कतर सरकार ने उन सभी प्रवेश वीजा की अवधि को स्वत: ही 30 दिनों के लिए बढ़ा दिया था, जो खत्म होने की कगार पर थे। यह विशेष राहत उन भारतीयों को दी गई थी जो पहले से वहां मौजूद थे।

होर्मुज क्राइसिस: तेल संकट में भी चीन मजबूत

बीजिंग, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने का खतरा दुनिया के कई देशों के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इस रास्ते से सबसे ज्यादा तेल आयात करने वाला चीन इस संकट से निपटने के लिए काफी हद तक तैयार नजर आता है।

चीन खाड़ी देशों से भारी मात्रा में तेल लेता है, लेकिन उसने पिछले कई वर्षों में ऐसी नीतियां अपनाई हैं, जिससे उसकी ऊर्जा पर निर्भरता कम हो गई है। यही वजह है कि अन्य एशियाई देशों के मुकाबले चीन इस संकट को बेहतर तरीके से झेल सकता है। चीन की सरकारी मीडिया भी लोगों को यह भरोसा दिला रही है कि देश के पास अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत है और घबराने की जरूरत नहीं है।

इलेक्ट्रिक वाहनों से कम हुई तेल की खपत

चीन में इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे तेल की खपत पर बड़ा असर पड़ा है। 2020 में सरकार ने लक्ष्य रखा था कि 2025 तक 20त्न गाड़ियां इलेक्ट्रिक होंगी, लेकिन यह आंकड़ा पिछले साल ही करीब 50त्न तक पहुंच गया। इस तेजी से बढ़ोतरी के कारण चीन की तेल खपत अब स्थिर हो गई है और पहले के अनुमान के मुकाबले कम तेल आयात करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण जितना तेल बचा, वह लगभग उतना ही है जितना

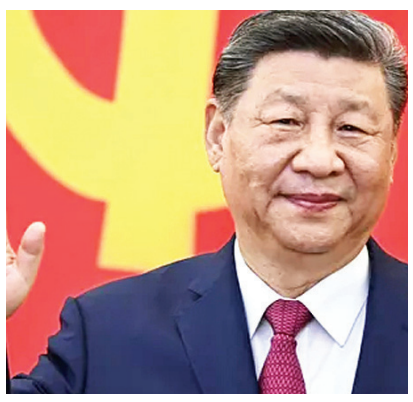

चीन सऊदी अरब से आयात करता था। चीन की बिजली व्यवस्था काफी हद तक अपने घरेलू संसाधनों पर आधारित है। यहां बिजली उत्पादन में कोयले और तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा (सोलर और पवन) का बड़ा योगदान है।

इस वजह से चीन को बिजली के लिए ज्यादा आयात पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और ऊर्जा जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सकता है। साफ ऊर्जा के विस्तार से चीन को हर साल बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में भी मदद मिल रही है।

तेल के कई स्रोत और बड़ा भंडार

चीन अपनी तेल आपूर्ति को एक ही देश पर निर्भर नहीं रखता। वह रूस, वेनेजुएला और ईरान समेत कई देशों से तेल खरीदता है, जिससे जोखिम कम हो जाता है। इसके अलावा चीन के पास बड़ा तेल भंडार भी है। अनुमान के मुताबिक, उसके पास इतना स्टॉक है कि वह होर्मुज के रास्ते आने वाले तेल की कमी को करीब सात महीने तक पूरा कर सकता है। यह रणनीति उसे अचानक आने वाले संकट से बचाने में मदद करती है। चीन का घरेलू तेल उत्पादन भी बढ़ा है और पिछले साल यह 43 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया, जो उसकी कुल जरूरत का एक बड़ा हिस्सा पूरा करता है। साथ ही, चीन ने पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए रूस, मध्य एशिया और म्यांमार से तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की है, जिससे समुद्री रास्तों पर निर्भरता कम होती है। हालांकि, भविष्य में और पाइपलाइन परियोजनाएं भी प्रस्तावित हैं, लेकिन उन्हें पूरा होने में अभी समय लगेगा।

बेलारूस राष्ट्रपति का शॉकिंग ऐलान: अब शांति नहीं चाहिए, हम युद्ध की तैयारी कर रहे!

मिन्स्क , एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा है कि उनका देश अब शांति के समय में नहीं है, बल्कि युद्ध की तैयारी कर रहा है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब रूस-यूक्रेन वार के कारण पूरे यूरोप में तनाव लगातार बढ़ रहा है। लुकाशेंको ने सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक में स्पष्ट कहा कि बेलारूस युद्ध नहीं चाहता, लेकिन आसपास के हालात को देखते हुए तैयार रहना जरूरी है। बेलारूस, रूस का करीबी सहयोगी है और उसने यूक्रेन युद्ध के दौरान मॉस्को का समर्थन भी किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बयान सिर्फ बयानबाजी नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संकेत हो

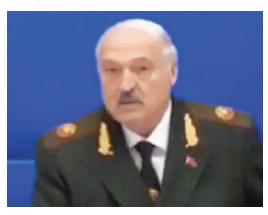

सकता है। इससे यह साफ होता है कि बेलारूस अपनी सेना को मजबूत कर रहा है और किसी भी संभावित संघर्ष के लिए तैयार रहना चाहता है। बेलारूस की सीमाएं सीधे रूस और यूक्रेन के पास हैं, साथ ही कई नाटो देशों के भी करीब हैं। ऐसे में यह बयान नाटो और पश्चिमी देशों के लिए चिंता का विषय बन गया है। इसका असर आम जनता पर भी पड़ सकता है जैसे ज्यादा सैन्य अभ्यास, रक्षा बजट में बढ़ोतरी और सुरक्षा नियमों का सख्त होना। लोगों के जीवन में अस्थिरता बढ़ सकती है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि बेलारूस सीधे किसी युद्ध में शामिल होगा या सिर्फ अपनी सुरक्षा मजबूत कर रहा है। लेकिन इतना जरूर है कि इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है और आने वाले दिनों में हालात पर सबकी नजर रहेगी।

ट्रंप ने किया ईरानी सेना को नष्ट करने का दावा, तेहरान ने इस्राइल पर दागीं मिसाइलें

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष में हालात अब विस्फोटक और बेकाबू हो चुके हैं। इस्राइल और अमेरिका का ईरान के साथ जारी भीषण टकराव अब अपने 34वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हालात ज्यादा खतरनाक रूप ले चुका है। मिसाइलों की बारिश और लगातार धमाकों ने तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है। यह युद्ध अब सीमाओं को तोड़कर वैश्विक खतरा बन गया है, जहां हर पल विनाश और अनिश्चितता का साया गहराता जा रहा है।

इस्राइली सेना ने कुछ देर पहले दो बयान जारी कर ईरान की धरती से इस्राइल की ओर दागी गई मिसाइलों की चेतावनी दी है। चैनल 12 के मुताबिक, इन हमलों से उत्तरी इस्राइल में दहशत फैल गई है और इनमें से एक मिसाइल में खतरनाक वारहेड लगा हुआ है।

तीन इंडोनेशियाई शांति सैनिकों की हत्या मामले की जांच में लग सकता है समय: यूएन प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उम्मीद है कि जमीनी हालात चुनौतीपूर्ण होने और घटना स्थल तक पहुंचने में देरी के बावजूद वह जल्द ही जांच की स्थिति के बारे में जानकारी दे पाएगा। दुजारिक ने आगे कहा, 'इन जांचों में समय लगता है, क्योंकि तकनीकी विशेषज्ञ घटनास्थल पर मौजूद भौतिक साक्ष्यों की जांच करते हैं, जबकि अन्य

विशेषज्ञ संदर्भ का अध्ययन करते हैं और संबंधित पक्षों से संपर्क करके जानकारी एकत्र और सत्यापित करते हैं। '

डेमोक्रेटिक सांसदों की ट्रंप के भाषण पर दी तीखी प्रतिक्रिया: अमेरिकी कांग्रेस के डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन की कड़ी आलोचना की है। सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों में डेमोक्रेटिक सांसदों ने ट्रंप के भाषण को घृणित और भयावह करार देते हुए कई सवाल उठाए हैं। कांग्रेस सदस्य यास्मीन अंसारी ने ईरान को पाषाण युग में वापस भेजने की ट्रंप की धमकी को नौ करोड़ लोगों वाले देश के बारे में बात करने का एक घृणित और भयावह तरीका बताया। उन्होंने इस तरह की भाषा के इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई।

कांग्रेस सदस्य जिम हाइम्स ने कहा कि ट्रंप का भाषण समाप्त होने के एक घंटे के भीतर ही तेल की कीमतों में पांच डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि हुई। वहीं, सीनेटर क्रिस वैन होलेन ने ट्रंप के इस दावे को झूठ करार दिया कि उन्होंने दो सप्ताह से अधिक समय पहले हम जीत गए थे। उन्होंने कहा, 'यह भ्रमित व्यक्ति हमारे देश और दुनिया के लिए खतरा है।' वैन होलेन ने ट्रंप के बयानों को खतरनाक बताते हुए उनकी मानसिक स्थिति पर भी सवाल उठाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वॉशिंगटन ने ईरानी सेना को नष्ट कर दिया है और अपने युद्ध उद्देश्यों को प्राप्त करने के करीब है। इस बयान के बाद ईरान ने इस्राइल पर कई मिसाइलें दागी हैं। ईरान के इस हमले को अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। कुवैत में विभिन्न कारणों से जान गंवाने वाले 20 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर बुधवार को केरल के कोचीन हवाईअड्डे पर पहुंचे। इनमें तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के मुथुकुलथुर निवासी संथानसेल्वम कृष्णन का शव भी शामिल था।

संघ राष्ट्रहित में समाज को एकजुट कर देश की प्रगति में योगदान करता है : सुनील आम्बेकर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के निमित्त विभिन्न कार्यक्रम अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित हो रहे हैं। "प्रमुख जन गोष्ठी" की कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बोकारो महानगर द्वारा आज सेक्टर 2 स्थित कला केंद्र में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी के बौद्धिककर्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुनील आंबेकर ने कहा कि संघ के लिए राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि है। संघ का उद्देश्य राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान देना और समाज को एकजुट कर देश की प्रगति में योगदान करना है। उन्होंने वर्ष 1925 में विजयादशमी के अवसर पर महाराष्ट्र के मोहितेबाड़ा में संघ की स्थापना से लेकर आज 100 वर्ष पूर्ण करने तक की गतिविधियों पर क्रमवार विवरण प्रस्तुत करते हुए संघ की संगठनात्मक परंपरा, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के आदर्शों पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में संघ के कार्य और विचार को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है, संघ केवल एक संगठन नहीं बल्कि यह एक अनुभूति का विषय है। श्री आम्बेकर ने वर्तमान में सर संघचालक के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ को शब्दों में पूर्ण रूप से व्यक्त करना कठिन है। इसे अनुभव के माध्यम से ही समझा जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बोकारो महानगर द्वारा प्रमुख जन्म गोष्ठी का आयोजन

उन्होंने कहा कि संघ व्यक्ति निर्माण को केंद्र में रखता है, शाखा के माध्यम से अनुशासन, संस्कार, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित की जाती है। समाज में सकारात्मक परिवर्तन संघ की संचालित शाखाओं के माध्यम से हो रहा है। संघ ने सामान्य व्यक्तियों की शक्ति पर विश्वास किया और समाज परिवर्तन के लिए किसी विशेष वर्ग या व्यक्ति पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है।, समाज परिवर्तन के लिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने शताब्दी वर्ष में संघ के पंच परिवर्तन के संकल्प का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि इसे अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। इनमें 'स्व का भाव' के अंतर्गत आम गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता पर बल, 'कुटुंब प्रबोधन' के अंतर्गत परिवारों में संस्कार और संवाद, 'सामाजिक समरसता' के अंतर्गत समाज के सभी वर्गों में समानता और एकता, 'पर्यावरण' के अंतर्गत प्रकृति संरक्षण और सतत विकास तथा एक विषय 'नागरिक कर्तव्य' है जिसमें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा है। अब कर्तव्य के लिए आंदोलन करने की बात कही। हिंदू समाज की एकता में सबसे बड़ी बाधा जाति है, इसके लिए समाज को मजबूती से खड़ा होना होगा। उन्होंने संघ के संस्थापक पूज्य डॉ केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन और उनके राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत व्यक्तित्व का विस्तृत वर्णन किया। डॉक्टर हेडगेवार जन्म से ही राष्ट्र के प्रति समर्पित थे। वह अंग्रेजों के शासनकाल में भारतीय समाज और संस्कृति पर पड़े प्रभाव को निकट से देखा और अनुभव किया, जिससे उनके मन में राष्ट्र पुनर्निर्माण का संकल्प जागृत हुआ। गोष्ठी का उद्देश्य केवल स्मरणोत्सव ना होकर समाज के लिए मार्गदर्शन तैयार करना है प्रमुख जन गोष्ठी के माध्यम से उन्होंने संघ के संकल्पों को दोहराते हुए समाज से अधिक निकट से जुड़ने और राष्ट्रीय हित में सक्रिय योगदान का आह्वान किया। इसके उपरांत उपस्थित जनों के बीच सुझाव प्रश्नोत्तरी एवं जिज्ञासा समाधान का सत्र हुआ जिसमें लोगों ने अपने सुझाव दिए और श्री आम्बेकर द्वारा प्रश्नों एवं जिज्ञासा का समाधान किया गया। बोकारो महानगर संपर्क प्रमुख दिनेश्वर सिंह ने मंच का संचालन किया एवं गोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन बोकारो महानगर के संघचालक रंजीत बर्णवाल ने किया। गोष्ठी में उपस्थित रहने वालों में प्रमुख रूप से प्रांत प्रचारक गोपाल शर्मा, धनबाद विभाग संघचालक केशव हड़ोदिया, विभाग कार्यवाही धीरेंद्र गोप, महानगर कार्यवाह रतनलाल महतो, विभाग संपर्क प्रमुख राजकुमार सिंह, डॉ नरेन्द्र कुमार राय, संजय कुमार, जितेंद्र मिश्रा, प्रशांत कुमार, मोहनन नायर, अविनाश सिंह, राम नागेंद्र प्रसाद, परशुराम साह, आलोक कुमार सिंह, , हरिओम, अभय श्रीवास्तव, शैलेश कुमार वर्मा, शशिभूषण विश्वकर्मा, परमेश्वर लाल वर्णवाल, राकेश मिश्रा, राजेश दुबे, अनिल कुमार, डा साकेत मिश्रा, संजय पोद्दार, विनोद कुमार, सत्यम भारती, राजेश कुमार, विनय सिंह, पी पी प्रसाद, रवि भारद्वाज समेत अनेकों मातृ शक्ति भी उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त समाचार

सुंदरकांड, हनुमान चालीसा पाठ एवं हवन पूजन के साथ प्रारंभ हुआ सत्रारंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी बोकारो में हनुमान जयंती के अवसर पर सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ एवं हवन पूजन के साथ सत्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव जी. पी. सिंह ने कहा कि अपनी संस्कृति में किसी भी शुभ कार्य को करने से पूर्व ईश्वर की आराधना और हवन, यज्ञ करने का विधान है। विद्यालय गतिविधि भी एक पुनीत कार्य है जिसके द्वारा हम अच्छे बालकों का निर्माण करते हैं। जिसके लिए हमारे ऊपर ईश्वर की कृपा बनी रहे और हम दृढ़ता के साथ आगे बढ़े और देश के भविष्य का निर्माण कर सकें । इसके लिए आज विद्यालय में हवन और पूजन का कार्यक्रम हुआ। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने कहा कि विद्या भारती योजना में आज पूरे देश भर में इसी प्रकार से हवन - पूजन, यज्ञ के साथ विद्यालय का सत्रारंभ किया गया है। जिसमें आचार्य एवं दीदी जी के साथ-साथ भैया - बहनों की भी सहभागिता रहती है। आज हमारे विद्यालय में 21 सुंदरकांड पाठ के साथ-साथ लगभग ढाई सो भैया - बहनों ने 21 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। उसके बाद हवन पूजन कर वर्ष भर अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु ईमानदारी से प्रयास करने का संकल्प लिया गया । इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी आचार्य चंदन सरकार के साथ-साथ भैया बहन अभिभावक वृद्ध आचार्य दीदी जी एवं कर्मचारी बंधु भगिनी उपस्थित रहे।

टीबी के इलाजरत 55 मरीजों को मिला मार्च माह का पोषाहार किट

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डालमिया भारत फाउंडेशन बालीडीह के द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत कुल 55 टीबी के इलाजरत मरीजों को माह अक्टूबर, 2025 में छः माह के लिए गोद लिया गया था, जिसके आज मार्च माह का पोषाहार किट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला आपदा प्रबंधन-सह-जिला सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार के द्वारा डालमिया भारत फाउंडेशन बालीडीह की पूरी टीम को भारत सरकार द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिला आपदा प्रबंधन-सह-जिला सीएसआर नोडल पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार ने बताया कि डालमिया भारत फाउंडेशन, बालीडीह के सीएसआर द्वारा प्रतिमाह अक्टूबर, 2025 से कुल 55 टीबी के इलाजरत मरीजों को भारत सरकार के मानक पोषाहार किट का वितरण किया गया। इसके तहत आज मार्च माह का पोषाहार किट का वितरण किया गया।

एसआईआर की प्रक्रिया में सभी नागरिक निभाएं सक्रिय भागीदारी : उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतवर्ष में 9वीं बार हो रहे विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची को अद्यतन एवं शुद्ध करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आदित्य रंजन ने जिले के सभी नागरिकों से एसआईआर की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। एसआईआर पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1951 से 2004 तक यह प्रक्रिया आठ बार सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी है। यह एक नियमित, पारदर्शी और संवैधानिक प्रक्रिया है। झारखंड में अंतिम एसआईआर वर्ष 2003 में की गई थी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत यदि कोई व्यक्ति भारत का नागरिक है, उसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक है तथा वह संबंधित निर्वाचन क्षेत्र का निवासी है, तो वह मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए पात्रता रखता है। कहा कि सोशल मीडिया, अपुष्ट संदेश या सुनी सुनाई बातों पर विश्वास न करें। अधूरी जानकारी लोगों में अनावश्यक रूप से डर और भ्रम पैदा करती है। इसकी सही जानकारी के लिए चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट eci.gov.in, सीईओ झारखंड के आधिकारिक वेबसाइट ceo.jharkhand.gov.in, सीईओ झारखंड के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, 1950 या सीईओ ऑफिस के टॉल फ्री नंबर 1800 331 1950 पर कॉल करके या बीएलओ से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

बीएसएल कर्मचारी को मिला जीवनदान : बोकारो जनरल अस्पताल में सटीक ट्रॉमा केयर ने बचाई जान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जनरल अस्पताल में समय के साथ चली एक कड़ी जंग में, अजीत मिश्रा (गोपनीयता के लिए बदला हुआ नाम), जो कि 31 वर्षीय बीएसएल कर्मचारी हैं, को मौत के मुंह से बाहर निकाल लिया गया। धनबाद के पास हुई एक भीषण बाइक दुर्घटना के बाद उन्हें बी जी एच लाया गया था, जहां उनके सिर में भारी आंतरिक रक्त स्राव, सिर और चेहरे की कई हड्डियाँ टूटना और पैर में फ्रैक्चर जैसी गंभीर चोटें थीं।

इलाज की मुख्य कड़ियां

गंभीर स्थिति: देर रात को अस्पताल पहुँचने के कुछ ही देर में मरीज कोमा में चले गए और उनकी स्थिति हर बीतते पल के साथ बिगड़ती जा रही थी। **जटिल सर्जरी:** न्यूरोसर्जन डॉ.आनंद कुमार ने आंतरिक रक्तस्राव को रोकने के लिए सुबह 3 बजे एक जटिल सर्जरी शुरू की, जो 3 घंटे से अधिक समय तक चली। **समय का महत्व:** डॉ.आनंद के अनुसार, यदि इलाज में 30 से 60 मिनट की भी देरी होती, तो यह जानलेवा साबित हो सकता था। सामान्यतः ऐसे मामलों में मृत्यु दर 60% से 80% के बीच होती है। **टीमवर्क :** 'गोल्डन आवर' के दौरान मिली इस सफलता में कैजुअल्टी मेडिकल अफसर डॉ.सुनील कुमार, डॉ.सौरभ खडतकर (डीएनबी जनरल सर्जरी) और डॉ. प्रेमनीत कुमार (मेडिकल अफसर, न्यूरोसर्जरी) की त्वरित प्रतिक्रिया और सहयोग की अहम भूमिका रही। सर्जरी के बाद मरीज को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था, जहाँ उनकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई थी। ऑपरेशन के दो दिन बाद मरीज ने पहली बार अपनी आँखें खोलीं। **कठिन संघर्ष :** वेंटिलेटर सपोर्ट, संक्रमण प्रबंधन और विशेष फिजियोथेरेपी के 50 दिनों के कठिन रिकवरी पीरियड के बाद, मरीज को 28 मार्च 2026 को स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अंतरराज्यीय गिरोहों के नाम पर रंगदारी मांगने वाले प्रिंस गुप्ता सहित सात चढ़े पुलिस के हत्थे

हथियार बरामदगी के दौरान प्रिंस ने की पुलिस पर फायरिंग, बचाव में पुलिस ने मारी पैर में गोली

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में पिछले कुछ महीनों से व्यवसायियों के बीच भय का माहौल बना हुआ है। लगातार अंतरराज्यीय गिरोहों के नाम पर रंगदारी की मांग की जा रही है और पैसा नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियाँ दी जा रही हैं। अपराधी अलग-अलग नामों जैसे प्रिंस खान, राहुल दुबे, अमन साहू और प्रकाश शुक्ला का इस्तेमाल कर व्यवसायियों को डराने की कोशिश कर रहे थे, जिससे भय का वातावरण और गहरा गया। इस मामले में पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि सिटी थाना और बालीडीह थाना में रंगदारी के दो मामले दर्ज किए गए थे। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने प्रिंस गुप्ता उर्फ भाटी समेत सात अपराधियों को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि प्रिंस गुप्ता खुद को अंतरराज्यीय गिरोहों से जुड़ा बताकर स्थानीय स्तर पर अपना गिरोह चला रहा था। वह अपने साथियों को मोबाइल सिम और हथियार उपलब्ध कराता था और खुद सरगना की भूमिका निभा रहा था। जिन व्यवसायियों से रंगदारी मांगनी होती थी, उनके मोबाइल नंबर भी वही उपलब्ध कराता था। गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस टीम प्रिंस गुप्ता की निशानदेही पर हथियार बरामद करने गई, तब उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी ने यह भी स्पष्ट किया कि अभी यह कहना संभव नहीं है कि अलग-अलग अंतरराज्यीय गिरोह आपस में जुड़े हुए हैं या नहीं, लेकिन उनकी गतिविधियाँ समाज और देश के खिलाफ हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि बोकारो पुलिस ऐसे अपराधों पर कड़ी नजर रखे हुए है और इन्हें रोकने के लिए लगातार काम कर रही है। साथ ही उन्होंने व्यवसायियों से अपील की कि वे भयभीत न हों और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

वित्तीय वर्ष 2026-27 बीसीसीएल के लिए बेहद महत्वपूर्ण : मनोज अग्रवाल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल ने पिछले वित्तीय वर्ष की समीक्षा करते हुए साफ कहा है कि बीता साल कई चुनौतियों से भरा रहा है. उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ अहम क्षेत्रों में प्रदर्शन अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, लेकिन इन चुनौतियों ने संगठन को सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर भी दिया है. किन कारणों से प्रभावित हुआ प्रदर्शन उन्होंने जोर देकर कहा कि अब वक्त है ईमानदारी से आत्ममंथन करने का, यह समझने का कि आखिर कहां कमी रह गई और किन कारणों ने प्रदर्शन को प्रभावित किया है. इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाला वित्तीय वर्ष 2026-27 बीसीसीएल के लिए बेहद महत्वपूर्ण होने जा रहा है, क्योंकि कोल इंडिया लिमिटेड ने इसे 'ईयर ऑफ रिफॉर्म एंड ट्रांसफॉर्मेशन' के रूप में घोषित किया है. हर स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की जरूरत सीएमडी ने कहा कि अब लक्ष्य सिर्फ तय टारगेट हासिल करना नहीं, बल्कि हर क्षेत्र में नए बेंचमार्क स्थापित करना है. चाहे वह उत्पादन हो, उत्पादकता, तकनीक का उपयोग, ऑपरेशनल दक्षता या कोयले की गुणवत्ता, हर स्तर पर बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करना होगा. नया साल में नए संकल्प उन्होंने सबसे ज्यादा जोर सेफ्टी पर देते हुए कहा कि 'नया साल, नए संकल्प सुरक्षित काम, सफल परिणाम' के मंत्र के साथ आगे बढ़ना है. सेफ्टी के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं होगा और हर कर्मचारी का सुरक्षित घर लौटना ही सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी. कमियों में सुधार जरूरी इसके साथ ही उन्होंने संगठन में अकाउंटेबिलिटी, ओनरशिप और टीम वर्क को कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने की बात कही है. उन्होंने विश्वास जताया है कि अब जब कमियों की पहचान हो चुकी है, तो सुधार और तेज प्रगति की दिशा में बीसीसीएल मजबूती से आगे बढ़ेगा.

'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत बीएसएल में सफाई मित्रों के लिए सम्मान समारोह

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के नगर प्रशासन विभाग द्वारा 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अन्तर्गत एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन सफाई मित्रों की अथक सेवाओं और समर्पण को सम्मान देना था, जो शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। यह समारोह मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) कुंदन कुमार एवं महाप्रबंधक प्रभारी (टीई-पीएच) लंबोदर उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। समारोह के सफल निष्पादन में उप महाप्रबंधक (टीई-पीएच) तरुण श्रीवास्तव, सहायक महाप्रबंधक (टीई-पीएच) जयनाथ कुमार तथा सहायक प्रबंधक (टीई-पीएच) विनोद पाल टिग्गा की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर महाप्रबंधक (नगर प्रशासन-मानव संसाधन-सीएसी) प्रांजली भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न सफाई अभियानों, जागरूकता कार्यक्रमों और क्षेत्रीय गतिविधियों में उत्कृष्ट एवं अनुशासित प्रदर्शन करने वाले सफाई मित्रों को स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि पखवाड़े भर चलने वाले इस स्वच्छता अभियान की सफलता का श्रेय मुख्य रूप से सफाई मित्रों की निष्ठा और कठिन परिश्रम को जाता है। उन्होंने तड़के सुबह के विशेष सफाई अभियानों, कचरा पृथक्करण गतिविधियों और सार्वजनिक एवं आवासीय क्षेत्रों में सघन सफाई कार्यों में उनके योगदान की सराहना की। अधिकारियों ने रेखांकित किया कि सफाई कर्मी शहर की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत से ही टाउनशिप के निवासियों को स्वच्छ वातावरण एवं बेहतर जीवन स्तर प्राप्त होता है। कार्यक्रम का समापन सफाई मित्रों के प्रति सम्मान और एकजुटता के संदेश के साथ हुआ। यह आयोजन सफाई मित्रों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने और उनके मनोबल को बढ़ाने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की एक सराहनीय पहल है। इस प्रकार के सम्मान समारोह न केवल कर्मियों में कार्य के प्रति गौरव का भाव जागृत करते हैं, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति संगठन की अटूट प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करते हैं,

बीएसएल के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आउटसोर्स कर्मचारियों हेतु 'संवर्धन' पोर्टल शुरू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा संयंत्र की प्रशिक्षण यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित करते हुए 'संवर्धन' नामक एसएपी आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल विशेष रूप से आउटसोर्स कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के लिए समर्पित है। इस अवसर पर वर्ष 2025-26 के लिए ज्ञानार्जन एवं विकास उत्कृष्टता सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। 'संवर्धन' प्लेटफॉर्म का विधिवत शुभारंभ निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त, मुख्य महाप्रबंधक, प्रशिक्षण इंजीनियर तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा ने सभी का स्वागत करते हुए वर्ष 2025-26 हेतु नियोजित प्रमुख प्रशिक्षण पहलों पर प्रकाश डाला तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा-आधारित शिक्षण तंत्र की भूमिका को रेखांकित किया। निदेशक प्रभारी श्री रंजन ने अपने संबोधन में इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए पूरे संगठन में सीखने की संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने के प्रति अपनी अपेक्षाएं साझा कीं। अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री दत्त ने परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में निरंतर सीखने के महत्व को रेखांकित किया। एक भविष्योन्मुखी एवं उच्च प्रदर्शनशील कार्यबल के निर्माण के दृष्टिकोण के अनुरूप, बोकारो इस्पात संयंत्र में ज्ञानार्जन एवं विकास की गतिविधियाँ सभी स्तरों पर क्षमताओं को सुदृढ़ करने में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं। प्रत्येक कर्मचारी के लिए न्यूनतम 50 प्रशिक्षण घंटे सुनिश्चित करने का निर्णय संगठित एवं परिणाम-उन्मुख शिक्षण की दिशा में एक प्रभावी कदम है। इस पहल की विशेषता ज्ञानार्जन एवं विकास के ढांचे में आउटसोर्स कर्मचारियों को सम्मिलित करना है, जो समावेशी क्षमता विकास के प्रति संयंत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सीएंडआईटी तथा मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 'संवर्धन' पोर्टल प्रशिक्षण प्रबंधन में मानकीकरण, पारदर्शिता तथा रीयल-टाइम डेटा प्रबंधन सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम के दौरान उप महाप्रबंधक (सीएंडआईटी) मनोज कुमार तथा सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) अमित आनंद को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मनोज कुमार की ओर से यह सम्मान मुख्य महाप्रबंधक (सीएंडआईटी) ने प्राप्त किया। प्रशिक्षण एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए 'उत्कर्ष' (सर्वश्रेष्ठ विभाग) का पुरस्कार कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग को प्रदान किया गया, जबकि 'प्रेरक' (सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण इंजीनियर) का पुरस्कार आलोक कुमार को दिया गया। ये पुरस्कार निदेशक प्रभारी द्वारा प्रदान किए गए।कार्यक्रम का सफल समन्वय वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) प्रीति कुमारी तथा सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) अमित आनंद द्वारा किया गया। 'संवर्धन' पोर्टल का शुभारंभ डिजिटल लर्निंग एवं समावेशिता के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की अटूट प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। यह पहल न केवल कर्मियों की कार्यक्षमता एवं कौशल में वृद्धि करेगी, बल्कि परिचालन उत्कृष्टता एवं उत्पादकता के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु संयंत्र की निरंतर सुधार की संस्कृति को भी नया आयाम प्रदान करेगी।

डीटीओ के नेतृत्व में बालीडीह थाना क्षेत्र में चलाया गया वाहन जांच अभियान

बिना हेलमेट वाले 60 दो-पहिया चालकों पर हुई कार्रवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) मारुति मिंज के नेतृत्व में बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान विशेष रूप से दो पहिया वाहन चालकों की गहन जांच की गई। जांच के क्रम में कुल 60 दो पहिया वाहन चालक ऐसे पाए गए, जिन्होंने हेलमेट का उपयोग नहीं किया था। ऐसे सभी वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई के उपरांत सभी चालकों को बालीडीह थाना में बैठाकर सड़क सुरक्षा से संबंधित काउंसलिंग दी गई। उन्हें *हेलमेट की अनिवार्यता, उसके लाभ तथा सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वाहन चालकों को सख्त निर्देश दिया गया कि भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं करें। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की गई। बालीडीह थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में हो रही वृद्धि को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि ऐसे वाहन जांच अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे, ताकि सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com